संसेक्स	~ 80,623.26
निफ्टी	~ 24,596.15
सोना	~ 1,02,550
चांदी	~ 1,17,000
डॉलर	~ 87.46

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शुक्रवार 08 अगस्त 2025
श्रावण शुक्ल 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 314
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
PMG
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर चुनावों में धांधली होने का बड़ा आरोप लगाया

एक पते पर 50-50 मतदाता थे...

कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग अलग

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर बीते कुछ चुनावों में धांधली होने का बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों की कथित वोटर लिस्ट दिखाई जिसमें एक ही पते पर कई नाम दर्ज थे। उन्होंने मतदाता सूची दिखाई जिसमें कई वोटरों के मकान नंबर शून्य लिखा था और पिता का नाम भी गलत लिखा हुआ था। एक वोटर में पिता का नाम डिफोजगैड्फ' दिया गया था।

उन्होंने कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र का हवाला देकर आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर धांधली करके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाया गया। उन्होंने एक प्रेसवार्ता में कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची के आंकड़ों की प्रस्तुति देकर धांधली का दावा किया। राहुल गांधी ने बताया कि "चुनाव धांधली" के सबूत एकत्र करने में कुल 6 माह का समय लगा है। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों को 'मशीन के पढ़ने योग्य' (मशीन रीडेबल) डेटा नहीं दे रहा है, ताकि ये सब पकड़ा नहीं जा सके।

राहुल गांधी ने कहा कि उनकी टीम ने महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के डेटा का विश्लेषण कर गड़बड़ी का पता किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में छह में पिछड़ गई, लेकिन महादेवपुरा में बीजेपी को एकतरफा वोट मिला। राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 मतों की चोरी हुई। उन्होंने कहा, "एक पते पर 50-50 मतदाता थे...कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग अलग थे।

राहुल गांधी ने कहा, "हमारे संविधान में जो बातें निहित हैं, वहां इस तथ्य पर आधारित हैं कि एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार होगा। सवाल यह है कि अब यह विचार कितना सुरक्षित है कि एक व्यक्ति को एक वोट अधिकार मिलेगा? राहुल गांधी ने कहा, बीते कुछ समय से जनता में एक संदेह था। सत्ता विरोधी माहौल दल के खिलाफ होता है, लेकिन भाजपा इकलौती ऐसी पार्टी जिसके खिलाफ माहौल नहीं होता। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव का उल्लेख कर कहा कि सर्वेक्षण कुछ कह रहे थे, लेकिन नतीजे कुछ और हो गए।

कांग्रेस नेता ने कहा, "जब ईवीएम नहीं था, तब पूरा देश एक दिन वोट किया करता था, लेकिन आज के जमाने में कई चरणों में मतदान होता है..इसकारण लंबे समय से संदेह की स्थिति थी।" राहुल गांधी ने दावा किया कि आम चुनाव के बाद महाराष्ट्र में पांच महीनों के भीतर इतने मतदाताओं के नाम जोड़ दिए गए, जो पहले पांच साल की अवधि में नहीं जुड़े थे। उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान एक करोड़ मतदाता बढ़ गए। हम निर्वाचन आयोग के पास गए...हमने पूरी निश्चितता के साथ यह कहा कि महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी की गई।"

राहुल गांधी ने कहा महाराष्ट्र में, 5 महीनों में 5 साल से ज्यादा मतदाताओं के जुड़ने से हमारा संदेह बढ़ा और फिर शाम 5 बजे के बाद मतदान में भारी उछाल देखने को मिला। विधानसभा में हमारा गठबंधन पूरी तरह से साफ हुआ और लोकसभा में हमारा गठबंधन पूरी तरह से साफ हो गया। यह बेहद संदिग्ध है। इसके बाद हमारी जांच में सामने आया कि लोकसभा और विधानसभा के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़े। हम चुनाव आयोग गए और लिखा, और हमारे तर्क का सार यह था कि महाराष्ट्र चुनाव चुराया गया था। समस्या की जड़ क्या है? मतदाता सूची इस देश की संपत्ति है। चुनाव आयोग हमें मतदाता सूची देने से इंकार कर रहा है और फिर उन्होंने कुछ बहुत ही दिलचस्प किया। उन्होंने कहा कि हम सीसीटीवी फुटेज नष्ट कर देते हैं। यह हमारे लिए आश्चर्यजनक था क्योंकि महाराष्ट्र में शाम 5:30 बजे के बाद भारी मतदान के बारे में एक सवाल था ताकि संख्याओं का मिलान किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगा दी फटकार, आप सालों विचाराधीन कैदी बनाकर जेल में रखते

विरोधी दलों का आरोप, ईडी बदले की भावना से कार्य कर रही

नई दिल्ली। भारतीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष लगातार कहता रहा हैं कि ईडी बदले की भावना से कार्य कर रही है। अब विरोधी दलों की इसी मंशा के अनुरुप सुप्रीम कोर्ट ने भी सुनवाई के दौरान ईडी से तीखा सवाल किया है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की कार्यशैली और दोषी ठहराने को लेकर सवाल खड़ा किया है। सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के दौरान कहा, आप उन आरोपियों को भी सालों तक जेल में रखने में सफल रहे हैं, जिन्हें अदालतों ने दोषी नहीं ठहराया। यह तीखा सवाल चीफ जस्टिस बीआर गवई की विशेष पीठ ने उठाया है।

यह सुनवाई उस फैसले से जुड़ी थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2 मई को भूषण पावर एंड स्टील को बंद करने का आदेश दिया था और जेएसडब्ल्यू स्टील की खरीदने की योजना को खारिज किया था। इस फैसले पर पुनर्विचार की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए ईडी की भूमिका पर गंभीर सवाल उठे।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शीर्ष अदालत को बताया कि ईडी ने अब तक 23,000 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग को पकड़कर पीड़ितों में वितरित किया है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में इतना ज्यादा कैश मिला कि ईडी की गिनती करने वाली मशीनें खराब हो गईं।

लेकिन इन तथ्यों के बीच सीजेआई गवई ने सीधे सवाल दागा आपके मामलों में दोषसिद्धि दर क्या है? इसपर एसजी ने कहा कि आईपीसी के तहत भी दोषसिद्धि की स्थिति निराशाजनक है, कई बार लोग आश्चर्यचकित होते हैं कि कुछ आरोपी कैसे बरी हो जाते हैं।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ¶अगर ईडी की जांच में आरोपी दोषी नहीं ठहराए जाते, तब भी वे सालों तक विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में रहते हैं।

इस पर ईडी ने शिकायत की कि उसके खिलाफ यूट्यूब चैनलों और मीडिया इंटरव्यू के जरिए एक नकारात्मक 'नैरेटिव' गढ़ा जा रहा है। इस पर सीजेआई ने कहा, ¶जज किसी तथाकथित नैरेटिव निर्माण के प्रभाव में आकर मामलों का फैसला नहीं करते।

खास खबर

35 लाख रुपए न चुकाने पर अभिनेता मिथुन को कोर्ट ने दी अंतरिम राहत

कोलकाता,। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को चितपुर पुलिस थाने में दर्ज बकाया राशि के मामले में न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने मिथुन को 10 सितंबर तक मामले में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम राहत प्रदान की है। हालांकि कोर्ट ने कहा कि मामले की जांच जारी रह सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई 3 सितंबर को होनी है।

जीएसटी घोटाले को लेकर ईडी ने खंगाले आधा दर्जन ठिकाने

रांची। ईडी की एक टीम ने शहर के प्रमुख रिहायशी और व्यावसायिक क्षेत्र पीपी कंपाउंड स्थित कृष्णा अपार्टमेंट में चौथी मंजिल पर कृष्णा ठक्कर नामक कारोबारी के ठिकाने पर दबिश दी। इसके अलावा शहर के पांच अन्य ठिकानों पर भी समानांतर जांच चल रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 800 करोड़ रुपये के बहुचर्चित जीएसटी घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार सुबह रांची शहर के छह ठिकानों पर छापेमारी शुरू की है। यह छापेमारी घोटाले के मास्टरमाइंड माने जा रहे कोलकाता निवासी शिव कुमार देवड़ा के नेटवर्क से जुड़े लोगों के ठिकानों पर की जा रही है।

गढ़चिरौली में ट्रक की चपेट में आने से चार नाबालिग लड़कों की मौत, दो घायल

नागपुर। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में ट्रक की चपेट में आने से चार नाबालिग लड़कों की मौत और दो अन्य घायल हो गए, यह खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। यह एक दिल दहला देने वाली घटना है। यह दुर्घटना गुरवार की सुबह आरमोरी-गढ़चिरौली राजमार्ग पर हुई, जब 12 से 16 साल की उम्र के छह लड़के सड़क किनारे बैठे थे। एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके परिणामस्वरूप चार लड़कों की मौके पर ही मौत हो गई और दो घायल हो गए। इस दुखद घटना पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त कर कहा कि इस कठिन समय में सरकार उनके साथ है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घायलों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी। घायलों को बेहतर इलाज के लिए नागपुर ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था भी की गई है।

कुछ ना कहना

चुनाव आयोग के 4 अधिकारियों को हटाने के आदेश को नहीं मानेगी ममता...अब आगे क्या होगा इस विवाद में

कोलकत्ता। भारतीय चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच 4 अधिकारियों को हटाने के मुद्दे पर विवाद पैदा हो गया है। दरअसल चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के 4 अधिकारियों को मतदाता सूची में कथित तौर पर अनियमितताएं बरतने के आरोप में हटाने का आदेश दिया है। इन अधिकारियों पर फर्जी नाम जोड़ने, डेटा सुरक्षा का उल्लंघन करने और अनधिकृत व्यक्तियों के साथ लॉगिन क्रेडेंशियल्स साझा करने का आरोप है। आयोग ने इन अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और विभागीय कार्रवाई शुरू करने का निर्देश भी दिया है।

इस पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के आदेश का पालन करने से साफ इंकार कर दिया है। ममता दीदी का तर्क है कि चुनाव में अभी काफी समय है और इसतरह समय में इस तरह की कार्रवाई करने का कोई कानूनी आधार नहीं है। उन्होंने चुनाव आयोग पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इशारे पर काम करने का आरोप लगाकर भाजपा का बांडेड लेबर तक कह डाला। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को लागू करने की एक छिपी हुई साजिश है। ममता ने कहा है कि वह राज्य के अधिकारियों की रक्षा करेंगी और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होने देंगी।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, चुनाव आयोग को चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति प्राप्त है। इस शक्ति के तहत, आयोग को चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार है। इसमें मतदाता सूचियों को सही और अद्यतन रखना भी शामिल है। चुनाव आयोग के पास यह अधिकार है कि वह चुनाव ड्यूटी पर तैनात किसी भी अधिकारी को हटाने या स्थानांतरित करने का आदेश दे सकता है यदि आयोग को लगता है कि वह अधिकारी अपनी ड्यूटी सही ढंग से नहीं निभा रहा है या किसी भी तरह से पक्षपात कर रहा है। यह शक्ति चुनाव आयोग को चुनाव की घोषणा के बाद ही नहीं, बल्कि चुनाव प्रक्रिया की तैयारी के दौरान भी होती है।

एसआईआर मसौदे पर राजनीतिक दल द्वारा एक भी दावा या आपत्ति प्रस्तुत नहीं

-मतदाताओं से सीधे 5,015 दावे और आपत्तियाँ मिली -भारत निर्वाचन आयोग ने दिया बयान

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने कहा कि बिहार मतदाता सूची के मसौदे के संबंध में किसी भी राजनीतिक दल द्वारा एक भी दावा या आपत्ति प्रस्तुत नहीं की गई है। चुनाव आयोग ने दो टूक कहा कि बिहार की अंतिम मतदाता सूची में किसी भी पात्र मतदाता को न छोड़ा जाएगा और न ही किसी अपात्र मतदाता को शामिल किया जाएगा। चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को प्रकाशित बिहार की मतदाता सूची के मसौदे में किसी भी त्रुटि को सुधारने के लिए दावे और आपत्तियाँ प्रस्तुत करने की अपील की है।

हालांकि, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चुनाव आयोग ने कहा कि उन्हें आज तक मसौदा सूची के संबंध में मतदाताओं से सीधे 5,015 दावे और आपत्तियाँ मिली हैं। 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नए मतदाताओं से मिले फॉर्म 27,517 हैं। नियमों के अनुसार, दावों और आपत्तियों का निपटारा संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ/एईआरओ) द्वारा 7 दिनों की समाप्ति के बाद किया जाना है। एसआईआर के आदेश के अनुसार, 1 अगस्त को प्रकाशित मसौदा सूची से किसी भी नाम को ईआरओ/एईआरओ द्वारा जांच करने और निष्पक्ष और उचित मौका दिए जाने के बाद स्पष्ट आदेश पारित किए बिना नहीं हटाया जा सकता है। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक ने आरोप लगाया है कि पुनरीक्षण प्रक्रिया से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं। वे इस साल के मानसून सत्र की शुरुआत से ही बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर संसद में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की नई अर्जी पर 9 अगस्त तक जवाब दाखिल करने को कहा, जिसमें एसआईआर अभियान के बाद बिहार की मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं किए गए 65 लाख मतदाताओं के आंकड़ों का खुलासा करने की मांग की गई है।

संसद का मानसून सत्र : 14वें दिन भी विपक्ष का जोरदार हंगामा, लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित

एसआईआर को लेकर खत्म नहीं हो रहा रार

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का 14वां दिन विपक्षी हंगामे की भेंट चढ़ गया। बिहार एसआईआर (स्पेशल इंवेस्टिगेशन रिपोर्ट) को लेकर विपक्षी दलों के तीखे विरोध और नारेबाज़ी के चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ गई।

इंडिया गठबंधन के सांसदों ने संसद में जोरदार प्रदर्शन करते हुए एसआईआर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष का आरोप है कि बिहार में सामने आई रिपोर्ट में गंभीर संवैधानिक और सामाजिक सवाल उठे हैं, जिन पर संसद में चर्चा अनिवार्य है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह को पत्र लिखकर इस विषय पर चर्चा कराने की मांग की थी। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब में कहा कि कोर्ट में लंबित मामलों पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती, इसलिए नियमों के तहत एसआईआर पर बहस की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

हंगामें के चलते कार्यवाही बाधित रही जिस कारण लोकसभा में आज प्रस्तावित दो अहम विधेयकों नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) बिल, 2025 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने पर फैसला नहीं हो सका।

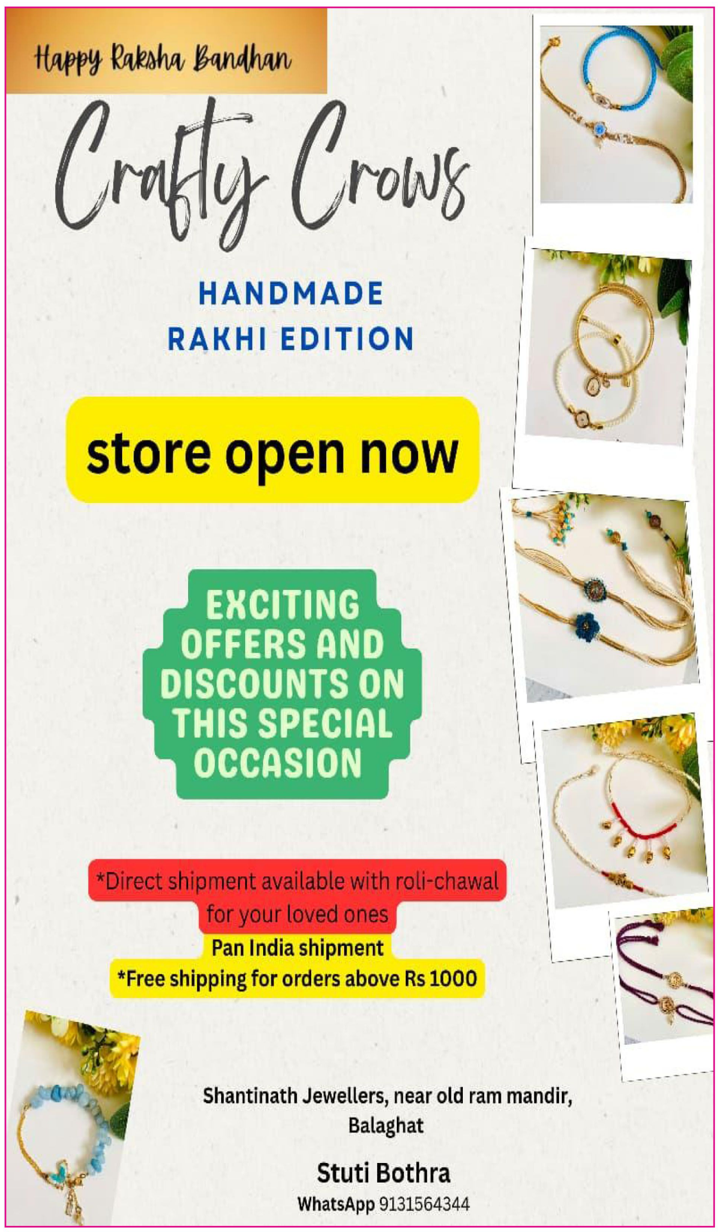

भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन कल

बहने,राखी बांधकर लेंगी भाई का आशीर्वाद, पर्व को लेकर बाजार हुआ गुलजार, लोग सुबह से लेकर देर रात तक करते रहे खरीदारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन शनिवार 9 अगस्त को धार्मिक मान्यता के अनुसार मनाया जाएगा।इस पर्व को लेकर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में खासा उत्साह देखा जा रहा हैं। भाई-बहन के रिश्ते के इस पवित्र पर्व को देखते हुए बाजार गुलजार नजर आ रहे है।वहीं इस पर्व पर अपनों से मिलने के लिए स्थानीय बस स्टैंड और रेल्वे स्टेशन मे यात्रियों की भारी भीड़ दिखाई देनी लगीं है।इसके अलावा पर्व विशेष पर लगने वाली राखी, पूजा थाली, अन्य सामग्री, बनने वाले पकवान, गिफ्ट आइटम सहित अन्य वस्तुओं की खरीदारी सुबह से लेकर देर रात तक देखी जा रही है।जिसके चलते गुरुवार को जगह जगह जाम सी स्थिति नजर आई।

जगह जगह बनी जाम की स्थिति

आपको बताए की राखी का त्योहार एक ऐसा पर्व है।जिसका हर भाई-बहन को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार होता है। रक्षाबंधन में बहने अपने भाइयों को राखी बांध कर अपने रिश्तों को और भी ज्यादा मजबूत और गहरा करती हैं।वही भाई भी बहन की आजीवन रक्षा करने का वचन देता है।वर्षो से चली आ रही इस परंपरा को निभाने के लिए शनिवार के दिन बहने भाइयों की कलाई पर राखी या रक्षा सूत्र बांधकर उनसे आशीर्वाद लेंगी। उधर रक्षाबंधन की खरीदी को लेकर नगर में अचानक लोगों की भीड़ बढ़ जाने से शहर में जगह-जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई।जिससे आवागमन करने में लोगो को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

मंहगाई का भी नही दिखा असर

वर्ष में एक बार आने वाले इस त्योहार में भले ही मंहगाई बढ़ गई हो लेकिन खाद्य सामग्रियों से लेकर अन्य वस्तुओं में बड़ी इस मंहगाई का भी खरीदारी में कोई असर नही पड़ा। जहा लोग पूरे उमंग के साथ देर रात तक बाजार में खरीदारी करते नजर आए।आपको बताए कि इस वर्ष रक्षाबंधन के त्यौहार पर महंगाई की मार भी स्पष्ट तौर पर नजर आ रही है। राखियों के दामों में इस बार 15 से 20 फ़ीसदी इज़ाफ़ा हुआ है,वही गिफ्ट आयटम,खाद्य सामग्री,सहित अन्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे है। बावजूद इसके भी लोगो मे खरीदारी को लेकर उत्साह बना हुआ है।रक्षाबंधन त्योहार को लेकर 1 सप्ताह पूर्व ही बाजारों में रौनक देखी जा रही हैं।वही गुरुवार को भी स्थानीय लोगो के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग बड़ी संख्या में राखिया खरीदने पहुंचे।जहाँ रात तक खरीदारी के चलतें जगह जगह ट्रैफिक जाम होता रहा।

बाजार हुआ गुलजार

बहन-भाई के प्रेम का पर्व रक्षाबंधन शनिवार को मनाया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर बाजारों में रौनक छा गई है। गांव से लेकर शहर के हर चौराहे पर सजी राखी की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है। ग्राहकों को लुभाने के लिए दुकानदार भी फैंसी राखियां बाजार में सजाए हुए हैं जहां गुरुवार को रक्षाबंधन के लिए बहनों ने राखी, मिठाई व अन्य चीजों की जमकर खरीदारी की। वही शहर के प्रमुख बाजार गुजरी में खासी भीड़ रही।जहाँ सुबह से लेकर देर रात तक बाजार गुलजार रहे। बहनों ने जहां भाइयों के लिए राखियां खरीदीं तो वहीं भाई भी बहनों के लिए गिफ्ट खरीदते देखे गए। महिलाएं, युवतियां व किशोरियां राखियों की खरीदारी में जुटी रहीं। राखियां खरीदने के लिए दुकानों पर महिलाओं की भीड़ दिखी, तो कपड़ों की दुकानों पर भी ग्राहकों का तांता लगा रहा। उधर श्रृंगार सामग्री खरीदने के लिए भी महिलाएं खासी उत्साहित दिखी। ग्राहकों की भीड़ से बाजार गुलजार रहा। वहीं दूर दराज जाने वाली बहने भाईयों के घरों के लिए कूच करती नजर आई।

गिफ्ट आइटम की दिखी भारी डिमांड

रक्षा बंधन पर्व को लेकर गिफ्ट आयटम की भारी डिमांड देखी गई जहा पुरुषों और युवाओं ने भी बहनों को तोहफा देने के लिए बाजार से गिफ्ट आदि खरीदे। रेडीमेड गारमेंट्स मोबाइल की दुकानों, और ज्वेलर्स दुकानों पर सबसे ज्यादा भीड़ रही। शहर की तंग गलियों में भी राखी की दुकानें सजी थीं।यहां भी भीड़ रही।

पीपलगांव कला सहकारी समिति के मुख्य कार्यालय स्थानांतरण की मांग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत पीपलगांव कला के कृषकों और हितग्राहियों ने सेवा सहकारी समिति मर्यादित (पंजीयन क्रमांक 659) के मुख्य

कार्यालय को रान काकोडी से पीपलगांव कला में स्थानांतरित करने की मांग की है। वर्तमान में यह समिति पीपलगांव कला से 7-8 किलोमीटर दूर रान काकोडी में संचालित हो रही है, जिसके कारण किसानों को खाद, बीज, धान खरीदी-बिक्री जैसे कार्यों में परिवहन की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कृषकों का कहना है कि समिति का पंजीकरण पीपल गांव कला के नाम से हुआ है, फिर भी इसका संचालन रान काकोडी से हो रहा है, जो नियमों के खिलाफ है। उन्होंने बताया कि 6 अगस्त 2025 को समिति के पुनर्गठन और नवीन समिति के लिए आयोजित आम सभा की जानकारी ग्राम पंचायत के सदस्यों को स्पष्ट रूप से नहीं दी गई, जिसके चलते उनकी उपस्थिति नहीं हो पाई। भोजराज धनोले, रिखीराम खेरे, रामेश्वर बुराड़े, सालिकराम आवरिया, घनश्याम नाकतोड़े, वासुदेव डोल्हारे, प्रभुलाल दानी, ओमप्रकाश उरोड़े, सुरेश दरवरे, दुर्गेश धनोल, कुंवरलाल बाघमोरे आदि कृषकों ने कलेक्टर से मांग की है कि समिति का मुख्य कार्यालय तत्काल पीपलगांव कला में स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि ऐसा नहीं हुआ, तो वे रान काकोडी स्थित समिति की दुकान से कोई लेनदेन नहीं करेंगे। इस समस्या के समाधान के लिए शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है।

नाम सुधार सूचना

शपथकर्ता मोहित घोरमारे पिता यशवन्तराव घोरमारे, जाति माना, वार्ड नं. 01 बकरामुंडी लांजी तहसील लांजी, जिला बालाघाट (म0प्र0) का निवासी हूं।

यह कि मैं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से नियमित छात्र के रूप में अध्ययनरत् रहते हुये सन् 2023 में कक्षा दसवी एवं सन् 2025 में कक्षा बारहवी की परीक्षा उत्तीर्ण किया है।

यह कि मेरे कक्षा दसवीं एवं कक्षा बारहवी की मूल अंकसूची में मेरे पिता का नाम केवल यशवन्त घोरमारे अंकित है जबकि मेरे पिता का वास्तविक नाम यशवन्तराव घोरमारे है। जो कि मेरे पिता के शाला अभिलेख, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र एवं पेनकार्ड में दर्ज चला आ रहा है।

अतः मेरे कक्षा दसवी एवं बारहवीं की अंकसूची में पिता का नाम यशवन्तराव घोरमारे दर्ज किया जावे।

शपथकर्ता
मोहित घोरमारे

अनियंत्रित होकर यात्री बस सड़क से उतरी, कोई हताहत नहीं हुआ

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मटकाटोला के पास (तालाब के सामने) एक निजी कंपनी एसकुमार बस सर्विस की यात्री बस 7 अगस्त 2025 को लगभग दोपहर 3 बजे बालाघाट से चिखला, मनेरी,बहेला

की ओर जाने वाली बस क्रमांक एम एच 8668 पेसेन्जर से भरी बस सड़क के नीचे उतरी गई। गनीमत यह रही कि इस घटना के दौरान यात्री बस में सवार कोई यात्री हताहत नही हुआ और सभी सकुशल एवं सुरक्षित हैं।

बाघ के शव को जलकर नष्ट करने का मामला

फरार दो आरोपी वनपाल टीकाराम हनोते, वनरक्षक हिमांशु घोरमारे की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

गिरफ्तार 6 आरोपी 6 दिन की फॉरेस्ट रिमांड पर, स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर द्वारा की जा रही है जांच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वन व्रत बालाघाट के परिक्षेत्र लालबर्रा दक्षिण बालाघाट के अंतर्गत वन्य प्राणी बाघ के शव को जलाने के मामले में फरार चल रहे शासकीय सेवक टीकाराम हनोते वनपाल और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे की वारासिवनी की सत्र न्यायालय से अग्रिम जमात याचिका खारिज कर दी गई। वही इस मामले में गिरफ्तार 6 आरोपी को 6 दिन की फॉरेस्ट रिमांड पर लिया गया है। इस मामले की आगे जांच प्रधान मुख्य वन संरक्षक भोपाल के आदेश पर स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की जबलपुर इकाई द्वारा की जा रही है। ज्ञात होगी वन व्रत बालाघाट के परिक्षेत्र बालाघाट दक्षिण बालाघाट के अंतर्गत वन्य प्राणी बाग के शव को जंगल में ही 6 लोगों के द्वारा परिक्षेत्र सहायक और वनरक्षक के निर्देश पर जला दिया गया था। जो की प्रथम दृष्टियां वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 (यथा संशोधित अधिनियम 2022) के विभिन्न धाराओं के अंतर्गत आपराधिक कृत्य है। उक्त अपराधिक कृत्य मे लिप्त दो शासकीय सेवक सहित आठ आरोपियों के विरुद्ध अपराध प्रकरण क्रमांक 16036/06 दिनांक 2 अगस्त 2025 को पंजीबद्ध कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव)भोपाल मध्य प्रदेश के द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उक्त प्रकरण की अग्रिम विवेचना प्रकरण का हस्तांतरण 5 अगस्त 2025 को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की जबलपुर इकाई को किया गया है। इस मामले में गिरफ्तार 6 आरोपी जिनमें शिवकुमार पिता सुरपात धुर्वे , देवसिह पिता गणपत सिंह कुम्भरे , शैलेश पिता ज्ञान सिंह धुर्वे, हरिलाल पिता सितकुँवर ए ?पाचे , अनुज पिता मिट्टनसिंह सिरसाम और मानसिंह पिता दीप सिंह सलामे को गिरफ्तार किया गया है और दो शासकीय सेवक टीकाराम हनोते वनपाल, और वनरक्षक हिमांशु घोरमारे फरार है। वारासिवनी कि सत्र न्यायालय में फरार दोनों आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका पेश की गई थी। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर द्वारा की गई सटीक विवेचना एवं अभियोजन पक्ष द्वारा दी गई दलील और अपराध की गंभीरता प्रकरण में तथ्यों एवं परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए माननीय सत्र न्यायालय वारासिवनी द्वारा फरार दोनों आरोपी टीकाराम हनोते वनपाल और हिमांशु घोरमारे वनरक्षक की प्रथम अग्रिम जमानत याचिका धारा 482 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत निरस्त कर दी गई। प्रकरण में गिरफ्तार उक्त 6 आरोपियों को 6 दिन की फॉरेस्ट रिमांड पर लिया गया है। इस मामले की आगे विवेचना स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर इकाई द्वारा की जा रही है।

आम सूचना

मैं मुकेश अग्रवाल अधिवक्ता वारासिवनी आम जनता को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार श्री सीताराम वल्द खरगलाल पंवार निवासी लेंडेझरी तहः वारासिवनी जिला बालाघाट के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि की खसरा नंबर ११७/४ रकबा ०.२३८ हे.भूमि स्थित है जिसके पूर्व में कनस कलार की भूमि , पश्चिम में शिवलाल पंवार की भूमि, उत्तर में मेरे पक्षकार की शेष भूमि व दक्षिण में अभिषेक मुखर्जी का खेत व तालाब है तथा यह भूमि मेरे पक्षकार ने श्री योगलाल वल्द खेमलाल पंवार से पंजीबध्द विक्रय पत्र दिनांक ०४/०६/१९७४ के अनुसार क्रय किया है और तब से मेरे पक्षकार का नाम राजस्व प्रलेखो में दर्ज चला आ रहा है। यह कि मेरे पक्षकार को ज्ञात हुआ है कि कुछ व्यक्ति मेरे पक्षकार की वर्णित भूमि को अन्य खसरा नंबर की भूमि बताकर विक्रय करने जा रहे है और इस वर्णित भूमि को दलाल व अन्य व्यक्तियों के माध्यम से दिखाकर स्वयं की भूमि होकर विक्रय करने की ईच्छा व्यक्त कर रहे है। इस बात की मेरे पक्षकार को जानकारी होने पर मेरा पक्षकार आम जनता को सूचित करता है की इस वर्णित भूमि को कोई व्यक्ति किसी अन्य खसरा नंबर की या अपनी होना बताकर हस्तांतरण करता है तो ऐसा हस्तांतरण अवैध व शून्य होगा और मेरे पक्षकार पर बंधनकारक नही होगा और उस क्रेता व विक्रेता पर मेरे पक्षकार को विवश होकर दाण्डिक कार्यवाही करने के लिये विवश होना पडेगा।

दिनांक-०७/०८/२०२५
वास्ते आम सूचना प्रेषित है

प्रेषक
मुकेश अग्रवाल
अधिवक्ता वारासिवनी

पेड़ से गिरने से एक व्यक्ति की मौके पर मौत

तिरोड़ी की कारपोरेशन के जंगल की घटना, बकरी के लिए डगाली लाने जंगल गया था जोशी राम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। तिरोड़ी थाना क्षेत्र में आने वाले कारपोरेशन के जंगल में पेड़ के नीचे एक व्यक्ति का 100 बरामद किया गया मृतक जोशी राम पिता अमर सिंह परते 65 वर्ष वार्ड नंबर 15 तिरोड़ी निवासी है इस व्यक्ति की पेड़ से गिरने से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जोशीराम परते खेती किसानी करता था। जिसकी पत्नी और बच्चों की पहले ही मौत हो चुकी है।जोशीराम परते अपने भतीजे ओम सिंह परते के परिवार के साथ में रहता था। 7 अगस्त को सुबह 10:00 जोशीराम परते।बकरी के लिए डगाली लाने घर से जंगल जाने निकला था। किंतु 12:00 बजे तक जोशीराम परते घर वापस नही लौटा। ओमसिंह परते सहित अन्य लोंग जोशीराम परते को खोजने के लिए निकले थे जिन्होंने गांव मोहल्ले में जोशी राम परते की तलाश किया किंतु वह नहीं मिला 2:00 बजे करीब सभी लोग कारपोरेशन के जंगल में जोशीराम परते को खोजने के लिए निकले । कारपोरेशन के जंगल में जोशीराम परते को खोजने के दौरान जंगल के कक्ष क्रमांक 556 में

पेड़ के नीचे जोशीराम पड़ा हुआ था और उसकी मौत हो चुकी थी। संभावना व्यक्त की गई है कि जोशी राम परते पेड़ में चढ़ते समय या पेड़ की डगाली काटते समय फिसलने से पेड़ से नीचे गिर गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिसकी रिपोर्ट उसके भतीजे ओम सिंह परते 40 वर्ष ने तिरोड़ी पुलिस थाना में की थी। जहां से सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार अपने स्टाफ के साथ कारपोरेशन के जंगल पहुंचे और मृतक जोशीराम परते का शव बरामद किए और शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात जोशीराम परते का शव पोस्टमार्टम हेतु कटंगी अस्पताल भिजवाया गया। अधिक समय हो जाने के कारण जोशीराम परते का शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है।शव का पोस्टमार्टम 8 अगस्त को किया जायेगा।

मॉयल तिरोड़ी ने किया वॉटर प्यूरीफायर का वितरण

सीईआर कॉरपोरेट पर्यावरणीय जिम्मेदारी निरंतर जारी रहेगीः खान प्रबंधक

कटंगी/तिरोड़ी(पद्मेश न्यूज)। सीईआर कॉरपोरेट जिम्मेदारी अंतर्गत मॉयल तिरोड़ी द्वारा विगत कई वर्षों से पर्यावरण संरक्षण एवं समाज सेवा से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। इसी ईत्र्म में तिरोड़ी तहसील मुख्यालय एवं आस-पास के ग्रामों के स्कूलों में वॉटर प्यूरीफायर का वितरण किया गया। स्कूली में आ रो वॉटर प्यूरीफायर के वितरण से बच्चों को पीने के लिए स्वच्छ पानी उपलब्ध रहेगा।

ग्रामीणों एवं स्कूल के बच्चों ने मॉयल के इस कार्य की सराहना की। मॉयल ने इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत तिरोड़ी के प्राधिकृत अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर ग्राम पंचायत तिरोड़ी, हाईस्कूल तिरोड़ी, केन्द्रीय विद्यालय तिरोड़ी एवं शासकीय स्कूल बोथवा, ग्राम पंचायत चाकाहेटी में रो वॉटर प्यूरीफायर का इंस्टालेशन किया गया। खान प्रबंधक तिरोड़ी ने जानकारी दी कि मॉयल हमेशा ही आस-पास के ग्रामों को सहयोगात्मक दिशा में कार्य करने के लिए जागरूक रहती है। इसी के चलते कॉरपोरेट एनवायरमेंटल रिस्पॉसिबिलिटी सीईआर के अंतर्गत यह कार्य किए जा रहे हैं। इसके पूर्व अप्रैल 2025 में भी गांव के बच्चों को स्किल डेवलपमेंट के अंतर्गत नेशनल लेवल के टपऐजर्स द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लाभ अर्जित किया। मॉयल इस संबंध में निरंतर प्रयासरत है। खान प्रबंधक मॉयल तिरोड़ी ने बताया गया कि सीईआर कॉरपोरेट पर्यावरणीय जिम्मेदारी के तहत निरंतर इस तरह के नवाचार किए जाएंगे।

हर घर तिरंगा यात्रा का बाइक रैली से शुभारंभ

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशानुसार जिला कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशानुसार म.प्र. जन अभियान परिषद् अंतर्गत गठित ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यईत्र्म के विद्यार्थियों द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता- स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान का शुभारंभ 7 अगस्त को जनपद पंचायत परिसर से किया गया। अभियान के तहत हाथों में तिरंगा लिए इकाई के पदाधिकारी, परामर्शदाता एवं छात्र-छात्राओं ने बाइक रैली निकाली। नगर के पुराना पेटपऊेल पम्प चौक, सिनेमा चौक होते हुए निकली रैली का समापन कतरकना में हुआ। देशभक्ति से ओतप्रोत उक्त कार्यक्रम में विकासखंड समन्यक सुरेन्द्र भगत, नवांकुर संस्था अध्यक्ष देवीप्रसाद तिवारी, अशोक राउत, दुर्गेश सहारे, युवराज मुर्खे, अभ्युदय संस्था अध्यक्ष संदीप शर्मा, परामर्शदाता अरविंद दरवाड़े, अंजू डोंगरे, शालू राउत, राज ब्यौत्रा, अवलेश पारधी, सीएमसीएलडीपी के सामाजिक कार्यकर्ता उर्वशी पटले, गंगा पंचेश्वर, आभा शिव, कमलेश बघेल, सुंदरलाल हरदे, चुलेंद्र चौधरी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष भेजनलाल राहंगडाले, देवानंद नागफासे, जयपाल पुष्पतोड़े आदि की सहभागिता रही।

आवश्यकता है

एकार्ड मोटर्स महिन्द्रा डीलर
(बालाघाट ब्रांच में)
टीम लीडर एवं सेल्स एक्सीक्यूटिव्ह
बैहर, मलाजखण्ड, उकवा, वारासिवनी एवं बालाघाट में
अनुभवी को प्राथमिकता है
(आकर्षक वेतनमान)
बॉयोडाटा के संपर्क करें
नोट-मोबाइल, गाड़ी और लाइसेंस अनिवार्य
-संपर्क-
8518888607, 8518888622
-पता-
एकार्ड मोटर्स, सरेखा बायपास बालाघाट

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

आते देर नहीं की जिले में फिर से छाया उर्वरक खाद का संकट

खाद के लिए तरस रहे जिले के किसान, सोसायटी गोदाम के काट रहे चक्कर, परेशान किसानों ने मचाया जमकर हंगामा, अधिकारियों से की शिकायत, शिकायत पर पहुचे अधिकारी, तो शुरू किया गया खाद का वितरण, वारासिवनी मार्ग स्थित गर्रा गोदाम का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। कृषि प्रधान बालाघाट जिले के किसानों को हर मोड़ पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां पहले धान बेचने, फिर उसके भुगतान, तो अब खरीब फसल के लिए उन्हें समिति व गोदामो के माध्यम से उर्वरक खाद डीएपी और यूरिया भी नसीब नहीं हो पा रहा है। जिसको लेकर किसान आए दिनो सोसाइटियों व गोदाम के चक्कर काटने के लिए मजबूर हैं।जो मांग के अनुरूप खाद नही मिलने से आक्रोशित है।किसको लेकर किसान हंगामा मचाकर अपना आक्रोश दर्ज करा रहे है।उर्वरक खाद के लिए किसानों के हंगामे में जुड़ा ताजा मामला वारासिवनी मार्ग स्थित गर्रा गोदाम का है।जहां गुरुवार को गोदाम से खाद ना मिलने से किसान भड़क गए और उन्होंने उर्वरक खाद के लिए गोदाम में जमकर हंगामा मचाया।जहां किसानों ने ना सिर्फ हंगामा मचाया बल्कि इसकी शिकायत जिला अधिकारियों से लेकर सीएम हेल्पलाईन में तक कर दी।उधर किसानों से मिली शिकायत पर आनन फानन में कृषि विभाग से जुड़े अधिकारियों ने गोदाम पहुँचकर वस्तु स्थिती का जायजा लिया।वही खाद का रिकार्ड खंगालना शुरू कर दिया।उधर किसानों के हंगामे को देख जिम्मेदारो द्वारा गोदाम में शेष बची खाद की बोरी, किसानों में वितरित करनी शुरू कर दी।तब कही जाकर किसान माने और उन्होंने अपना

आक्रोश शांत किया। आपको बताएं कि अभी तीन-चार दिन पूर्व ही जिले को खाद की रैक प्राप्त हुई है लेकिन डिमांड के अनुरूप खाद न मिलने के चलते, पूरे जिले में खाद की कमी बनी हुई है।जिसको लेकर किसान काफी परेशान है।वही जिले के किसी भी क्षेत्र में यूरिया और डीएपी खाद नहीं होने की बात कही जा रही है।

किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद मिलनी चाहिए -कमलेश

ग्राम एकोडी के किसान कमलेश परिहार ने बताया कि किसानों ने खरीब की फसल लगाई है।अब फसल के लिए उन्हें डीएपी यूरिया खाद की आवश्यकता पड़ रही है। लेकिन किसानों को कही से भी खाद उपलब्ध नही हो पा रही है। हमारी मांग है कि तत्काल मांग के अनुरूप खाद की रैक बुलाकर, किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद का वितरण किया जाना चाहिए।

किसानों को कहीं भी खाद नहीं मिल रही है इसीलिए शिकायत करनी पड़ी- काशीराम

परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र लामता के झरियाटोला से खाद के लिए पहुंचे किसान काशीराम बिसेन ने बताया कि बीते कई दिनों से चरेगांव सोसाइटी में खाद नहीं आई। हम लालबर्रा गए थे वहां पर भी यूरिया खाद नहीं मिला। वहां किसी ने बताया कि गर्रा गोदाम में खाद मिल रही है। कल शाम 7 बजे तक हम यहां लाइन लगाकर खड़े रहे लेकिन हमें खाद नहीं मिला। यहां के कर्मचारी बोल रहे थे कि कल गुरुवार को आकर खाद लेना।आज आए तो बोल रहे हैं कि यूरिया और डीएपी काफी कम बचा हुआ है उतना अधिक खाद हमारे पास नहीं है जबकि कल 400 बोरी खाद थी। लेकिन आज 70- 80 बोरी उपलब्ध होने की बात कह रहे हैं।इसीलिए हमने सीएम हेल्पलाइन व जिला अधिकारियों से शिकायत की थी। शिकायत पर मैडम लोग जांच करने आए हैं। मैडम ने गोदाम खुलवाकर वहां देखा तो करीब 80 बोरी खाद रखा हुआ है। मैडम ने सभी किसानों को महज एक-एक बोरी खाद वितरित किए जाने की व्यवस्था बनाई है। लेकिन एक बोरी खाद से कुछ नहीं होने वाला।किसानों को पर्याप्त खाद मिलनी चाहिए ।

पूरे जिले के किसान गोदाम पहुच रहे है, जबकि स्टाक काफी कम है- ललित पारधी

उधर मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान गर्रा गोदाम प्रबंधक ललित पारधी ने बताया कि किसानों की मांग के अनुरूप गोदाम में खाद नहीं आ पा रही है। जिलेभर में खाद नहीं है जिसके चलते लामता ,परसवाड़ा, खैरलांजी, वारासिवनी बालाघाट और किरनापुर सहित अन्य क्षेत्रों से लोग खाद उठाने के लिए गोदाम पहुंच रहे हैं। एकाएक अधिक मात्रा में किसान पहुंचने के चलते थोड़ी स्थिति बिगड़ गई है। जितने भी किसान आ रहे हैं वह खेती लिमिट के आधार पर अधिक डीएपी और यूरिया खाद की मांग कर रहे हैं, जबकि डीएपी स्टॉक महज 50 बोरी और यूरिया का महज 83 बोरी स्टाक बचा हुआ है ।जबकि उनसे कहीं अधिक किसान है। इसीलिए प्रत्येक किसान को एक बोरी डीएपी और एक बोरी यूरिया देने की व्यवस्था बनाई गई है। दूसरा खाद पर्याप्त मात्रा में है लेकिन उसकी मांग किसान नहीं कर रहे हैं इसलिए किसान थोड़ा नाराज हो गए थे।जिला प्रशासन ने खाद के लिए डिमांड भेजी है जैसे ही गोदाम में खाद का आवंटन हो जाता है वैसे ही किसानों को खाद का वितरण पुनः शुरू कर दिया जाएगा।

मामले की जांच जारी है- प्रतीक्षा टेम्भरे

वहीं किसानों की शिकायत पर निरीक्षण पर पहुंची वरिष्ठ कृषि अधिकारी प्रतीक्षा टेम्भरे ने बताया कि किसानों ने वरिष्ठ अधिकारियो से खाद ना मिलने की शिकायत की थी।किसान बता रहे थे की गोदाम में खाद भरा हुआ है बावजूद उसके भी उन्हें बिना खाद के वापस लौटाया जा रहा है और खाद नहीं दिया जा रहा है। इस शिकायत पर निरीक्षण के लिए गोदाम आकर यहां स्टॉक का मिलान किया जा रहा है।वर्तमान समय में किसानों के आक्रोश को देखते हुए प्रत्येक किसान को एक-एक डीएपी और यूरिया की बोरी वितरण करने की व्यवस्था बनाई गई है। क्योंकि गोदाम वाले खाद का स्टाक काफी कम होने की बात कह रहे हैं। वहीं हमने गोदाम वालों से खाद स्टॉक की जानकारी मांगी है जैसे ही रिकॉर्ड व जानकारी मिल जाएगी उस आधार पर किसानों को खाद वितरण की व्यवस्था बना दी जाएगी ।

अति नक्सल प्रभावित ग्राम पंचायत मछुरदा में सड़क ,बिजली पानी की समस्या

ग्राम पंचायत सरपंच ने कहा 3 वर्षो से प्रस्ताव बनाकर भेजा पर नहीं हुई अभी तक सुनवाही

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।जिले मुख्यालय की अति नक्सल प्रभावित ग्राम पंचायत मछुरदा में इन दिनों मूलभूत सुविधा सड़क ,पानी और बिजली के लिए , यहां के ग्रामीणों को परेशान होना पड़ता है मछुरदा ग्राम पंचायत की सरपंच और पंच ने बताया कि उन्होंने ग्राम में पक्की सड़क और बिजली के लिए बीते 3 वर्षों से प्रस्ताव बनाकर भेजा है। लेकिन अभी तक उनके प्रस्ताव पर काम नहीं किया गया। आपको बता दे की जहां एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधा सहित शिक्षा ,स्वास्थ्य और बिजली दिए जाने की बात शासन द्वारा कही जा रही है । किंतु आज भी जिले के ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं। जहां पर ग्रामीणों को पक्की सड़क और बिजली के आने का इंतजार करना पड़ रहा है। ताजा मामला जिले की अति नक्सल प्रभावित ग्राम पंचायत मछुरदा का है। यहां पर बीते कई वर्षों से गाँव में पक्की सड़क, बिजली और पानी की समस्या बनी हुई है।

जिला मुख्यालय पहुंची ग्राम पंचायत मछुरदा की सरपंच जिनसो बाई और पंच सोनूसिहं मरकाम बताते हैं कि उनके ग्राम में मूलभूत सुविधाओं की कमी वर्षों से बनी हुई है। उनके सरपंच बनने के बाद आज से 3 वर्ष पहले ही उन्होंने ग्राम में पक्की सड़क बिजली और साफ पानी दिए जाने को लेकर नलकूप खनन के लिए प्रस्ताव बनाकर संबंधित जनपद पंचायत को भेजा था। आज तक 3 वर्ष बीत जाने के बाद भी उनके ग्राम पंचायत में प्रस्ताव पर कोई कार्य नहीं हुए हैं। आज भी वह गांव में पक्की सड़क और बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए संबंधित जनपद पंचायत के चक्कर लगा रहे हैं। आज भी उन्हें जिला मुख्यालय में कलेक्टर द्वारा बुलवाया गया था। उन्होंने आज बैठक में भी कलेक्टर महोदय के पास ग्राम पंचायत मछुरदा की मूलभूत समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी है।

रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे है बंद

ग्रामीणों ने सीसीटीवी कैमरे शुरू करने की स्टेशन प्रबंधन से करी मांग अधिकारियों ने कहा मेंटेनेंस कार्य के चलते बंद है कैमरे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। इन दिनों बालाघाट रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे बंद होने की जानकारी सामने आई है। यह जानकारी उस समय सामने आई जब रेलवे स्टेशन में एक घटना के दौरान एक पैसेंजर को रेलवे स्टेशन अपने परिजन को छोड़ने आए एक युवक द्वारा ट्रेन के सामने आने से बचा लिया और जब उन्होंने इसके वीडियो की मांग करी तो पता चला कि इन दिनों रेलवे स्टेशन के कैमरे पूरी तरह से मेंटेनेंस के कार्य होने के चलते बंद है। आपको बता दे की रेलवे स्टेशन में सुरक्षा की दृष्टि से अलग-अलग विभाग द्वारा सीसीटीवी कैमरे लगाए गये हैं ।जो बड़ी घटना, दुर्घटना और चोरी के समय बड़े सहायक होते हैं। बालाघाट रेलवे स्टेशन में इन दिनों सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह बंद होने की जानकारी सामने आई है। इस विषय पर रवि लोढ़ा द्वारा बताया गया कि वह 7 अगस्त को अपनी पत्नी को ट्रेन बिठाने के लिए रेलवे स्टेशन सुबह 11:00 बजे गए हुए थे। उन्होंने अपनी पत्नी को ट्रेन बिठाने के बाद जैसे ही घर जा रहे थे। वैसे ही उन्होंने देखा कि एक पैसेंजर रेलवे पटरी क्रॉस करते समय उनका पैर पटरी में फस गया और उतने ही समय

ट्रेन आने लगी तभी उन्होंने उस यात्री की मदद करते हुए उनका हाथ पकड़ कर खींच लिया और वह सकुशल ऊपर आ गये , नहीं तो उस समय कोई भी अपनी घटना उस यात्री के साथ घट सकती थी। उन्होंने यह घटना किस प्रकार हुई उसे देखने के लिए जब रेलवे स्टेशन के संबंधित विभाग से सीसीटीवी फुटेज मांगा तो उन्हें पता चला कि इन दिनों बालाघाट रेलवे स्टेशन में कोई भी सीसीटीवी कैमरा चालू नहीं है । जबकि रेलवे स्टेशन में सीसीटीवी कैमरा का चालू होना बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि आज कोई भी घटना दुर्घटना में सबसे पहले लोग सीसीटीवी कैमरे के वीडियो फुटेज ही खंगालते हैं। इसके पीछे का कारण पता किया तो उन्हें जानकारी मिली कि इन दिनों रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य चलने के कारण सीसीटीवी कैमरे बंद है जिनका मेंटेनेंस किया जा रहा है।

जल्द ही कैमरे शुरू करवा दिए जाएंगे - राकेश

जब हमारे द्वारा रेलवे सुरक्षा बल के पुलिसकर्मी राकेश से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि वह एक जांच के मामले में शहर से बाहर है। सीसीटीवी कैमरे बंद होने की जानकारी उन्हें है। उनके विभाग द्वारा तीन से चार सीसीटीवी कैमरे रेलवे स्टेशन परिसर में लगाए गए हैं । जो इन दिनों मेंटेनेंस कार्य के चलते बंद है। उन्होंने मौखिक रूप से इसकी जानकारी भी अपने विभाग को दे दी है जल्द ही कैमरे शुरू करवा दिए जाएंगे।

कैमरे के बंद होने की जानकारी नहीं है - के.एम चौधरी

इस पूरे विषय को लेकर जब हमारे द्वारा दूरभाष पर स्टेशन मास्टर के.एम चौधरी से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि वह भी विभागीय कार्य से बाहर है और सीसीटीवी कैमरे के बंद होने की जानकारी उन्हें नहीं है । यदि सीसीटीवी कैमरे बंद है तो उन्हें जल्द शुरू करवाया जाएगा। वह विभाग से इसकी जानकारी पता करेंगे ।

वन्य प्राणी का शिकार करने बिछाए गए विद्युत तार की चपेट में आने से एक युवक विधुत करेंट से झुलसा

विद्युत करेंट से झूलसे युवक जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भूताहा टोला खेत वन्य प्राणी का शिकार करने बिछाए गए विद्युत तार की चपेट में आने से एक युवक विद्युत करेंट से जुलूस किया। बीती रात यह घटना उस समय हुई जब यह युवक अपने खेत से घर आ रहा था। विद्युत करेंट से झुलसे से युवक चंद्रशेखर पिता भूरेलाल मानकर 26 वर्ष ग्राम भूताहा टोला थाना किरनापुर निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चंद्रशेखर मानकर अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिनके परिवार में माता-पिता के अलावा एक भाई भी है ग्राम भुताहा टोला में घर से ही कुछ दूर पर चंद्रशेखर मानकर का खेत है और इस वर्ष उन्होंने खेत में फसल भी लगाई है। 5 अगस्त की शाम को चंद्रशेखर मानकर ग्राम दहेदी अपने किसी काम से गया था और ग्राम दहेदी से अपना काम निपटाना के बाद रात 9:00 बजे करीब चंद्रशेखर मानकर अपने खेत होते हुए घर आ रहा था। तभी खेत के पार से गुजरते समय खेत में वन्य प्राणियों का शिकार करने के लिए बिछाए गए विद्युत तार के चपेट में आने से चंद्रशेखर मानकर के हाथ पैर जांघ गरधन सहितअन्य अंग विद्युत करेंट से झुलस गए। जो बेहोश हो गया था कुछ देर बाद होश आने के बाद चंद्रशेखर मानकर किसी तरह अपना घर पहुंचा और घर वालों को बताया इसके

बाद चंद्रशेखर मानकर को किरनापुर के शासकीय अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चंद्रशेखर मानकर को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

रोपाई होने के बाद कृषक खेतों में लगाते हैं विद्युत तार

ज्ञात इन दिनों कृषि क्षेत्र में रोपाई कार्य समाप्त होने के बाद जंगल पहाड़ी से लगे खेत मे कृषक जंगली सुअरों से अपनी फसल को बचाने के लिए खेत में विद्युत तार लगाकर वहीं से गुजरे विद्युत लाइन से जी आई तार से कनेक्शन कर तारों में विद्युत प्रवाह कर देते हैं। जिससे कुछ हद तक तो जंगली सुअरों से फसल बच जाती है किंतु विद्युत करंट की चपेट में आने से जंगली सूअर के अलावा अन्य वन्य प्राणी की विद्युत करेंट से बे-मौत मारे जाते हैं। विद्युत करंट से जंगली सूअर, सांभर,कोटरी हिरण, के मारे जाने पर उनका मांस तो खाने में उपयोग कर लेते हैं किन्तु खाल बिक्री भी कर देते हैं। यह सिलसिला पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है वन्य प्राणियों का शिकार करने बिछाए गए विद्युत तार की चपेट में आने से किरनापुर हट्टा क्षेत्र में कई मौते भी हो चुकी है।

2 दिन से लापता 65 वर्षीय वृद्धा का शव कुएं से बरामद

शीला बाई की कुएं में गिरने से मौत होने की संभावना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम गोहारा से 2 दिन से लापता वृद्धा का शव इसी ग्राम के एक कुएं से बरामद किया गया। मृतिका शीला बाई पति भरत लाल पन्द्रे 65 वर्ष की कुएं में गिरने से मौत होने की संभावना व्यक्त की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिलाबाई अपने नाती के साथ रहती थी और खेती किसानी करती थी। 5 अगस्त की रात्रि में शिलाबाई अपने गांव के ही संतोष के घर गई थी और खाना खाने के बाद रात्रि 11:00 बजे शिलाबाई संतोष के घर से अपने घर जाने निकली थी किंतु वह अपने घर नहीं पहुंची पिछले दो दिन से शिलाबाई की तलाश की जा रही थी। 7 अगस्त को दोपहर बाद घर के पास स्थित कुएं में शिलाबाई का शव देखा गया। जिसकी सूचना मिलने पर बैहर पुलिस ने ग्राम गोहारा पहुंचकर कुए से शीला बाई का शव बाहर निकलवाए और पोस्टमार्टम हेतु बैहर अस्पताल भिजवा दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि 5 अगस्त की रात्रि 11:00 बजे जब शीला बाई, संतोष के घर से अपने घर जाने निकली तब अंधेरे में रास्ते में पढ़ने वाले कुएं तरफ चली गए गई। जिससे उसकी कुएं में गिरने से मौत हो गई। बैहर पुलिस द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

कार्य विभाजन के विरोध में दूसरे दिन भी तहसीलदारों की जारी रही हड़ताल

स्थानीय सिविल लाइन में पंडाल लगाकर धरने पर बैठे रहे तहसीलदार, पटवारी संघ ने भी दिया समर्थन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कार्य विभाजन के विरोध में तहसीलदार, नायक तहसीलदार की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही ।तहसीलदारों ने स्थानीय सिविल लाइन स्थित सभा मंच में पंडाल लगाकर विरोध स्वरूप धरने पर बैठे रहे। तहसीलदारों की इस हड़ताल को पटवारी संघ ने भी अपना समर्थन दिया। जबकि एक दिन पूर्व ही तहसीलदारों द्वारा अपने शासकीय वाहनों की चाबियां कलेक्टर कार्यालय में जाकर जमा कर दी थी। यह प्रदर्शन जिले ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश स्तर पर चल रहा है। आपको बता दे की जिले की अलग-अलग 12 तहसीलों के लगभग 22 तहसीलदार व नायब तहसीलदार इन दिनों कार्य विभाजन के विरोध में हड़ताल पर चले गए हैं । हड़ताल 6 अगस्त से ही जिले में शुरू हो गई है । जिसमें तहसीलदारों ने आपदा प्रबंधन को छोड़कर सभी कार्य अनिश्चित समय तक करने से मना करते हुए मोर्चा खोल दिया है। यह हड़ताल जिला ही नहीं बल्कि प्रदेश स्तर पर भी चल रही है। राजस्व अधिकारी संघ के बैनर तले प्रदेश स्तरीय आवाहन पर जिले के तहसीलदारों ने 6 अगस्त को स्थानीय कलेक्टर कार्यालय में रैली के माध्यम से जाकर अपने शासकीय वाहनों को जमा कर दिया है। 7 अगस्त को तहसीलदारों ने स्थानीय सिविल लाइन मंच पर पंडाल लगाकर तहसीलदार धरने पर बैठ गए । तहसीलदारों को पटवारी संघ का भी समर्थन मिल रहा है। 7 अगस्त को शाम 4:00 बजे पटवारी संघ ने भी धरना स्थल पर पहुंच कर तहसीलदारों को अपना समर्थन दिया । उन्होंने भी तहसीलदारों के इस कार्य विभाजन का विरोध किया हैं । खैरलांजी की प्रभारी तहसीलदार छबि पंत ने बताया कि एक तहसील में रोजाना ही सैकड़ों हितग्राही अपने न्यायालीन कार्य जिनमें रास्ता विवाद, नामांतरण,बंटवारा,सीमांकन सहित अन्य मामलों को लेकर पहुंचते है। इनके अलावा लोकसेवा के कार्य जिनमें जाति प्रमाण, आय प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र सहित अन्य कार्य शामिल होते है जो कि वर्तमान समय में हो नहीं पा रहे है और हितग्राही कार्यो को पूर्ण कराने के लिए परेशान हो रहे है। उन्होंने बताया कि तहसीलदार व नायब तहसीलदार हड़ताल के बाद भी आपदा के कार्यो को गंभीरता से ले रहे है और आपदा के प्रकरणों का निपटारा कर रहे है।

गणित विषय का शिक्षक नही होने से बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित

नवीन सत्र के दो माह बीत जाने के बाद भी गणित विषय की पढ़ाई नही हुई शुरू

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत पिपरिया छि. स्थित शासकीय माध्यमिक स्कूल पटेल टोला में गणित विषय का शिक्षक नहीं होने से बच्चों की गणित विषय की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं गणित विषय के शिक्षक के अभाव में शिक्षा का नवीन सत्र शुरू हुए दो माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी गणित विषय की पढ़ाई शुरू तक नही हो पाई है। इस तरह से गणित विषय के शिक्षक के अभाव में बच्चों को जो गणित संबंधित बुनियादी शिक्षा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है। जिससे स्कूल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को परीक्षा परिणाम की चिंता सता रही है। वहीं स्कूल प्रशासन के द्वारा गणित विषय के शिक्षक नही होने की जानकारी अपने उच्चाधिकारियों को दे चुके है लेकिन नवीन सत्र शुरू हुए दो माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अब तक गणित विषय के शिक्षक की व्यवस्था वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा नही की गई है। न ही गणित विषय के अतिथि शिक्षक की नियुक्ति प्रशासन के द्वारा की गई है। जबकि कुछ दिनों में बच्चों की त्रैमासिक परीक्षा भी आयोजित होने वाली है। ऐसे में बच्चें गणित विषय में कमजोर होने के कारण उन्हे गणित विषय का पेपर हल करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही गणित में जो बेसिक शिक्षा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पायेगी। वहीं लंबे समय से बच्चों के अभिभावक एवं शाला प्रबंधन समिति के द्वारा गणित विषय के शिक्षक की व्यवस्था करने की मांग की जा रही है लेकिन अब तक नही गई है जिससे सभी में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

गणित विषय में पिछड़ रहे बच्चें, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दें कि शिक्षा विभाग के द्वारा लगातार यहां बात कही जाती है कि उनके द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता एवं सुधार में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा बेहतर ढंग से प्रदान की जा रही है एवं सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूल की तरह ही बच्चों को अच्छी शिक्षा देने में लगातार सफल हो रहा है परंतु शिक्षा विभाग का यहां कहना पूरी तरह से झूठ एवं बनावटी प्रतीत हो रहा है। जिसका उदाहरण शास. माध्य. स्कूल पटेलटोला पिपरिया छि. में स्पष्ट रूप से देखने को मिल सकता है। जहां पर विगत 6 माह से अधिक समय से गणित विषय का शिक्षा नही है। पूर्व में जो शिक्षक गणित विषय के लिए पदस्थ था उसे अपने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर जाम संकुल में अटैच कर दिया गया है। उसके बदले में कोई दुसरा शिक्षक अब तक नही आया है क्योंकि उनकी पदस्थापना पिपरिया छि. के पटेलटोला स्थित शास. माध्य. स्कूल में दिखा रहा है। अगर वह से उनका नाम हट जाता है तो गणित विषय का पद खाली होने पर गणित विषय के अतिथि शिक्षक की भी नियुक्ति हो सकती है। वहीं वर्तमान में कक्षा 6 से 8 वीं तक 48 बच्चें दर्ज है एवं तीन शिक्षक पदस्थ है जिसमें दो अतिथि शिक्षक है लेकिन तीनों आर्ट विषय के शिक्षक है और गणित विषय का सिलेबस चेज होने से उन्हे भी गणित विषय पढ़ाने में परेशानी होती है। वहीं शिक्षक के अभाव में बच्चें गणित विषय में कमजोर होते दिखाई दे रहे है। जबकि संबंधित स्कूल के प्रधानपाठक एवं अभिभावकों के द्वारा संकुल प्राचार्य को इस समस्या से अवगत करवा दिया गया है उसके बावजूद अब तक कोई व्यवस्था नहीं हो पाई। जिससे बच्चों एवं उनके अभिभावकों में शासन प्रशासन के प्रति नाराजगी देखी जा रही है एवं जल्द गणित विषय के शिक्षक की व्यवस्था करने की मांग की है।

गणित विषय का कोर्स प्रारंभ नही हुआ है - ऋतिक

छात्र ऋतिक सर्वे ने बताया कि स्कूल में गणित विषय के टीचर नहीं होने के कारण गणित विषय की कक्षाएं नही लग पा रही है एवं अब तक एक भी अध्याय गणित का नही पढ़ाया गया है। जिससे हम गणित विषय में बिछड़ते जा रहे हैं और हमारा कोर्स प्रारंभ तक ही नहीं हो पाया है, प्रशासन से मांग है कि गणित विषय के शिक्षक की व्यवस्था करें ताकि गणित विषय की पढ़ाई प्रारंभ हो सके।

शिक्षक को जाम संकुल में किया गया है अटैच - ओमकार

शास. माध्य. स्कूल पटेलटोला पिपरिया छि. प्रभारी प्रधानपाठक ओमकारसिंह वरकड़े ने बताया कि स्कूल में 48 बच्चें दर्ज है एवं तीन शिक्षक अध्यापन कार्य करवा रहे है और गणित विषय के शिक्षक श्री तितरमारे को जाम संकुल में अटैच कर दिया गया है। जिसके कारण गणित विषय की पढ़ाई नही हो पा रही है। श्री वरकड़े ने बताया कि स्कूल में जो शिक्षक है वे आर्ट विषय के है और सिलेबस बदलने से पढ़ाने में परेशानी होती है एवं शिक्षक नही होने की जानकारी संकुल प्राचार्य एवं वरिष्ठ अधिकारियों को दे चुके है।

संकुल में गणित विषय के अतिरिक्त शिक्षक नही है - बिसेन

शा. उमावि. जाम संकुल प्रभारी प्राचार्य आरसी बिसेन ने बताया कि माध्य. स्कूल पटेलटोला पिपरिया छि. में पदस्थ शिक्षक भलावी एवं श्री तितरमारे के द्वारा निरंतर अपने कार्यों में लापरवाही बरतने की शिकायत अभिभावकों के माध्यम से मिल रही थी। जिसके बाद उन पर कार्यवाही कर संकुल में अटैच किया गया था एवं उनके स्थान पर स्कूल संचालन के लिए अन्य शिक्षक की व्यवस्था की गई है और श्री तितरमारे गणित विषय के शिक्षक है जो जाम संकुल में अटैच है। श्री बिसेन ने बताया कि संकुल में अतिरिक्त गणित विषय के शिक्षक नही है इसलिए शिक्षक उपलब्ध नही करवा पा रहे है और इस समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत करवा चुके है, जल्द शिक्षक की व्यवस्था कर दी जायेगी।

बघोली शास. उमावि. में तीन अतिरिक्त कक्ष के लिए राशि हुई स्वीकृत

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि बालाघाट विधानसभा के लालबर्रा क्षेत्र अंतर्गत शास. हायर सेकेंडरी स्कूल बघोली में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के प्रयासों से जिले के प्रभारी मंत्री, म.प्र. शासन के शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह के द्वारा तीन अतिरिक्त कक्ष के लिए राशि स्वीकृत की गई है। राशि स्वीकृत स्वीकृत होने से ना सिर्फ स्कूल में विद्यार्थियों के लिए बैठक कक्ष की उपलब्धता हो सकेगी बल्कि यहां पर प्रयोगशाला का भी निर्माण किया जायेगा और प्रयोगशाला बनने से विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। श्री खान ने बताया कि शास. उमावि. बघोली में हाई स्कूल से हायर सेकेण्डरी स्कूल में उन्नयन होने के बाद भवन का निर्माण नही होने से बैठक व्यवस्था पर्याप्त नही होने से विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में परेशानी होती थी और लंबे समय से अतिरिक्त कक्ष निर्माण की मांग की जा रही थी, लेकिन वह पूरी नहीं हो सकी थी। बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के संज्ञान में यह मामला सामने लाया गया था। जिसके लिए विधायक अनुभा मुंजारे ने अथक प्रयास किया और अब उ`च शिक्षा मंत्री व बालाघाट के प्रभारी मंत्री उदयप्रताप सिंह ने बघोली हायर सेकेंडरी स्कूल के अतिरिक्त कक्ष के लिए राशि स्वीकृत कर दी है। पूर्व में विधायक श्रीमती मुंजारे ने स्कूल में भवन की समस्या को लेकर प्रभारी मंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह से भेंट कर मांग पत्र भी प्रेषित किया गया था। जिसके बाद 77.25 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई। उक्त राशि से तीन अतिरिक्त कक्ष, प्रयोगशाला का निर्माण किया जायेगा एवं फर्नीचर की व्यवस्था की जायेगी। श्री खान ने बताया कि विधायक श्रीमती मुंजारे के प्रयास से अपने विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली सहित सड़क व अन्य मूलभूत सुविधाएं की उपलब्धता करवाई जाये जिसके लिए वे लगातार प्रयासरत है एवं विद्यार्थियों के पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल, बैठक व्यवस्था एवं प्रयोगशाला बनाने में प्राथमिकता है एवं निश्चित ही आगामी समय में क्षेत्र में स्कूल, शिक्षा सहित अन्य कार्यों की स्वीकृति व राशि मिलना है। जिसके लिए वह लगातार प्रयास कर रही है। वहीं विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के प्रयास से बघोली स्कूल में अतिरिक्त कक्ष व प्रयोगशाला के लिए 77.25 लाख रूपये की राशि स्वीकृत होने पर स्कूल परिवार में खुशी की लहर व्याप्त है। विधायक श्रीमती मुंजारे ने बघोली शास. उमावि. में अतिरिक्त कक्ष व प्रयोगशाला के लिए राशि स्वीकृत होने पर उच्च शिक्षा मंत्री का आभार जताया है।

सुंदर एवं आकर्षक राखियों से सजी दुकानें

कीमतों में हुई 10 से 15 प्रतिशत की वृध्दि, 9 को मनाया जायेगा रक्षाबंधन पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और स्नेह का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन 9 अगस्त को पूरे क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। पर्व की तैयारियों को लेकर जहां बहनों के द्वारा भाईयों के लिये बाजार से आवश्यक सामग्रियों की खरीददारी की जा रही है तो वहीं दुकानदारों के द्वारा ग्राहकों को लुभाने के लिये अपनी दुकानों की विशेष रूप से साज-सजावट की गई है एवं मार्केट सुंदर व आकर्षक राखियों से सज गया है। नगर मुख्यालय के बस स्टैण्ड, हाई स्कूल रोड़, पंचायत भवन के सामने सहित विभिन्न चौक-चौराहों में सजी राखी की दुकानों से महिलाओं, युवतियों व बालिकाओं के द्वारा रक्षाबंधन पर्व पर भाईयों की कलाई में बांधने के लिये राखी तथा उपहार स्वरूप रूमाल, नारियल व मिठाईयां सहित अन्य सामग्रियों की खरीदी के साथ ही श्रृंगार सामग्री, मेहंदी व चूड़ी सहित तमाम तरह की वस्तुओं की खरीददारी की जा रही है परन्तु इस वर्ष राखियों के दामों में 10 से 15 प्रतिशत की वृध्दि हुई है। उसके बावजूद भी भाई-बहनों के पवित्र रिस्ते व स्नेह के पर्व रक्षाबंधन पर महंगाई का असर समझ में नही आ रहा है और सभी अपने क्षमता के अनुसार राखियां व अन्य सामग्री की खरीददारी कर रहे है। इस प्रकार राखी की दुकानों में दिन भर लोगों की आवाजाही के कारण चहल पहल बनी हुई है जिससे व्यापारियों के चेहरे भी खिल गये है। राखी का व्यवसाय कर रहे दुकानदार संकेत गुप्ता ने बताया कि 9 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जायेगा जिसके चलते राखी के व्यवसाय में आज से उठाव आया है। साथ ही यह भी बताया कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष राखी में 10 से 15 प्रतिशत की मूल्य वृध्दि हुई है और दुकान में स्टोन राखी, डोरी राखी, फैन्सी राखी, कार्टून राखी, लायटिंग राखी, लुम्बा राखी, लटकन राखी व लटकन फैन्सी राखी सहित अन्य किस्म की राखियां उपलब्ध है एवं ब%चों की पहली पसंद कार्टून व लाईटिंग राखी है। साथ ही यह भी बताया कि 5 रूपये से लेकर 400 रूपये की कीमत की राखियां उपलब्ध है।

कीटनाशक दवाई के प्रभाव में आने से दो किसानों की हुई मौत

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। लालबर्रा थानांतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत छिंदलई एवं खमरिया में खेत में लगी धान की फसल में खाद (कीटनाशक) दवाई का छिड़काव करते समय उसके प्रभाव में आने से दो किसान छिंदलई निवासी 46 वर्षीय बस्ताराम ठाकरे, खमरिया निवासी 65 वर्षीय नन्नाराम मर्सकोले की मौत हो गई। गुरूवार को लालबर्रा अस्पताल में दोनों मृत किसानों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया है एवं पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत छिंदलई निवासी 46 वर्षीय बस्ताराम ठाकरे किसान है जिसके खेत में खरीफ सीजन में धान की फसल लगी हुई है। खेत में कीटनाशक खाद डालने के लिए बस्ताराम बुधवार को खेत गया था और शाम में जब वह घर आया तो उसे ठीक नही लग रहा था इसलिए वह सो गया। लेकिन रात में उसकी अधिक तबियत खराब होने पर परिजनों ने उसे लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आये थे जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। वहीं दुसरी घटना खमरिया की है, खमरिया निवासी 65 वर्षीय किसान नन्नाराम मर्सकोले अपने छोटे बेटे के पास खमरिया में रहता है जो नागपुर कमाने गया हुआ है। बुधवार को नन्नाराम मर्सकोले दोपहर में खेत में खाद डालने गया था लेकिन शाम तक घर वापस नही आया तो उसके परिजनों को लगा कि वह अपने बड़े बेटे के घर चले गया होगा क्योंकि वह अपने बड़े बेटे के घर खमरिया में कभी भी चले जाता था और रात रूकने के बाद दुसरे दिन अपने छोटे बेटे के घर आ जाता था इसलिए परिजनों ने उसकी पतासाजी नही किये। दुसरे दिन गुरूवार को सुबह जब ग्राम के कुछ किसान अपने खेत की ओर घुमने गये तो नन्नाराम मर्सकोले अपने खेत की मेढ़ में बेसुध अवस्था में पड़ा हुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना उसके परिजनों को दी गई और परिजन घटना स्थल पहुंचकर देखे तो उसकी मौत हो चुकी थी, जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं खेत में खाद डालने गये किसान की खेत में मौत हो जाने की जानकारी ग्राम में आग की तरह फैल गई और लोगों की घटना स्थल में भीड़ लग गई। साथ ही खेत में किसान की मौत हो जाने की जानकारी पुलिस को लगने के बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिसकर्मी घटना स्थल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही कर शव बरामद कर लालबर्रा अस्पताल लेकर आये जहां चिकित्सक ने पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। इस तरह से लालबर्रा थानांतर्गत आने वाले दो ग्राम के दो किसानों की खेत में लगी फसल में खाद डालते समय कीटनाशक खाद के असर (प्रभाव) से उनकी मौत हो चुकी है। गुरूवार को लालबर्रा पुलिस ने लालबर्रा अस्पताल में दोपहर में छिंदलई एवं खमरिया निवासी दोनों मृत किसानों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि छिंदलई निवासी बस्ताराम ठाकरे, खमरिया निवासी नन्नाराम मर्सकोले दोनों कृषक है और बुधवार को अपने-अपने खेत में खाद डालने के लिए गये थे एवं खाद (कीटनाशक दवाई) का छिड़काव करते समय उसके प्रभाव में आने से उनकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हाई स्कूल मैदान की पांढरवानी पंचायत ने करवाई साफ-सफाई

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय का एकमात्र हाईस्कूल खेल मैदान में विगत दिवस प्रदर्शनी मेला लगा था और जिनके द्वारा प्रदर्शनी मेला लगाया गया था। वे मेला समाप्त होने के बाद उसकी साफ-सफाई किये बिना ही दुसरे स्थान पर चले गये थे। जिसके कारण खेल मैदान में जहां-तहां गंदगी फैली हुई थी। साथ ही बारिश होने पर कुछ स्थानों पर कीचड़ एवं गंदगी होने के कारण खिलाड़ियों को खेल का अभ्यास करने एवं सुबह सैर में टहलने एवं घुमने, व्यायाम करने आने वाले स्थानीयजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। खेल मैदान में गंदगी होने से खिलाड़ियों को हो रही परेशानियों देखते हुए बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार भी प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद ग्राम पंचायत पांढरवानी के द्वारा गत दिवस हाई स्कूल मैदान की साफ-सफाई करवाई गई है। वहीं हाई स्कूल मैदान की साफ-सफाई हो जाने से अब खिलाड़ियों को खेलने में सुविधा होगी। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि हाई स्कूल मैदान में विगत दिवस बाहर से आये लोगों के द्वारा प्रदर्शनी मेला लगाया गया था और यह मेला 15 दिनों तक जारी रहा, जिसके बाद वे झुले, स्टाल सहित अन्य सामग्री लेकर दुसरे स्थान पर चले गये थे। लेकिन मैदान की साफ-सफाई नही किये थे। जिसके कारण खेल मैदान में गंदगी फैली हुई थी जिससे खिलाड़ियों को खेलने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और खिलाड़ियों ने हाई स्कूल मैदान की साफ-सफाई करवाने की मांग की थी। श्री खान ने बताया कि गत दिवस पंचायत के द्वारा हाई स्कूल मैदान की साफ-सफाई करवा दी गई है जिससे अब खिलाड़ियों को परेशानी नही होगी एवं प्रशासन से भी मांग करते है कि नगर मुख्यालय के एक मात्र हाई स्कूल मैदान को सर्वसुविधायुक्त बनाये ताकि खिलाड़ियों को खेलने में अच्छी सुविधा मिल सके।

जल भराव की समस्या से परेशान वार्डवासी

पानी निकासी की व्यवस्था नही होने से रहवासियों में आक्रोश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ६ निर्मल नगर स्थित गणेश मंदिर के पीछे जल भराव की समस्या बीते कुछ वर्षों से बनी हुई है। जहां पर पानी निकासी की व्यवस्था नही होने से रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसके लिए उनके द्वारा अनेकों बार नगर पालिका में शिकायत की जा चुकी है ,किंतु वर्तमान तक कोई समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। जिसको लेकर उनमें आक्रोश व्याप्त है वार्ड वासियों के द्वारा पानी निकासी के लिए नाली और आवागमन के लिए सड़क निर्माण की मांग की जा रही है। विदित है कि निर्मल नगर का उक्त स्थान डूब क्षेत्र में है जहां से पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है क्योंकि चारों तरफऊंचाई वाला क्षेत्र बना हुआ है। जहां पर लालबर्रा रोड़ और अन्य क्षेत्र से पानी सीधा आकर जमा हो जाता है निकासी नही होने से पानी वहां पड़ा रहता है। कई बार घरों में भी घुस जाता है ऐसे में उक्त स्थान पर रहवासी परिवारो को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

नपा और वार्ड पार्षद के प्रति वार्डवासियों में आक्रोश है-रश्मि ठाकरे

वार्डवासी रश्मि ठाकरे ने बताया की गणेश मंदिर के पीछे हम रहते हैं यहां घुटने तक पानी भर जाता है निकल नहीं पाता है। पीने के लिए पानी लेने नहीं जा पाते हैं इतना पानी रहता है घर के सामने आंगन में ४ वर्ष से यह समस्या बनी हुई है। नगर पालिका में आवेदन भी दिए पार्षद को भी बोले पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। घर में छोटे.छोटे बच्चे हैं कभी वह इस जल भराव में गिर गए तो परेशानी होगी बहुत दिक्कत है व्यवस्था होनी चाहिए।

बारिश के पानी से बहुत ज्यादा समस्या है शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नही होती है-मनोज महेरबान

मनोज महेरबान ने बताया कि यहां आने जाने की समस्या है बारिश का पानी भर जाता है इसके लिए २०२१ में हमने कंप्लेंट डाला था अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। चार दिन पहले चिल्ली डाले हैं यहां पर करीब सात मकान है पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है इसके लिए अवगत करवा दिया गया है। हम परेशान हो रहे हैं जल भराव के समय शिकायत करते हैं ७ दिन बाद में नगर पालिका के लोग आते हैं घरों में पानी घुस रहा है। हम यही चाहते हैं कि यहां पर सीसी सड़क और नाली का निर्माण होना चाहिए।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि वहां पर निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है डूब क्षेत्र में वह स्थान है। वहां पर रोड़ और नाली के लिए नगर पालिका के माध्यम से प्रयास किया जा रहे हैं। स्वीकृति मिलते ही निर्माण करवा दिया जाएगा वर्तमान में तत्कालीन व्यवस्था चिल्ली और मुरूम डालकर करवा दी गई है।

रितु अलोक खरे
पार्षद वार्ड नं.६ वारासिवनी

उपजेल वारासिवनी में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा स्थित उपजेल में सिविल अस्पताल के तत्वाधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर जेलर अभय वर्मा की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें शासकीय सिविल अस्पताल वारासिवनी से गठित स्वास्थ्य टीम के द्वारा उपजेल में शिविर लगाया गया। जहां पर बंधियों के स्वास्थ्य की विस्तृत जांच की गई जिसमें उनका ब्लड टेस्ट, बीपी, शुगर सहित विभिन्न जांच की गई। वहीं नि:शुल्क दवा का भी वितरण किया गया जहां पर एक एक कर समस्त बंधियो के द्वारा अपनी जांच करवाई गई। उक्त विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में निरूद्ध बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार दिया गया। उक्त विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में बंदियों के लिए शिविर जांच एचआईवी ,सिफ

लिश ,हेपेटाइटिस ,बी सी टीव्ही ४ स्क्रीनिंग ,एसटीआई स्क्रीनिंग की गई। साथ ही बंदियों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु बंदियों की अलग अलग बीमारी समस्या के आधार पर बंदियों को चिन्हित किया गया। जेलर अभय वर्मा ने बताया की जेल में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कैदियों की शुगर बीपी ब्लड सहित अनेक प्रकार की जांच कर उनके नेत्र कान और गले सहित हड्डियों की जांच कर आवश्यकता अनुसार नि:शुल्क दवा का वितरण किया गया। इस अवसर पर बीएमओ डॉ कमलेश झोड़े ,जेलर अभय वर्मा ,योगेश चंद्रबेल ,आशीष झारिया ,योगेंद्र टेंभरे ,सुनील घामने ,संदीप कोकोड सहित जेल स्टाफ एवं बंदी मौजूद रहे।

फिलेटली स्कॉलरशिप में नवोदय विद्यालय ने प्रदेश में पाया प्रथम स्थान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विद्यार्थियों को डाक टिकटों के इतिहास महत्व और संग्रहण के प्रति

जागरूक करने के लिए डाक विभाग के द्वारा चलाए गए फि लेटली जागरूकता अभियान में पीएम श्री नवोदय विद्यालय वारासिवनी के विद्यार्थियों ने प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिले और विद्यालय दोनों के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण मानी जा रही है। इस अभियान में विद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा सर्वाधिक संख्या में भागीदारी कर दीनदयाल स्पर्श योजना के अंतर्गत वर्ष २०२३-२४ एवं २०२४-२५ में ६००० की छात्रवृत्ति अर्जित की गई। जो उनकी जिज्ञासा परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है। इस उपलब्धि को चिह्नित करने हेतु विद्यालय प्रांगण में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रणवीर सिंह ने सभी चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस सफ लता के पीछे विद्यालय के शिक्षकों की प्रतिबद्धता एवं प्रेरणादायक मार्गदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। डाक विभाग के द्वारा विशेष रूप से तीन शिक्षकों जिसमें मो.अयाज़ अंसारी टीजीटी लाइब्रेरियन प्रभारी फि लेटली,दीपेश कुमार जैन टीजीटी हिंदी, डॉ.विभीषण सिंह टीजीटी अंग्रेजी को बधाई पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। ४ अगस्त २०२५ को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में आयोजित फिलेटली स्कॉलरशिप प्रमाण पत्र वितरण समारोह में जिलेभर के सफ ल विद्यालयों के विद्यार्थियों पालकों एवं शिक्षकों ने भाग लिया। इस दौरान वाय एल धनेंद्र अधीक्षक डाक संभाग बालाघाट, शरद ज्योतिषी प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट,डॉ वेंकट एल तल्लूरी प्राचार्य ओजस ग्लोबल स्कूल,मो.अयाज़ अंसारी प्रभारी फिलेटली नवोदय विद्यालय वारासिवनी, डॉ. युवराज रहांगडाले सांदीपनि विद्यालय, अशोक चौबे सेवानिवृत्त व्याख्याता मौजूद रहे। मो. अयाज अंसारी ने बताया कि फि लेटली जैसे रचनात्मक और शोधपुरक विषय के प्रति विद्यार्थियों की यह अभिरुचि भविष्य में उनके सर्वांगीण विकास की दिशा तय करेगी। यह पहल केवल एक शैक्षणिक गतिविधि ना होकर इतिहास संस्कृति और अनुसंधान की ओर बढ़ता हुआ एक रचनात्मक कदम है। वहीं डॉ विभीषण सिंह ने विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में डाक टिकटों की भूमिका विषय वस्तु और ऐतिहासिक

१५ अगस्त मनाने बैठक आयोजित

विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर सौंपी गई जिम्मेदारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। तहसील कार्यालय स्थित सामुदायिक भवन में ७ अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने बैठक आयोजित की गई। यह बैठक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत दीक्षा जैन सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें १५ अगस्त २०२५ को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाए जाने एवं हर घर तिरंगा अभियान के क्रियान्वयन हेतु विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जिसमें विशेष दान या देहदान सहित अन्य प्रतिभाओं के सम्मान करने, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सभी शासकीय भवनो कार्यालयों में प्रकाश लायटिंग व्यवस्था करने, एनसीसी रेडक्रास स्काउट गाइड व अन्य स्कूलो की परेड़ प्रस्तुति की रिहार्सल सभी कार्यालय में ध्वजारोहण, मुख्य समारोह में ध्वजारोहण, अतिथि आगमन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं मीसा बंदियों का सम्मान किया जाने, बैठक व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे पीटी, नृत्य सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन संबंधित कार्य के प्रति जवाबदारी वितरण करने का कार्य किया गया। जिसमें पूरी कार्यवाही सुनने और उसमें बदलाव करने के बाद गणमान्य नागरिकों के द्वारा कुछ सुझाव दिये गये। जिस पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा विचार करने की बात कही गई। वहीं जिन्हें जिस कार्य की जवाबदारी दी गई है उसके लिए उन्हें सक्रियता से कार्य करने के लिए निर्देश दिया गया। वहीं हर घर तिरंगा अभियान को घर.घर तक पहुंचाने के लिए अधिकारी कर्मचारी के साथ ही गणमान्य नागरिकों से भी अपील की गई कि वह ऐसा अभियान के तहत लोगों को जागरूक करें। एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने चर्चा में बताया कि स्वतंत्रता दिवस को लेकर सभी के साथ बैठक कर चर्चा की गई है। इसमें पहले विषय आया था कि बारिश होने से सांस्कृतिक कार्यक्रम मंडी या आंबेडकर भवन में करवा दे। किंतु सभी का मत आया कि परंपरागत रूप से जो क्लब ग्राउंड में होता आया है तो वहीं पूरा कार्यक्रम होना चाहिए। तो यह पूरा कार्यक्रम क्लब ग्राउंड में होगा इसमें ध्वजारोहण,परेड ,सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रदेश की प्रवीण सूची सहित विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। वहीं शासन के आदेश है कि जिन लोगों ने विशेष दान या देहदान किया है उन्हें भी सम्मानित करना है। ऐसे ही नगर के समाजसेवी साहित्य व किसी भी क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाले व्यक्तियों का भी सम्मान किया जाएगा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत लोगों को प्रेरित करने के लिए निर्देशित दिया है कि ज्यादा से ज्यादा लोग जागरुक हो घरों पर तिरंगा लगे। और उसमें भी यह ध्यान रखा गया है कि प्लास्टिक के जो झंडा आते हैं वह प्रतिबंधित रहेगी। क्योंकि स्वतंत्रता दिवस समाप्त होने के बाद यह विभिन्न स्थानों पर फेंक दिए जाते हैं जिससे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान तो होता ही है प्लास्टिक होने से पर्यावरण को भी नुकसान है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं स्त्रोत समन्वयक को निर्देशित किया गया है कि समस्त विद्यालय से प्रभात फेरियां निकाली जायेगी । ताकि स्वतंत्रता दिवस का संदेश हर घर तक जाए। नन्हे मुन्ने बालक बालिकाएं स्वतंत्रता दिवस को समझें और लोगों में देश भक्ति की भावना प्रबल हो सके। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि सहित शासकीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

सिविल अस्पताल में मरीजों की बढ़ रही संख्या

डिहाइड्रेशन और वायरल से प्रभावित आ रहे मरीज

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वर्तमान में बारिश का मौसम चल रहा है किंतु बीते कुछ दिनों से तेज गर्मी के प्रकोप से आमजन के स्वास्थ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिसके चलते स्थानीय सिविल अस्पताल में बुखार, उल्टी दस्त, सर्दी खांसी के मरीजों की संख्या में काफी इजाफा हो रहा है। इन रोगों से पीड़ित मरीजों को डिहाईड्रेसन का शिकार होना बताया जाता है जिसकी मूल वजह शरीर में पानी की कमी को बताया जा रहा है। मानव शरीर के एक तिहाई हिस्से में पानी होता है बदलते मौसम में पानी कम पीने से और ज्यादा पसीना निकलने से शरीर में पानी और नमक का संतुलन बिगड़ जाता है जिससे कई तरह की समस्याऐं होने लगती है। वैसे स्वास्थ संबंधी यह रोग किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है लेकिन इसकी चपेट में बच्चे जल्दी आ जाते है। ऐसे में हमारे शरीर में पानी की कमी हुई तो निश्चित ही हम सभी को इन रोगों से दो चार होना पड़ेगा। ऐसी स्थिति कुछ दिन से बनी हुई है क्योंकि बारिश का मौसम चल रहा है और बारिश नही होने के कारण सूर्य देवता आसमान से तेज धूप चमकने के कारण उम्मस भारी गर्मी से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है। जिससे सिविल अस्पताल में मरीजों की सुबह से भीड़ लगी हुई हैं। ब्लॉक मेडीकल ऑफीसर डॉ कमलेश झोड़े ने बताया कि इन दिनो डिहाईड्रेशन के मरीजों की संख्या अस्पताल में काफी दिखाई दे रही है। अस्पताल में भर्ती अधिकांशता मरीज उल्टी दस्त, बुखार व सर्दी खांसी के आ रहे है। मौसम परिवर्तन से मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ हैं हमें ऐसी धूप से बचना चाहिये जरूरी है तो ही घर से निकलना चाहिये। हल्के कपड़े पहनने के साथ पानी अधिक पीना चाहिये शरीर में अगर पानी की कमी होगी तो निश्चित ही आप इन रोगों से ग्रसित हो जायेंगे। तेज बुखार होने पर बार बार पेशाब जाने व दस्त लगने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में हमे नींबू पानी के अलावा कम से कम आठ से दस लीटर पानी पीना चाहिये। तभी हम डिहाईड्रेशन रोग से बच सकते है शरीर में पानी की कमी हो जाने पर हमारे खून का कुल आयतन यानी टोटल वॉल्यूम कम हो जाता है। जिससे लो ब्लड प्रेशर की समस्या पैदा हो सकती है इससे घबराहट या सिर दर्द की स्थिति का भी सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा पानी के शरीर में कमी के चलते आलस व थकान की भी सामना करना पड़ सकता है।

ग्लेशियर डिपॉजिट टूटने से धराली में हुई प्रलय

उत्तरकाशी के हरी शिला पर्वत पर सात ताल इलाके से खीर गंगा आती है, जहां यह बादल फटा है।दाहिने तरफ़ धराली इलाका है, बाएं तरफ़ हर्षिल का तेल गाट में आर्मी कैम्प है।धराली हादसे के समय धराली में 200 से ज्यादा लोग मौजूद थे।5अगस्त की दोपहर करीब 01:45 बजे, हरसिल के भारतीय सेना के कैंप से करीब 4 किलोमीटर दूर, धराली गांव में बादल फटने से तबाही मची। बादल फटने की घटना के बाद आई भीषण बाढ़ में करीब एक दर्जन लोगों की मौत हो गई और 50 से ज़्यादा लोग लापता हैं।धराली हादसे में सेना के 10 जवान और एक जेसीओ लापता बताए जा रहे हैं।इस आपदा से सेना का कैंप भी प्रभावित हुआ है।सेना की 14 राजरिफ यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर और जवान राहत और बचाव कार्य में लगे हुए हैं।हर्षिल में नदी के किनारे बना हेलीपैड भी बह गया है। भारी बारिश की वजह से हेलीकॉप्टर से राहत और बचाव का काम नहीं हो पा रहा है।हर्षिल इलाके में खीरगढ़ नाले के उफान पर होने से तबाही और बढ़ गई, जिसके चलते उत्तरकाशी पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना और अन्य बचाव दल सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाकों में राहत कार्य करने में जुटे हुए है। जिस जगह पर भूस्खलन हुआ, उसके पास तैनात भारतीय सेना ने सबसे पहले मदद की, उन्होंने करीब 15 लोगों को बचाया।धराली में खीर गंगा नदी में आई विनाशकारी बाढ़ में 5 होटल पूरी तरह बहकर तबाह गए हैं। बाढ़ आने से 10 से 12 मजदूरों के भी दबे होने की आशंका है। जियोलॉजिस्ट इमरान खान ने बताया धराली गांव से लगभग 7 किमी ऊपर की ओर, समुद्र तल से लगभग 6,700 मीटर की ऊंचाई पर स्थित, ग्लेशियर डिपाजिट डेबरी का एक बड़ा हिस्सा टूटने से मलबा तेजी से नीचे घाटी की ओर आया। सैटेलाइट चित्र के अनुसार ग्लेशियर मलबे की मोटाई 300 मीटर और क्षेत्रीय विस्तार तकरीबन 1.12 वर्ग किलोमीटर का बताया गया है। जिसके कारण निचले इलाकों में तबाही मची है।भारतीय जियोलॉजिस्ट इमरान खान भूटान में चल रहे PHPA-1 में सेवारत हैं।धराली गांव से लगभग 7 किमी ऊपर की ओर, समुद्र तल से लगभग 6,700 मीटर की ऊंचाई पर स्थित, हिमनदों से बने मोटे तलहटी निक्षेपों का एक महत्वपूर्ण समूह पाया गया है। इन निक्षेप अनुमानित ऊर्ध्वाधर की मोटाई 300 मीटर है। इसका क्षेत्रीय विस्तार 1.12 वर्ग किमी है।इसकी संरचना अनुमानित हिमोढ़ और हिमनद-नदी पदार्थ की है।यह एक लटकते हिमनद गर्त के भीतर स्थित असंगठित पिंड है।5 अगस्त को हुई उच्च-तीव्रता वाली बारिश (बादल फटने) के दौरान अत्यधिक सतही अपवाह और अंत:स्त्राव ने संभवत: इस हिमनद निक्षेप की प्रतिगामी विफलता या अचानक ढलान वियोजन को प्रेरित किया।मध्यवर्ती नाला चैनल की तीव्र स्थलाकृतिक ढाल - जो लगभग 7 किमी के खड़ी, सीमित भूभाग को कवर करती है, ने मलबे के वेग को बढ़ा देने से यह प्रलय आई है। अनुमान है मलबा प्रवाह न्यूनतम क्षीणन के साथ एक मिनट से भी कम समय में धराली गांव तक पहुंच गया।ग्लेशियर डिपोजिट ग्लेशियरों द्वारा जमा सामग्री होती है,इसमें बर्फ के बड़े बड़े टुकड़े होते हैं।ये टुकड़े गुरुत्वाकर्षण के कारण धीरे-धीरे नीचे की ओर खिसकते रहते हैं।ये रास्ते में चट्टानों, बजरी, रेत और मिट्टी जैसा मलबा भी अपने साथ समेट लेते हैं तथा उन्हें लेकर आगे बढ़ते हैं।जब ग्लेशियर पिघलता है, तो यह अपने साथ लाए गए मलबे को पीछे छोड़ देता है, जिसे ग्लेशियल डिपोजिट कहते हैं। उत्तरकाशी के डीएम प्रशांत आर्य ने बताया कि जिस जगह बदल फटा है वहां पर काफी होटल और रेस्टोरेंट हैं। कुछ टूरिस्ट भी वहां फंसे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तरकाशी के धराली में हुई इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी जी से बात कर उन्होंने हालात की जानकारी भी ली ।

ट्रंप की धमकी बनाम राष्ट्रीय हित सर्वोपरि ,भारत फर्स्ट की नीति

वैश्विक स्तरपर आज दुनियाँ का हर देश ट्रंप के राष्टपति के रूप में शपथ लेने के बाद से उनके द्वारा दिए गए विभिन्न बयानों व व्यवहार से सक्ती में है व सोचनें के लिए मजबूर है कि, वह क्या करें? क्योंकि ट्रंप चुनावी वादों अमेरिका फर्स्ट,व मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के लिए वित्त के विभिन्न स्त्रोतों का जुगाड़ कर रहे हैं, वह भी एक नए अंदाज में, टैरिफ का दबाव बनाकर! उन देशों को अपनी शर्तों, मांगों को मानने पर विवश कर रहे हैं, यह हमने देखे कि चीन पर 145 परसेंट तो कनाडा और पूरे यूरोपीय यूनियन तक सभी देशों में टैरिफ के माध्यम से दबाव का का खेला खेलने को हम देख रहे हैं,अब 1 अगस्त से भारत पर 25 परसेंट टैरिफ की घोषणा, फिर उसे संशोधन कर 7 अगस्त तक बढ़ाया जाना, फिर आज मंगलवार 5 अगस्त 2025 को देर शाम उन्होंने कहा कि भारत रूस से तेल लेकर अप्रत्यक्ष रूप से रूस यूक्रेन युद्ध में वित्तीय फंडिंग के रूप में मदद कर रहा है,उसे रुस से तेल खरीदना बंद करना होगा। अमेरिका अगले 24 घंटे में भारत पर टेरिफ बढ़ा देगा।मैं एडवोकेट किशन सनमुख दास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट यह मानता हूं, चूँकि वह दिन अब लग गए जब भारत पर दबाव बनाकर उसके अटल इरादों को डगमगा दिया जाता था,अब भारत इतना आगे बढ़ चुका है कि वह अपनी मर्जी, अपने दम व अपनी शर्तों पर राष्टहित सर्वोपरि पर काम करेगा, यानें मेक इन इंडिया व विजन 2047 को ध्यान में रखते हुए ही राष्टहित में रणनीति बनाकर काम किया जाएगा। बता दें ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन व अमेरिकी फर्स्ट की नीति पर चल रहे हैं, जो उनके चुनावी वादे का एक हिस्सा है।अब भारत अमेरिका दोनों देश अपने राष्ट को ग्रेट बनाना चाहते हैं, जो अच्छी बात है। परंतु इसके लिए दबाव नीति रूपी अस्त्र का उपयोग करना उचित मानदंडों के खिलाफ है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे अमेरिका व यूरोपीय यूनियन द्वारा रुस पर लगाए प्रतिबंधों के बावजूद प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से ऊर्जा खरीद रहे हैं, तो भारत के साथ ऐसा प्रस्ताव क्यों?

साथियों बात अगर हम ट्रंप की धमकी को ऊर्जा,राजनीति व दबाव की रणनीतिक कड़ी के रूप में देखें तो,ट्रंप की धमकी और अमेरिका का वास्तविक रुख- डोनाल्ड ट्रंप ने 31 जुलाई और 5 अगस्त 2025 को दो बार भारत को धमकाया कि यदि रूस से तेल खरीदना बंद नहीं किया गया तो अमेरिका भारत पर 卐24 घंटे के भीतर बहुत बड़े टैरिफ卐 लगा देगा।उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि वह-सस्ता तेल रूस से खरीदता है, उसे अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में ऊँचे दामों पर बेचता है,और इस प्रकार 卐युद्ध को फंड कर रहा है卐।लेकिन इस कथन में दो प्रमुख विरोधाभास हैं- (1) संयुक्त राज्य अमेरिका स्वयं 2024-25 में दुनिया का सबसे बड़ा तेल निर्यातक बन चुका है। (2) अमेरिका ने यूरोप को ऊर्जा आपूर्ति के लिए बड़े समझौते किए हैं जो रूस की जगह लेने के नाम पर खुद लाभ कमा रहे हैं।भारत पर अमेरिका की तेल नीति और शुल्क धमकी- डोनाल्ड ट्रंप ने 31 जुलाई और 4-5 अगस्त 2025 को दोहराकर स्पष्ट किया कि भारत की रूस से तेल खरीद को वह युद्ध मशीन को ईंधन देना मानते हैं, और इस वजह से भारत से आयात पर 25पेर्सेंट से कहीं अधिक 卐बहुत बड़ी卐 टैरिफ वृद्धि करेंगे।उन्होंने आरोप लगाया कि भारत रूस से तेल खरीदकरडिस्काउंट पर और फिर उसे ओपन मार्किट में मुनाफे के लिए बेचता है,रेउटर्स और इंडिया टाइम्स सहित रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी-जून 2025 में भारत की कुल तेल खपत का लगभग 36-40 पेर्सेंट हिस्सा रूस से आया था अमेरिका और यूरोप स्वयं कितना तेल खरीद रहे हैं? यूरोपीय संघ-यूरोस्टात के आंकड़ों के अनुसार अर्ली 2025 तक ईयू ने पेट्रोलियम ऑयल आयात में मार्च 2021 की तुलना में मूल्य में 56 पेर्सेंट वृद्धि, मात्रा में थोड़ा +0.3 पेर्सेंट बढ़ोतरी दर्ज की-हालांकि 2022 के बाद क्रमश: दोनों में गिरावट आई है।2024 में ईयू ने अमेरिका से करीब क76 बिलियन मूल्य एलएनजी, पेट्रोलियम और कोयला आयात किया-कुल यूएस ऊर्जा निर्यात .318 बिलियन में से ईयू का हिस्सा लगभग 24 पेर्सेंट था।यूरोप को आपूर्ति में यूएस का हिस्सा 2024 में एलएनजी में 44पेर्सेंट, तेल में 15.4पेर्सेंट था अमेरिका- -अमेरिका ने 2024 में रोजाना औसतन 4.1 मिलियन बैरल/दिन क्रूड ऑयल निर्यात किया — 2023 से नए रिकॉर्ड को पार करते हुए यूरोपीय देशों में सबसे ज्यादा रॉ डिलीवरी नॅदरलैंड को (लगभग 8.25 लाख ब/दिन), फिर जर्मनी, यूके आदि को हुई। उसी वर्ष भारत को अमेरिका की क्रूड ऑयल निर्यात में 32 पेर्सेंट की वृद्धि हुई- रूस से सस्ता तेल मिलने पर भी, भारत यूएस. क्रूड को भरपूर स्थान दे रहा है- लगभग 55,000 बैरल/दिन की बढ़ोतरी।

साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा भारत की रणनीतिक स्वायतत्ता पर प्रश्न खड़ा करने की करें तो,ट्रंप ने कहा कि अगले 24 घंटे में (5-6 अगस्त 2025 तक) भारत पर आयात टैरिफ बहुत बड़े पैमाने पर बढ़ा सकते हैं, वर्तमान में 25 पेर्सेंट के स्थान पर 50 पेर्सेंट, 100 पेर्सेंट, या उससे भी ज़्यादा तक।यूएस. कांग्रेस में सैंक्शनिंग रूस एक्ट ऑफ 2025卐 प्रस्तावित है, जिसमें ऐसे देशों पर 500 पेर्सेंट सेकेंडरी टैरिफ लगाने का अधिकार राष्टपति को दिया गया है जो रूसी ऊर्जा आयात करते हैं (विशेष रूप से भारत, चीन) यह बिल लिंडसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लूमेंथाल द्वारा लाया गया है और समर्थन प्राप्त कर रहा है।द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक प्रभाव यह तनाव, केवल तेल-सम्बंधित नहीं-भारत और यूएस के बीच व्यापार और विदेश नीति पर गहरा प्रभाव डाल रहा है, जिसमें कृषि और रक्षा संबंध शामिल हैं रेटिंग एजेंसीयों नेअनुमान लगाया कि रेसिपीरोकल टैरीफ? से भारत को .7-18 ?बिलियन वार्षिक नुकसान हो सकता है, और जीडीपी वृद्धि रेट में मामूली गिरावट (0.2पेटसेंट) आ सकती है जबकि तेल और ऊर्जा लागत में .11 ?बिलियन तक का इज़ाफ़ा हो सकता है।लेकिन भारत की नई उद्यमशील (स्टार्टअपस) और बुनियादी व्यापारिक भरोसा अभी भी मजबूत बना हुआ है- उन्होंने भविष्य के लिए भारत में निवेश यकीनी माना है। संयुक्त दृष्टिकोण- अमेरिका और ईयू-जहाँ खुद ब्लॉक को रूसी ऊर्जा आयात से दूर करने की योजना चल रही है-वह सीमित दायरे में भारत पर ही कठोर हैं। यह विश्व राजनीति में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर प्रश्न खड़े करता है।ऊर्जा नीति- भारत को ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्त्रोतों से तेल प्राप्त करना महत्त्वपूर्ण है, हालाँकि यूएस. से निर्यात बढ़ना एक अवसर है लेकिन वो रूस से प्राप्त सस्ते स्त्रोत की जगह तुरंत नहीं ले सकते। राजनीतिक संतुलन- ट्रंप प्रशासन का रुख, हालाँकि चाइना, पाकिस्तान को भी थोड़ा अलग तरीके से देखा-दिल्ली को मुश्किल चुनाव करना होगा- या ट्रंप की मांगों को स्वीकार किया जाए और रिश्तों को बनाए रखा जाए,या रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए आर्थिक- पॉलिटिकल रुख अपनाया जाए।

अत: अगर हम उपलब्ध पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ट्रंप की धमकी बनाम राष्ट्रीय हित सर्वोपरि,भारत फर्स्ट की नीति,भारत के लिए चुनौती- अमेरिका के आगे झुकना नहीं, संबंध तोड़ना नहीं, सम्मान को छोड़ना नहीं,अमेरिका व यूरोपीय यूनियन द्वारा रुस पर लगाए प्रतिबंधों के बावजूद प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष रूप से ऊर्जा खरीद रहे हैं तो भारत के साथ ऐसा बर्ताव क्यों?

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

उत्तराखंड तबाही : फितरती मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी

फितरती मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी विश्व विख्यात देवभूमि हिमाचल व उतराखंड में प्रकृति का तांडव ,एक त्रासदी है द्य उत्तराखंड व हिमाचल को पता नहीं किसकी नजर लगी है की यहां तबाही ही तबाही हो रही है द्य मात्र 34 सेकंड में प्रकृति ने धारली में पल भर में सब तहस नहस कर दिया दर्जनों लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग लापता हो गए हैंद्य धारली के पास हर्षिल में भी सेना का केम्प व हेलीपेड को भी नुकसान पहुंचा है सेना के 11 जवान लापता हैं द्य होटल भी बह गए द्य कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। कुछ साल पहले भी उतराखंड में प्रकृति का रौद्र तांडव , एक त्रासदी है। प्रलय में असमय व अकाल ही निर्दोष लोग मारे गए थे । कुछ बच गए थे कुछ लापता हो गए थे । प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता,प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है। मानव कृतध्न बनता जा रहा है। मानव ने स्वार्थो की पूर्ति के लिए प्रकृति को लहूलुहान किया है। आज प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। तबाही की इबारत लिख दी है । मानव का अहम मिटाकर रख दिया है। गलतफहमियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुकें है। अतीत में की गए कुकर्मो का पश्चाताप कर रहे है। प्रकृति ने मानव को समय-समय पर आगाह किया मगर इंटरनैट की दुनिया के जाल में फंसा मानव खुद को प्रकृति से ब?ा माने लगा था उसे यह आभास नहीं था कि प्रकृति सबसे ब?ी गुरु है। प्रकृति ने बहुत कुछ सहा है चारों तरफ गंदगी है वातावरण अशुद्ध हो गया है। वातवरण कि शुद्धि के लिए प्रकृति मजबूर हो गई और मगरुर हो चुके इंसान का गुरुर तो? कर रख दिया है। अनजाने में हुई भूल को माफ किया जा सकता है मगर जानबूझकर की गई गलतियों की सजा प्रकृति ने मानव को दे दी है। मानव को जीवन और मौत की परिभाषा सिखा दी है। यह प्रलय की आहट है। कुदरत ने भटक चुके मानव को पाप और पुण्य का अंतर समझा दिया है। प्रकृति का एक संदेश है भटक चुके व अहंकारी इंसान के लिए जो कुदरत से खिलवाड़ करता था। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी, छेड़छाड़ बंद करनी होगी। मानव को सबक सीखाती रहेगी। कुदरत का कहर बरपता रहेगा। यह प्रकृति का एक टरेलर ही है अगर अब भी मानव ने प्रकृति से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रकृति पूरी पिक्चर दिखएगी तब होश् आएगा वक्त अभी संभलने का है। अभी भी वक्त है प्रकृति से छेड़छाड़ मत कीजिये द्य बेहरम बरसात ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक बहुत तांडव किया और हजारों लोगों को लील लिया बाढ़,भूसखलन के हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं केरल के वायनाड मे भूस्खलन होने से 43 लोगों की मौत हो गई थी इस भूसखलन मे लगभग 400 लोग लापता हो गए थे यह बहुत ही त्रासदी थी द्य चार गाँव बह गए थे और पुल, सड़क, मकान बह गए हैं। एन डी आर एफ की टीमें जान जोखिम मे डाल कर लोगों का जीवन बचाती है द्यभारी बरसात के कारण यह हादसे होते है` सर्च ऑपरेशन व बचाव कार्य में भी काफी जोखिम होता हैं। हिमाचल में भी बहुत तबाही हुई गाँव के गाँव दब गए लाशें नहीं मिली बादल फटने से 46 लोग मारे गए चलती गाड़ी पर पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। प्रतिवर्ष बरसात मे ऐसे हादसे होते हैं और लोगों को जान गंवानी पड़ती है`प्रकृति की चेतावनी, सुधर जा मानव अभी सम्भलने वक्त है। प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने वाले मानव को प्रकृति ने आगाह किया है की सुधर जाओ नहीं तो तबाह कर दूंगी यह तो एक ट्रेलर है अभी पूरी पिक्चर बाकि है हिमाचल के किन्नौर से लेकर भरमोर तक तबाही ही तबाही हो रही है बरसात का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है प्रतिदिन पहाड़ दरक रहे हैं` बरसात ने सेकड़ों लोगों का जीवन लील लिया है कई बच्चे अनाथ हो गए माताएँ व बहनों का सिंदूर मिट गया यह बरसात इतने जख्म दे गई की जख्म तो भर जायेंगे पर निशान अमिट रहेंगे बरसात के कारण अब तक सेंकेड़ो लोग मारे जा चुके हैं जो बह गए अभी तक नहीं मिल सके हैं करोड़ो की सरकारी व निजी सम्पति बह गई लोगों की उम्र भर की कमाई खत्म हो गई लोगों को सड़को पर राते गुजारने पड़ रही है पल भर मे सब कुछ बह गया कारें व बसें भी बह गई,आलीशान घर पल भर मे बह गए सदियों पुराने पुल बह गए प्रकृति कभी भेदभाव नहीं करती लेकिन जब मानव ने प्रकृति का सीना छलनी कर दिया तो प्रकृति ने मानव को सबक सीखा दिया अवैध खनन के कारण नदियों व नालों का रास्ता बदल गया है लोगो ने नदियों के किनारे मकान बना दिए नतीजन अब भुगत रहे हैं। बरसात अपना रोद्र रूप इंसान को दिखा चुकी है भटक चुके मानव को उसकी औकात दिखा दी है मानव को भी छेड़छाड़ करना बंद कर देनी चाहिए पिछले साल 20 अगस्त को भी बहुत तबाही हुई थी मंडी के गोहर मे एक मकान के जमीदोज होने से आठ लोगो की मौत हो गई थी अगस्त मे लगातार मूसलाधार बारिस हो रही है सड़कें बह रही है पहाड़ मे बादल फट रहे हैं लोग असमय मारे जा रहे हैं अभी अगस्त माह बाकि है पता नहीं कुदरत क्या कहर ढाएगी प्रशांसन भी सक्रिय है लोगों को सुरक्षित जगह पर आश्रय दें रहा है लोगों को भी सतर्क रहना चाहिए नदियों का जलस्तर भी काफी हो चूका है लोग लापरवाही बरत रहे हैं और बह रहे हैं ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए मानव को पहाड़ो से छेड़छाड़ बंद करनी होंगी ताकि आने वाले समय मे ऐसे हादसे ष्ट क सके वक्त अभी सभलने का है। अगर अब भी सबक नहीं सीखा तो ऐसी तबाही लगातर होती रहेगी मानव को चाहिए की अब ऐसी भूल मत करें नहीं तो कुदरत नामोनिशान मिटा देगी गत बीते वर्ष रविवार को सुबह साढे दस बजे राज्य के चमोली जिला के तपोवन में ग्लेशियर टूटकर ऋषिगंगा नदी में गिरा और तबाही का मंजर पल भर में लोगों को लील गया। ऋषिगंगा नदी के किनारे रैणी गांव में ऋषिगंगा पावर प्रोजेक्ट तहस नहस हो गया और दर्जनों लोगों की लील गया था । 16 लोगों को एडीआरएफ ने बचा लिया था । 204 लोग लापता हो गए थे और 34 शव बरामद कर लिए थे यह बहुत ही त्रासदी है। पल भर में लोग बह गए थे और लापता हो गए थे । चमोली में लापता लोगां की तलाश के लिए अब जियोग्राफीकल स्कैनिंग की गई थी । प्रकृति समय-समय पर आगाह करती रहती है मगर फितरती हो चुका मानव खुद को समझकार समझता है मगर प्रकृति ने एक छोटे से झटके से उसको औकात दिख दी है। सरकारो ने मुआवजे की घोषणा कर दी है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है। प्रकृति से खेलना बंद करना होगा। यह प्रलय निरंतर होते रहेगें। बीते साल 2024 में अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में तबाही मचा दी थी । 80 लोग अकाल बेमौत मारे गए थे। लाखों लोग बेघर हो गए थे । पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इलाके जल्मगन हो गए थे। देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र जिदंगियां लीलता है। लाखों-हजारों लोग मारे जाते है। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय-समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागष्ठ क किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है। देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदीयां हो रही है। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। अक्तूबर 1999 में भी उड़ीसा में तूफान ने काफी तबाही मचाई थी। प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए थें। बच्चे अनाथ हो थे लाशे मलवे में दफन हो थी। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचा सके ।

अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए। अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय -समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है।

-नरेंद्र भारती

भारत में कृषि क्रांति तेज गति से जारी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, निरंतर सुधारों और किसान-केंद्रित पहलों के कारण कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है और देश ने धान, गेहूं, मक्का, मूंगफली और सोयाबीन का रिकॉर्ड उत्पादन किया है। कृषि वर्ष 2024-25 के लिए प्रमुख कृषि फसल उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, वर्ष 2024-25 में कुल खाद्यान्न उत्पादन 353.96 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो अब तक का सबसे अधिक खाद्यान्न उत्पादन होगा और वर्ष 2014-15 (252.02 मिलियन टन) की तुलना में यह 40 प्रतिशत अधिक रहेगा। 1960 के दशक से पहले की जनता और खाद्य असुरक्षा को पीछे छोड़ते हुए आज भारतीय कृषि खाद्य अधिशेष प्राप्त करने की स्थिति में आ गयी है, जिससे माल्थस की यह धारणा गलत साबित होती है कि जनसंख्या वृद्धि, खाद्य उत्पादन की तुलना में अधिक हो जाएगी। 1967 में, विलियम और पॉल पैडॉक ने भारत में अकाल की भविष्यवाणी की थी। उनका दावा था कि देश अपनी बढ़ती आबादी का पेट नहीं भर पाएगा। उन्होंने खाद्य सहायता के खिलाफ विवादास्पद तर्क दिया था, क्योंकि उन्हें डर था कि इससे भविष्य में भुखमरी और बढ़ेगी। उच्च उपज वाले चावल और गेहूं की किस्मों, कृषि रसायनों और सिंचाई से संचालित हरित क्रांति ने पैडॉक की भविष्यवाणी को गलत साबित कर दिया। भारत का खाद्यान्न उत्पादन 1966-67 के 74 मिलियन टन से बढ़ाकर 1979-80 तक 130 मिलियन टन हो गया। वार्षिक वृद्धि 8.1 मिलियन टन (2014-2025) के शिखर-बिंदु को छूते हुए 354 मिलियन टन तक पहुंच गई। बागवानी फसलें भी 1960 के दशक के 40 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 334 मिलियन टन हो गई, जिसमें हाल ही में 7.5 मिलियन टन की वार्षिक वृद्धि हुई है। विपरीत परिस्थितियों को सहन करने में सक्षम किस्मों और अनुकूल कृषि पद्धतियों में प्रगति के कारण फसल उत्पादन में भी अधिक स्थिरता आयी है। भारत के डेयरी, मुर्गीपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 1970 के दशक में शुरू हुई श्वेत क्रांति ने दूध उत्पादन को 20 मिलियन टन से बढ़ाकर 2023-24 तक 239 मिलियन टन कर दिया, जो पूरे यूरोप के बराबर है। 1980 के दशक की नीली क्रांति ने मछली उत्पादन को 2.4 मिलियन टन से बढ़ाकर 2024-25 तक 19.5 मिलियन टन कर दिया, जिससे भारत दूसरा सबसे बड़ा समुद्री खाद्य उत्पादक और निर्यातक बन गया। मुर्गीपालन, घरेलू गतिविधि से आगे बढ़कर एक उद्योग के रूप में विकसित हुआ, जिसमें अंडों का उत्पादन 10 बिलियन से बढ़कर 143 बिलियन हो गया और इसी अवधि में मुर्गी के मांस का उत्पादन 113 हजार टन से बढ़कर 5,019 हजार टन हो गया। 2014-15 और 2023-24 के बीच, पशु-स्त्रोत से प्राप्त खाद्य के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई- दूध में सालाना 10.2 मिलियन टन, अंडों में 6.8 बिलियन इकाई, ब्रॉयलर मांस में 217 हजार टन और मछली (मुख्य रूप से जलीय कृषि) में 0.78 मिलियन टन की वृद्धि हुई। प्रजनन, संसाधन प्रबंधन और कुशल जनशक्ति में तकनीकी प्रगति ने इस तेज वृद्धि को गति दी है। फल, सब्जि़यां और पशु उत्पाद जैसे उच्च-मूल्य वाले खाद्य पदार्थ अब खाद्यान्न वृद्धि से आगे निकल रहे हैं, जो कृषि विविधीकरण, बेहतर पोषण, किसानों की आय और जलवायु विषम परिस्थितियों के प्रति सहनीयता में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। भारत की खाद्य उत्पादन सफलता पोषण, किसानों की आय, जलवायु की विषम परिस्थितियों के प्रति सहनीयता और निर्यात को बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी व नीति की परिवर्तनकारी भूमिका को दर्शाती है। आईसीएआर के शोध से पता चलता है कि कृषि में निवेश पर उच्च आय प्राप्त होती है- अनुसंधान और विस्तार पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये पर क्रमश: 13.85 रुपये और 7.40 रुपये। पीएमकेएसवाई (सिंचाई), पीएम-किसान (प्रत्यक्ष किसान सहायता), राष्ट्रीय पशुधन मिशन और नीली क्रांति जैसी हाल की सरकारी पहलों ने संसाधनों के उपयोग को बढ़ाकर, जोखिमों को कम करके और कृषि-खाद्य प्रणाली में प्रौद्योगिकी अपनाने को प्रोत्साहन देकर कृषि विकास को और मजबूती दी है। 2047 तक, भारत ने विकसित राष्ट बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है, इसलिए इसकी अर्थव्यवस्था को सालाना 7.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि करनी होगी। अनुमान है कि 2047 तक देश की जनसंख्या 1.6 अरब हो जायेगी- जिसमें से आधी आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी। इस बदलाव से खाद्यान्न की कुल मांग दोगुनी हो जाएगी, फलों, सब्जियों और पशु-आधारित खाद्य पदार्थों की मांग तिगुनी होने की उम्मीद है, जबकि अनाज की मांग स्थिर रहेगी, जिससे अधिशेष की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, बढ़ते शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण कृषि भूमि 180 मिलियन हेक्टेयर से घटकर 176 मिलियन हेक्टेयर और औसत भूमि जोत 1 से घटकर 0.6 हेक्टेयर रह जाएगी। इससे जल और कृषि रसायनों पर दबाव बढ़ेगा, जिससे संसाधनों का क्षरण होने का खतरा होगा। जलवायु परिवर्तन और भी बड़ा जोखिम है, जो स्थायी कृषि और ग्रामीण आजीविका को खतरे में डालता है। भारत की उभरती कृषि-खाद्य चुनौतियां, उत्पादन-रणनीतियों में बदलाव की मांग करती हैं। प्रतिवर्ष 20 मिलियन टन चावल, जिसकी खेती में अधिक मात्रा में जल की जरूरत होती है, के निर्यात के बावजूद, भूजल की सतत उपलब्धता खतरे में है। इस बीच, भारत खाद्य तेलों और दालों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, किसानों के हितों की रक्षा करने और संसाधनों के संरक्षण के लिए, फसल नियोजन में स्थायी कृषि पद्धतियों के साथ-साथ तिलहन और दलहन जैसी जल-कुशल फसलों को प्राथमिकता देनी चाहिए। विभिन्न बाधाओं के कारण कृषि कार्य में उपयोग न की जाने वाली 12 मिलियन हेक्टेयर चावल-परती भूमि पर भारत दलहन और तिलहन की खेती का विस्तार कर सकता है। हालांकि, कम पैदावार- तिलहन में 18-40 प्रतिशत और दलहन में 31-37 प्रतिशत का अंतर - तकनीकी उन्नयन की आवश्यकता को रेखांकित करता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) 728 जिलों में 1.35 करोड़ किसानों तक पहुंचा, किसान-वैज्ञानिक प्रत्यक्ष बातचीत के माध्यम से बेहतर कार्यप्रणालियों को बढ़ावा मिला। उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात को कम करने के लिए, सरकार ने मिशन-मोड में कई योजनाएं भी शुरू की हैं, जो तिलहन, दलहन और कपास के उच्च उपज वाले बीजों पर केंद्रित हैं। कृषि अनुसंधान में लागत कम करने और जोखिमों का प्रबंधन करते हुए उत्पादकता, सहनीयता और संसाधन दक्षता को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। समय पर जानकारी की बढ़ती मांग के साथ, एआई और डेटा विश्लेषण जैसे आधुनिक उपकरण वैश्विक कृषि अनुसंधान में बदलाव ला रहे हैं।

-केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार
-शिवराज सिंह चौहान

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। उठाव अटकने से गुरूवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में उठाव ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना 6540 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत देखा गया। मूंग व मसूर में भाव बने रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार 4250-4300 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत बनी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4250-4300, खोपरा गोला 330-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1330-1360, मुम्बई 1375, राजकोट तेलिया 2145-2150, सोया साल्वेंट 1150-1160, सोया रिफाइंड 1215-1225, कपास्या 1300-1310, धूलिया 1310-1330, कड़ी 1320,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1335, मुम्बई पाम 1210, मुम्बई सोया 1250,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4700-4750, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6400-6450, एवरेज 5800-5900, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रर्शा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6200-6250, एवरेज 6100-6150, मूंग देशी 7500-7600, पाला 7600-7700, चमकी 7700-7800, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज कम ही रहा। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश सुर्ख रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 115500, चाँदी (99) 115400, टंच 114800, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 100200,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 24 पैसे बढ़कर 87.47 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने के बाद गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे बढ़कर 87.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि ट्रंप के इस आक्रामक कदम से चुनिंदा भारतीय निर्यातों पर प्रभाव पड़ेगा। ये अतिरिक्त शुल्क 21 दिनों में लागू होगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.69 पर खुला और फिर 87.67 के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे अधिक है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने अनुभवों का लाभ उठाएंगे। आपको कोई पुरस्कार मिलने की संभावना है। आप अपने बॉस से दी गई जिम्मेदारी में ढील बिल्कुल ना दें, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्तों में कड़वाहट आने की संभावना है। कोई पुराना रोग उभर सकता है, जो आपका टेंशन देगा। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी।

वृषभ- आज आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। मित्रों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप किसी वाहन की खरीदारी की योजना बनाएंगे। आपको जीवनसाथी से किसी वाद-विवाद में पड़ने से बचना होगा, नहीं तो उससे आपके रिश्तों में कड़वाहट बढ़ेगी। व्यापार में अच्छा उछाल आएगा। प्रेम संबंधों में आपका विश्वास भी मजबूत रहेगा, तो आप कहीं घूमने फिरने की योजना बना सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए अध्यात्म के कार्यों से जुडकर नाम कमाने के लिए रहेगा। जल्दबाजी में कोई काम करना आपको नुकसान देगा। आप किसी की सीख और सलाह पर आगे ना बढ़ें। यदि आपने कोई जोखिम लिया, तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा होगा। आप अपने डेली रूटीन को बेहतर बनाने की कोशिश करें। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। किसी सरकारी योजना का आपको पूरा लाभ मिलेगा और आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। परिवार के सदस्यों में यदि दूरी आ गई थी, तो वह भी दूर होगी। आज आप किसी से कटु वचन ना बोले और यदि कोई लेनदेन करें, तो बहुत ही देखभाल कर करें। किसी सरकारी योजना का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे। आप किसी यात्रा पर जाएं, तो अपने सामानों की सुरक्षा आवश्यक करें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप किसी से प्रलोभन में ना आए और आप अपने सहयोगियों का भरोसा जीतने में कामयाब रहेंगे। राजनीति में किसी से तर्क वितर्क मे पड़ने से बचना होगा, क्योंकि वह आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकते हैं। आप अपने कामों को धैर्य रखकर निपटाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कला और कौशल में सुधार लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अपने बॉस की आंखों का तारा बनेंगे। आपको कोई पुरस्कार भी मिल सकता है। राजनीति में कार्यरत लोगों के जन समर्थन में इजाफा होगा। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है। आप किसी नए प्रॉपर्टी की डील को फाइनल करने की कोशिश करेंगे, जिसके लिए आप कोई लोन भी अप्लाई कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम रखें और जल्दबाजी में कोई निर्णय न ले। आपको अपने बॉस की बातों को नजरअंदाज करने से बचना होगा। माता जी की सेहत में गिरावट आने से भाग दौड़ अधिक रहेगी। आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा। आप अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सूझ बूझ दिखाकर काम करने के लिए रहेगा। आप कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाएंगे, लेकिन आप किसी पर आंख मूंदकर भरोसा ना करें। बिजनेस को लेकर आपको किसी के साथ पार्टनरशिप करनी पड सकती है, जिससे आपका व्यवसाय काफी आगे तक चलेगा। आप अपनी संतान को किसी परीक्षा की तैयारी करा सकते हैं। आपको अपने लक्ष्य को त्यागकर आगे बढ़ना होगा। आप कोई महत्वपूर्ण जानकारी जुटाने की पूरी कोशिश करेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपनी सुख-सुविधाओं पर पूरा जोर देंगे और घर पर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप सभी का भरोसा जीतने की पूरी कोशिश करेंगे। जनकल्याण के कार्यों पर आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको किसी धार्मिक यात्रा पर भी जाने का मौका मिल सकता है। जीवनसाथी पर आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। आप संतान को संस्कारों और परंपराओं का पाठ पढ़ाएंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यो से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। विभिन्न कार्य में आपकी काफी रुचि रहेगी और आपके साहस व पराक्रम में वृद्धि होगी। जीवन स्तर में सुधार आएगा। दांपत्य जीवन में खुशहाली रहेगी और आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई काम मिल सकता है। राजनीति में कार्यरत लोगों को अपने आसपास रह रहे विरोधियों से थोड़ा सावधान रहना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आपके सहयोगी आपसे नाराज हो सकते हैं। आप दिखावे के चक्कर में ना पड़ें, नहीं तो इससे आपका अच्छा खासा खर्चा होगा। दान-धर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आप किसी यात्रा पर जाने के लिए सोच विचार कर सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए आय में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा, क्योंकि आपको बिजनेस में भी अच्छी सफलता मिलने की संभावना है और आपकी कुछ डील फाइनल होगी। परिवार में भी किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती है।

शब्दजाल - 7984

शब्द जाल में 'द' से शुरु होनेवाले 10 शब्द ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

अ ज ग र द शा व ता र क
दा वि ल ग श जी ग द इ ली
द स्ता ना ल र छ ची द रा स्त क
री ज र दो थ ज न ह न र क
क खु द भा लू लं का न ग ख्वा क
जी द श ल य ख्र पू ना हि न को
ती लो क झ ब प र श र द
क र्ज ल्ता ई धा द क गो लो श र्श
ने बा म न्न ह्रा हे लू री श प नी
तें दु आ प व ज र्त ऐ बें हा य
क द स्ता वे ज ल गा य द प थ

दशावतार, दहेज, दशक, दस्ताना, दहन, दस्तावेज, दशरथ, दर्शनीय, दलबदलू, दस्तरख्वान

शब्दजाल - 7983 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6928

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6927

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8452

बाएँ से दाएँ

1. सावधान, सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन, प्रतिज्ञा-2
6. हत्या, मर्डर-2
8. तब तक, अवधि में-4
10. चरित्र, स्वभाव-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. पराक्रम-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा, आजादी-3
17. तट, किनारा-3
19. ईश्वर, भगवान -4
21. अधीन, काबू-2
23. नवीन, नवजात-2
24. लेखनी, पेन-3
25. लाईन, रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, सदैव-2
2. विष, जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया, नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती, उछलकूद-3
8. स्वभाव, आदत-4
9. नुकसान, घाटा-2
11. कपोल, गाल-4
15. शान्ति, सन्नाटा-3
16. ताकत, दम, बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा, वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम, संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8451 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.15 बजे से
चंद्र	मकर में	कन्या	08.27 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.38 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.53 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.09 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.14 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.00 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.33 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.04 बजे से
		वृष	23.44 बजे से
		मिथुन	01.42 बजे से
		कर्क	03.55 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 220 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** चतुर्दशी 14.13 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 14.28 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 05.39 बजे तदनन्तर आयुष्मान 04.09 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 14.13 बजे तदनन्तर विष्टि 01.53 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 16° 07' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872430 **जूलियन दिन** 2460895.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 13 **विशेष** वरलक्ष्मी व्रत, हयग्रीव जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः स्वप्न का संदेश

एक संत की साधना और भक्तिमय जीवन की बड़ी ख्याति थी। एक रात उन्होंने स्वप्न देखा कि उनकी मृत्यु हो चुकी है और वह एक देवदूत के सामने खड़े हैं। देवदूत सब मृत लोगों से उनके कर्मों का ब्योरा मांग रहा था। काफी देर बाद जब उनकी बारी आई, तो देवदूत ने उनसे पूछा, 'आप बताएं, आपने जीवन में क्या अच्छे कार्य किए जिनका आपको पुण्य मिला हो?' संत सोचने लगे- मेरा तो सारा जीवन ही पुण्य कार्यों में व्यतीत हुआ है, मै कौन सा एक काम बताऊं। वह बोले, 'मैं पांच बार तीर्थयात्रा कर चुका हूं।' देवदूत बोला, 'आपने तीर्थयात्राएं तो कीं, लेकिन आप अपने इस कार्य की चर्चा हर व्यक्ति से करते रहे। इसके कारण आपके सारे पुण्य नष्ट हो गए।' संत को भारी ग्लानि हुई। फिर कुछ हिम्मत कर उन्होंने कहा, 'मैं प्रतिदिन भगवान का ध्यान और उनके नाम का स्मरण करता था।' देवदूत ने कहा, 'जब आप ध्यान करते और कोई दूसरा व्यक्ति वहां आता, तो आप कुछ अधिक समय तक जप-ध्यान में बैठते थे। चलिए कोई और पुण्य कार्य बताइए।' संत को लगा कि उनकी अब तक की सारी तपस्या बेकार चली गई। उनकी आंखों से पश्चाताप के आंसू बह निकले। इतने में उनकी नींद खुल गई। वह स्वप्न का संदेश समझ गए। वह समझ गए कि उन्हें अपनी साधना पर गर्व हो गया था। वे अपने त्यागमय जीवन के बदले दूसरों से कुछ अपेक्षाएं रखने लगे थे। उस दिन से उन्होंने स्वयं को बदलने का फैसला किया और सहज होकर साधना करने लगे।

सूडोकु नवताल- 7237

★★★ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के खाने में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7236 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	5	2
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। बाजार पर अमेरिका की डोनाल्ट ट्रंप सरकार के 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भी कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 79.27 अंक बढ़कर 80,623.26 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में 21.95 अंक ऊपर आकर 24,596 पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार वीकली एक्सपायरी के बीच घरेलू शेयर बाज़ारों ने दिन के निचले स्तरों से तेज़ी से रिकवरी की जिससे बाजार में ये बढ़त रही। अमेरिकी टैरिफ़ में भारी बढ़ोतरी के बाद व्यापक बिकवाली ने शुरुआत में कारोबार पर दबाव बनाया था पर ट्रम्प की रुस और यूक्रेन से संभावित शांति वार्ता की खबरों से व्यापार पर बाजार की धारणा मजबूत हुई । इससे ऑटो, फार्मा, मेटल और एनर्जी क्षेत्रों में मज़बूत आई। जिससे बाजार शुरुआत नुकसान से उबर पाया। आज सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 2 फीसदी से अधिक बढ़कर बंद हुए। वहीं एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, मारुति, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस के शेयर ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर अदाणी पोर्ट्स 1.55 फीसदी गिरकर बंद हुआ। इसके अलावा ट्रेंट, टाटा मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा सेक्टोरल मोर्चे पर निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.87 फीसदी चढ़कर बंद हुआ। निफ्टी फार्मा में 0.75 फीसदी की बढ़त देखी गई। इसके अलावा निफ्टी ऑटो इंडेक्स 0.25 फीसदी की बढ़त रही। 16 में से 14 सेक्टर लाभ में रहे। निफ्टी रियल्टी और तेल एवं गैस में क्रमश: 0.13 फीसदी और 0.19 फीसदी की गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार आज सुबह गिरावट के साथ खुले। सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 230 अंक की गिरावट के साथ 80,313 और निफ्टी 73 अंक की कमजोरी के साथ 24,501 पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार में व्यापक स्तर पर बिकवाली का दबाव देखा जा रहा है। शुरुआती कारोबार में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1,671 शेयर लाल निशान में, 548 शेयर हरे निशान में और 83 शेयरों में बिना किसी बदलाव के कारोबार हो रहा था। गिरावट का अधिक दबाव ऑटो और एनर्जी शेयरों में देखा जा रहा है। दोनों ही इंडेक्स 0.50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। ट्रंप की ओर से भारतीय निर्यात पर टैरिफ को बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया है, जो कि पहले 25 प्रतिशत था।

भारत-अमेरिका ट्रेड वार्ता में नए मोड़, ट्रंप की कड़ी शर्तें चुनौती

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ ट्रेड डील को लेकर अपनी कड़ी शर्तें रखीं हैं, जिससे वार्ता में बाधा आ रही है। ट्रंप की सोच यह है कि भारत उनकी शर्तों पर राजी हो जाएगा, लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। ट्रंप ने विश्व भर के लिए 'बुली अंकल सैम' बनने की कोशिश की है, यानी प्रेशर टेक्निक के माध्यम से अपनी मंशा थोपने की नीति अपनाई है। हालांकि, उन्होंने चीन को अब तक नहीं झुका पाया है, जो यह दर्शाता है कि उनकी रणनीति हर देश पर प्रभावी नहीं हो रही। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर वार्ता जारी है, लेकिन अमेरिका की सख्त मांगों के कारण कोई ठोस परिणाम नहीं निकल पाया है। ट्रंप ने भारत को 50 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाने के लिए 21 दिनों का समय दिया है, जिससे साफ है कि वह वार्ता के लिए गंभीर हैं। यह दौर पूरी तरह ट्रेड डिप्लोमेसी पर निर्भर करेगा कि भारत अपने हितों की रक्षा कैसे करता है। भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने आंतरिक बाजार को मजबूत करे और घरेलू उत्पादों को बढ़ावा दे ताकि अमेरिका की दबावपूर्ण नीतियों का सामना कर सके। भारत को ट्रंप जैसी रणनीतियों का सामना करते हुए न केवल अपने व्यापारिक हितों को सुरक्षित रखना होगा, बल्कि वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति भी मजबूत करनी होगी। आने वाले दिनों में यह देखना होगा कि भारत अमेरिका के दबावों को कैसे पार करता है और अपनी आर्थिक नीति को किस दिशा में ले जाता है।

क्या ट्रंप का टैरिफ वार..भारत और चीन को करीब आने पर कर रहा मजबूर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए चीन दौरे पर जा रहे हैं। उनकी यह यात्रा वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए जापान की यात्रा के साथ होगी। यदि यह यात्रा होती है, तब यह 2018 के बाद और पूर्वी लद्दाख सीमा गतिरोध के बाद पीएम मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने अक्टूबर 2024 में कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। शंघाई को ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन 10 देशों का यूरेशियन सुरक्षा और राजनीतिक समूह है। चीन, रूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस इसके सदस्य हैं। अक्टूबर 2024 की बैठक के दौरान पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति से कहा था कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना उनकी प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, 卐यह पांच वर्षों के बाद हमारी पहली औपचारिक बैठक है। हम सीमा पर हुए समझौतों का स्वागत करते हैं। मुझे विश्वास है कि हम खुले दिल से बातचीत करे और हमारी चर्चाएं रचनात्मक होंगी। इस बीच जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन के लिए अधिक संवाद और सहयोग करना मतभेदों और असहमतियों को उचित ढंग से संभालना महत्वपूर्ण है।

जून में बनी थी वार्ता के लिए सहमति

इस वर्ष जून माह के प्रारंभ में, भारत और चीन ने ट्रेड और आर्थिक के क्षेत्र में चिंता के विशिष्ट मुद्दों को हल करने के लिए वार्ता करने पर सहमति जाहिर की थी। क्योंकि वे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के लद्दाख क्षेत्र में सैन्य गतिरोध की समाप्ति के बाद द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्माण करने के लिए काम कर रहे थे।

जबलपुर रायपुर इन्टर सिटी एक्सप्रेस का आमगांव में स्टापेज हो- क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने की मांग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। भारत सरकार रेल्वे मंत्रालय के द्वारा बीते 3 अगस्त को बालाघाट एवं गोंदिया जिले से दो नई ट्रेनों की सौगात दी गई है जो कि एक रीवा बालाघाट गोंदिया पुणे एक्सप्रेस एवं एक जबलपुर रायपुर इन्टरसिटी एक्सप्रेस यह दोनों ही ट्रेनें प्रारंभ होने निश्चित रूप से बालाघाट और गोंदिया जिले की जनता को खासा लाभ प्राप्त होगा। लेकिन इनमें से एक ट्रेन जबलपुर रायपुर इन्टर सिटी एक्सप्रेस है जो कि बालाघाट गोंदिया आमगांव होते हुये रायपुर पंहुचेंगी। इसी ट्रेन को लेकर आमगांव एवं लांजी क्षेत्र की जनता ने कहा कि इस ट्रेन का स्टॉपेज आमगांव रेल्वे स्टेशन में होना चाहिये क्योंकि आमगावं एवं लांजी दोनो ही बड़ी विधानसभा क्षेत्र है जहां से लाखों लोग जबलपुर एवं रायपुर आते जाते है ऐसे में उक्त ट्रेन का स्टॉपेज आमगांव में ना हो ना समझ से परे है। इस विषय को महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश के जनप्रतिनिधियों ने अपनी अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है।

जनरल मैनेजर को लिखा पत्र- सासंद किरसान

इस संबध में जब महाराष्ट्र के गढचिरोली आमगांव संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ नामदेवराव किरसान से चर्चा की गई तो आपने कहा कि मुझे ऐसा लगा कि जबलपुर रायपुर इन्टरसिटी एक्सप्रेस का स्टॉप आमगांव में अवश्य होगा। चूकी नही है जैसे ही ज्ञात हुआ मेरे द्वारा विभाग के जनरल मैनेजर को पत्र लिखा गया है कि उक्त ट्रेन का स्टॉप आमगांव में किया जाये। जिससे हमारे क्षेत्र के लोगो को सुविधायें मिलेगी।

आमगांव में आवश्यक रूप से हो जबलपुर रायपुर इन्टरसिटी एक्सप्रेस का स्टॉप- रमेश भटेरे

जबलपुर रायपुर इन्टर सिटी एक्सप्रेस के आमगांव स्टेशन में स्टॉप को लेकर पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने कहा कि लांजी विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में यात्रीगण जबलपुर एवं रायपुर जाते है। विद्यार्थियों का परीक्षा हेतु आवगमन होता है, शासकीय तौर पर संभाग कार्यालय में बहुतायात कार्य होते है। हमारा हाईकोर्ट जबलपुर में स्थापित है जहां भी रोजाना लोगो का पेशी निमित्त् आना जाना लगा रहता है। इसके अलावा हमारा क्षेत्र सबसे अधिक महाराष्ट्र और छत्तीसगढ से जुडा हुआ है जहां भी रोजाना यात्रीयों को आवागमन है इस बात को गंभीरता से लेते हुये उक्त ट्रेन का आमगाव रेत्वे स्टेशन में स्टॉप होना चाहिये। हम वरिष्ठ नेतृत्व से इस विषय में चर्चा जरूर करेंगे और यह मांग रहेगी की जल्द से जल्द आमगांव में स्टॉप हो।

यह जायज मांग है केन्द्रीय नेतृत्व से करेंगे चर्चा- राजकुमार कर्राहे

लांजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि जलबपुर रायपुर इन्टरसिटी एक्सप्रेस का आमगांव में स्टॉप की मांग बिल्कुल जायज है। आज हमारे क्षेत्र के हजारो लोगो, विद्यार्थीयों का जबलपुर आवागमन होता है ऐसे में आमगांव स्टेशन से गजरुने वाली यह पहली ट्रेन है जो कि जबलुपर जा रही है। हमारे क्षेत्र के लोगो को बालाघाट जाकर बस या ट्रेन के माध्यम से जबलपुर जाना होता था अब जब आमगांव स्टेशन से यह ट्रेन गुजर रही है तो लांजी क्षेत्र वासियों को सहुलियत होती आर्थिक रूप से भी बचत होगी। मेरे द्वारा सांसद महादेया से इस विषय में चर्चा की गई है कि आमगांव में इन्टरसिटी का स्टॉपेज हो और उन्होने इस विषाय पर रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी से चर्चा भी कि है उन्होने आश्वस्त किया है कि जल्द ही आमगांव स्टेशन में इन्टरसिटी का स्टॉप होगा।

हम आमगांव में इन्टरसिटी एक्सप्रेस के स्टॉप की मांग करेंगे- कोरोटे

आमगांव स्टेशन में इन्टरसिटी के स्टॉप को लेकर आमगांव देवरी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सहसराम कोरोटे ने कहा कि आमगांव और लांजी एक बडा क्षेत्र है जहां से बहुतायत लोग जबलपुर रायपुर जाते है और यह पहली ट्रेन है जो कि जबलपुर रायपुर के मध्य चल रही है। ऐसे में इसका स्टॉप आमगांव में असश्य होना चाहिये। हम इस विषय की मांग करेंगे की जल्द से जल्द आमगांव रेल्वे स्टेशन पर इन्टरसिटी का स्टॉप हो ताकि दोनो ही क्षेत्र की जनता को इसका सीधा लाभ मिल सके। इस विषय को लेकर हम कड़ी मांग करेंगे। यह जायज मांग है आवश्यक रूप से उक्त ट्रेन आमगांव में रूकनी चाहिये।

हम पुरा प्रयास करेंगे की आमगांव में इन्टरसिटी का स्टॉप हो- हिना कावरे

मध्यप्रदेश शासन की पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष एवं लांजी किरनापुर क्षेत्र की पूर्व विधायक हिना कावरे ने कहा कि जैसे ही मुझे ज्ञात हुआ कि जबलपुर रायपुर इन्टरसिटी एक्सप्रेस प्रारंभ हो गई है तथा उसका स्टॉप आमगांव नही यह हमारे क्षेत्र की जनता के साथ नाइंसाफी है। एक बड़ा कुनबा जबलपुर रायपुर के लिये आवागमन लांजी क्षेत्र से करता है। ऐसे में लांजी को अछुता रखना सही नही है। मै इस विषय को लेकर दिल्ली जांऊगी और अपने वरिष्ठ नेताओ के समक्ष उक्त विषय को रखकर रेल मंत्री से भी मुलाकात कर इस इन्टरसिटी एक्सप्रेस के आमगांव में स्टॉप देने के लिये पुरी कोशिश की जावेगी।

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में थाना प्रभारी की उपस्थिति में किया वृक्षारोपण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लांजी में 7 अगस्त को विश्व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में थाना प्रभारी बीभेन्दु व्यंकट टांडिया जी उपस्थित रहे, जिनके करकमलों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। यह आयोजन पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और भावी पीढ़ी को हरियाली का महत्व समझाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के व्यवस्थापक विजय कुमार रामटेककर, खंड कार्यवाह योगेन्द्र दहीकर, कोषाध्यक्ष छबिलाल मरठे, प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी, आरक्षक दीपक यादव, चेतन सोनी, समस्त आचार्य-आचार्या, दीदी, भैया-बहनें, विभिन्न परिषदों के सदस्य और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पाम के पौधे रोपे गए। मुख्य अतिथि बीभेन्दु व्यंकट टांडिया जी ने पौधारोपण के पश्चात विद्यार्थियों से परिचय प्राप्त किया और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ﾒवृक्ष हमारे सच्चे मित्र हैं, जो हमें न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण को संतुलित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आज का यह प्रयास न केवल हरियाली को बढ़ावा देगा, बल्कि भावी पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाएगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि आज व्यस्तता के कारण वे अधिक समय नहीं दे पाए, लेकिन जल्द ही पुन: विद्यालय में आएंगे और विद्यार्थियों के साथ विस्तार से चर्चा करेंगे। विद्यालय के प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने अपने स्वागत भाषण में कहा, सरस्वती शिशु मंदिर न केवल शिक्षा और संस्कारों का केंद्र है, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों को भी निभाने में अग्रणी है। आज का यह वृक्षारोपण कार्यक्रम हमारी उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें हम अपने विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाने का प्रयास करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के आचार्य त्र्यंबक भगत, सदरूलाल बोहने और श्रीमती मंगला कटरे दीदी का विशेष योगदान रहा। इनके नेतृत्व में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण में भाग लिया और पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। विद्यालय के व्यवस्थापक विजय रामटेककर ने सभी उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

रक्षाबंधन पर्व पर सजी राखी और नारियल की दुकानें

उत्साह के साथ महंगाई की मार

झलांजी (पद्मेश न्यूज)। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व, जो श्रावणी पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है, इस वर्ष 9 अगस्त 2025 को लांजी नगर और आसपास के क्षेत्रों में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। यह पवित्र पर्व बहनों द्वारा अपने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधने और उनकी लंबी उम्र व समृद्धि की कामना करने का विशेष अवसर होता है। इस दौरान बहनें भाइयों को नारियल (श्रीफल) भेंट करती हैं, जो मंगल कामना का प्रतीक माना जाता है। रक्षाबंधन के इस पावन अवसर पर लांजी के बाजार रंग-बिरंगी राखियों और नारियल की सजी दुकानों से गुलजार हो उठे हैं। हालांकि, इस उत्साह के बीच महंगाई की मार भी लोगों को प्रभावित कर रही है, खासकर नारियल की कीमतों में उछाल ने आम जनता और छोटे व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है।

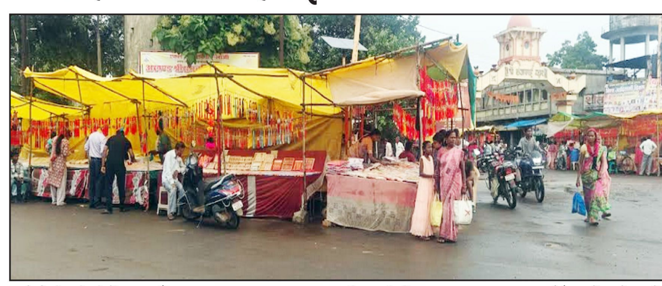

बाजारों में राखियों की बहार

रक्षाबंधन के आगमन के साथ ही लांजी के मुख्य बस स्टैंड चौराहे और आसपास के बाजारों में राखियों और नारियल की अस्थायी दुकानें सज गई हैं। इन दुकानों पर 5 रुपये की साधारण राखियों से लेकर 200 रुपये तक की हाईटेक और डिजाइनर राखियां उपलब्ध हैं। कुछ बड़ी दुकानों पर चांदी और अन्य कीमती धातुओं से बनी ज्वेलरी राखियां भी ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं, जिनकी कीमतें हजारों रुपये तक पहुंच रही हैं। इन राखियों में आधुनिक डिजाइनों के साथ पारंपरिक शैली का भी समावेश देखने को मिल रहा है, जो हर आयु वर्ग की बहनों को पसंद आ रही हैं। इसके अलावा, बाजार में बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर और सुपरहीरो थीम वाली राखियां भी खूब बिक रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस बार राखियों की मांग में पिछले साल की तुलना में अच्छा इजाफा देखने को मिल रहा है, क्योंकि शनिवार को पर्व होने के कारण लोग पहले से ही खरीदारी में जुट गए हैं।

नारियल की कीमतों में उछाल, आम जनता परेशान

रक्षाबंधन और अन्य धार्मिक पर्वों के दौरान नारियल का विशेष महत्व होता है। सनातन धर्म में देवशयनी एकादशी से देव उठनी एकादशी तक लगातार चलने वाले तीज-त्योहारों जैसे रक्षाबंधन, भाईदूज, जन्माष्टमी, हरितालिका, और श्री गणेश चतुर्थी में नारियल का उपयोग अनिवार्य माना जाता है। इस कारण बाजार में नारियल की मांग अचानक बढ़ गई है, जिसके चलते इसकी कीमतें आसमान छू रही हैं। लांजी के बाजारों में एक अच्छे नारियल की कीमत 30 रुपये से लेकर 50 रुपये तक पहुंच गई है। यह मूल्य वृद्धि खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया, हर साल रक्षाबंधन पर नारियल की कीमत बढ़ जाती है, लेकिन इस बार कीमतें पिछले साल की तुलना में बहुत ज्यादा हैं। पर्व की खुशी के बीच बजट का ध्यान रखना मुश्किल हो रहा है।

बाजार में रौनक के साथ यातायात की चुनौती

लांजी के बस स्टैंड चौराहे पर राखी और नारियल की अस्थायी दुकानों की भीड़ के कारण बाजार में रौनक तो बढ़ी है, लेकिन यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। छोटे व्यापारियों का कहना है कि नगर में त्योहारों के लिए दुकानें लगाने हेतु कोई स्थायी या उपयुक्त स्थान उपलब्ध नहीं है, जिसके चलते वे सड़कों के किनारे अपनी दुकानें लगाने को मजबूर हैं। इससे न केवल यातायात में बाधा उत्पन्न हो रही है, बल्कि व्यापारियों को भी ग्राहकों तक पहुंचने में दिक्कत हो रही है। स्थानीय व्यापारी ने बताया, अगर नगर प्रशासन द्वारा बाजार के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, तो व्यापारियों को सुविधा होगी और यातायात भी सुचारू रहेगा। आम जनता और व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि त्योहारों के दौरान दुकानों के लिए विशेष स्थान आवंटित किया जाए, ताकि बाजार की रौनक बनी रहे और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित न हो।

रक्षाबंधन की तैयारियां जोरों पर

रक्षाबंधन के पर्व को लेकर लांजी नगर में चहल-पहल बढ़ गई है। बहनें अपने भाइयों के लिए राखियां और उपहार खरीदने में व्यस्त हैं, वहीं दूर-दराज रहने वाले भाइयों ने अपने घरों की ओर रुख करना शुरू कर दिया है। जिन बहनों के भाई दूर हैं, वे डाक या कूरियर के माध्यम से राखियां भेज रही हैं। इसके अलावा, भुजलिया पर्व की तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं, जिसमें बच्चे और युवा उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं।

नगर प्रशासन से अपील

रक्षाबंधन जैसे पर्वों के दौरान बाजारों में बढ़ती भीड़ और यातायात की समस्याओं को देखते हुए स्थानीय लोग और व्यापारी नगर प्रशासन से बेहतर व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। प्रशासन से अपेक्षा है कि वह अस्थायी दुकानों के लिए विशेष स्थान आवंटित करे और बाजार की व्यवस्था को और सुगम बनाए। साथ ही, महंगाई पर नियंत्रण के लिए भी कुछ कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि आम जनता इस पर्व को पूरे उत्साह के साथ मना सके।

शारदा महिला मण्डल ने सावन झूले का आयोजन कर मनाया हरियाली महोत्सव

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के सामाजिक एवं धार्मिक संस्था शारदा महिला मण्डल जो कि अनेको धार्मिक आयोजन कर सभी पर्वो का विधि पूर्वक मनाती है। इसी कड़ी में शारदा महिला मण्डल के द्वारा हरियाली महोत्सव के तहत सावन झुले का आयोजन किया गया। सावन झुले का लेकर अनेको धार्मिक मान्यता किवंदती भी की इस सावन झुले की शुरूवात भगवान कृष्ण एवं राधा तथा भोलेनाथ एवं पार्वती माता के द्वारा की गई थी। जिसके बाद से धार्मिक मान्याताओं एव परंपराओ के तहत सावन झुले का आयोजन किया जाता आ रहा है। इसी कड़ी में 04 अगस्त को शारदा महिला मण्डल के सभी सदस्यो ने मिलकर सुशीला दुग्गड़ निवास में सावन झुला डालकर यह पर्व मनाया गया है। सावन झुले के आयोजन के साथ ही सावन के गीत गाये गये, सावन के गीतो पर नृत्य आदि कर यह सावन झुला पर्व मनाया गया।

कांवडियों के लिये की गई शीतल पेयजल व्यवस्था

श्रावण मास के पावन अवसर पर हजारो की संख्या में कावंडिये कोटेश्वर धाम पहुंचकर महादेव को जलाभिषेक करते है। इन्ही कांवड़ियो के लिये भक्तो के द्वारा जगह जगह जल पान स्वल्पाहार की व्यवस्था की जाती है। इसी कडी में शारदा महिला मण्डल के द्वारा अध्यक्ष श्रीमती उषा देवी पशीने के निवास के सामने एक स्टॉल लगाकर कांवडियों के लिये शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई। महिला मण्डल की सदस्यो के सभी कांवडियो को उन तक पेय पदार्थ ले जाकर दिया गया, शीतल पेय पदार्थ पीकर कांवड़ियों ने भी राहत की सांस ली तथा महिला मण्डल का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान श्रीमती उषादेवी पशीने, सुशील दड़्गड़, उमा तिवारी, शिखा गोंस्वामी, अनिता रामटेक्कर, मंजू नारंग, भगवती कर्राहे, अंजली रैंच, मीना बिलगौर, सरिता श्रीवास्तव, सुनीता रॉय, पदमा शर्मा, डॉ नम्रता पशीने, कल्पना पशीने, बबीता पशीने, किरण तिवारी, विधी दुगगड़, खिवभा दुग्गड, अनिता अग्रवाल सहित अन्य सदस्य गण हररियाली महोत्सव एवं कांवडियों के सेवा में उपस्थित रहे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

भगतसिंह स्पोर्ट्स एकेडमी से हुआ 25 खिलाड़ियों का संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित जिला स्तरीय वॉलीबॉल चयन प्रतियोगिता का आयोजन विकासखंड लालबर्रा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कनकी में दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के वॉलीबॉल अंडर 14,17 एवं 19 आयु वर्ग में 7 विकासखंड के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसमें लांजी के भगत सिंह स्पोर्ट्स अकैडमी मैं निरंतर अभ्यास कर रहे अलग-अलग विद्यालय के खिलाड़ियों ने प्रशिक्षक एवं ब्लॉक समन्वयक लांजी प्रज्ञात वासनिक के नेतृत्व में प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिसमें 14 वर्ष आयु वर्ग में मानसी वाकले वर्षा परते, दिव्या घोंगड़े, हिमांशी वाकले, धरा लखेरे, नव्या आसटकर, इशिका नरताम, चैतन्य लाडे, गौतम लहरोनिया 17 वर्ष आयु वर्ग में कीर्ति उपराडे, रानू लांडे, दिशा घोंगड़े, कुश मोहबिया, अमोल सोनवाने, पीयूष चोरवाड़े, मयंक बड़में, अर्पित श्रीवास एवं 19 वर्ष आयु वर्ग में क्रिष्ठी कोठारे, भारती लहरोनिया, कशिश बारसगडे, राजीव चोरवाड़े, देवेंद्र गोदुले, योगराज दुरुगकर, चैतन्य बडमें, प्रिंस यादव यह सभी खिलाड़ियों का चयन संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में हुआ है जो आगामी 4, 5 सितंबर को नरसिंहपुर एवं जबलपुर में अपने खेल का जौहर दिखाएंगे। अकादमी के नवीन रामटेक्कर, राकेश मर्सकोले, दीपांकर भार्गव, महेंद्र खोब्रागढ़े, मंशा घोंगड़े, साहिल पांडे, वरुण बड़मे, यस वानखेडे, नवीन मात्रे, विनोद चौधरी, विनय सातपुते, खुशाल खानोरकर, अजय कारसर्प सभी वरिष्ठ खिलाड़ियों ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई प्रेषित की एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी गयी।

मप्र में उलझ सकता है प्रमोशन का मामला

भोपाल। मप्र के अधिकारियों-कर्मचारियों को नौ वर्ष बाद पदोन्नति मिलने की आस नए नियमों से जागी थी, लेकिन उन्हें प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। सामान्य वर्ग के कर्मचारियों द्वारा हाई कोर्ट में नए नियमों को चुनौती देने से मामला उलझ गया है। दरअसल, पदोन्नति का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

मप्र सरकार ने हाई कोर्ट के उसे आदेश को चुनौती दी है जिसमें 2002 के पदोन्नति नियमों को निरस्त किया गया था। हाई कोर्ट ने सरकार से यही पूछा है कि जब आपने नए नियम बना लिए तो फिर सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका वापस क्यों नहीं ली। 12 अगस्त को हाई कोर्ट जबलपुर में सुनवाई प्रस्तावित है। इसमें सरकार द्वारा दिए जाने वाले जवाब से निर्धारित होगा कि पदोन्नति का रास्ता खुलेगा या नहीं।

नियम 2002 में निरस्त किया था

हाई कोर्ट ने 2016 में पदोन्नति नियम 2002 को निरस्त कर दिया था। पदोन्नत कर्मचारियों को पदावनत करने के भी निर्देश थे। चूंकि, सरकार ऐसा नहीं करना चाहती थी इसलिए हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। यहां से सरकार को इतनी राहत मिली कि जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता तब तक यथास्थिति बनाकर रखी जाए। तभी से पदोन्नतियां बंद हैं। सरकार ने जून 2025 में नए नियम बनाकर अधिसूचित कर लागू कर दिए लेकिन न तो सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका वापस ली और न ही पुराने नियम से पदोन्नत हुए कर्मचारियों को पदावनत किया। हाई कोर्ट ने नए और पुराने नियम के अंतर को स्पष्ट करने के साथ इस बात पर सरकार से जवाब मांग लिया कि याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस क्यों नहीं ली गई। जब नियम तैयार हो रहे थे, तब

12 अगस्त को होगी सुनवाई

भी यह विषय उठा था लेकिन इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश

सूत्रों का कहना है कि सरकार इस मुद्दे पर अभी चुप्पी साधे है और वरिष्ठ अधिवक्ताओं से परामर्श कर रही है। उधर, सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था के पदाधिकारियों का कहना है कि पुराने नियम निरस्त करने के आदेश में ही आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों को पदावनत करने के भी निर्देश हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। यदि याचिका वापस ली जाती है तो उसे हाई कोर्ट के आदेश का पालन करना होगा। यही कारण है कि मामला उलझा हुआ प्रतीत हो रहा है। हालांकि, सरकार यह बात प्रमुखता से कोर्ट के सामने रखेगी कि हम सशर्त पदोन्नति दे रहे हैं, जो सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के निर्णय के अधीन रहेगी। यह बात नियम में भी स्पष्ट की गई है।

ऑफिसों में जमे 'पुलिसकर्मियों' की मौज खत्म, थानों में भेजने के निर्देश जारी

भोपाल। पुलिस मुख्यालय द्वारा व्यवस्था के बदलाव की दिशा में लगातार बड़े फैसले लिए जा रहे है। अब अधिकारियों के कार्यलयों में बरसों से अटैच पुलिसकर्मियों को मूल पदस्थापना में भेजने के डीजीपी कैलाश मकवाना द्वारा निर्देश दिए गए हैं। डीजीपी ने कहा है कि अतिरिक्त या अटैच स्टाफ को वापस थानों में भेजा जाए। इसी के साथ अधिकारियों को अपने अधीनस्थ स्टाफ की समीक्षा यानी कार्यों का मूल्यांकन कर सूची तैयार करने के लिए भी कहा गया है।

बता दें, कुछ दिन पूर्व पीएचक्यू में ऐसे भी पुलिसकर्मी अटैच रहे, जोकि कई महीनों से दफ्तर ही नहीं आते थे। विदिशा और फिर सीहोर जिले में ऐसे दो पुलिसकर्मियों को जांच के दौरान लापता पाया गया। इस बात को लेकर भी पुलिस विभाग का मजाक बना था। डीजीपी मकवाना ने नियम के अनुसार मुयालय में अटैच और पदस्थ कर्मचारियों का रोटेशन करने को कहा है। ऐसे अधिकारी जो लंबे समय से दफ्तर में मौज काट रहे हैं अब उन्हें थानों में वापस लौटाया जाएगा।

अफसरों के चालकों का होगा रोटेशन

पुलिस मुख्यालय की कई शाखाओं में जरूरत से ज्यादा लोग हैं। लिहाजा दफ्तर का प्रबंधन बेहतर करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा कर्मचारियों के नियमानुसार रोटेशन करने के लिए निर्देशित किया गया है। खासतौर पर उन वाहन चालकों का रोटेशन किया जाए, जो लंबे समय से एक ही अधिकारी के साथ या थानों पर कार्यरत हैं।

शपथपत्र, पॉवर ऑफ एटॉर्नी, एग्रीमेंट, दान पत्र जैसे 12 दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क बढ़ा

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में बुधवार को भारतीय स्टाम्प (मप्र संशोधन), जीएसटी (संशोधन), रजिस्ट्रीकरण (मप्र संशोधन) और भारतीय स्टाम्प (मप्र द्वितीय संशोधन) विधेयक पारित हुआ। शपथपत्र, पॉवर ऑफ एटॉर्नी, एग्रीमेंट, दान पत्र जैसे 12 दस्तावेजों पर स्टाम्प शुल्क बढ़ाया गया है। शपथपत्र पर 50 के बजाय 200 और संपत्ति खरीद के एग्रीमेंट पर 1000 के बदले 5000 रुपए का स्टाम्प लगेगा।

रजिस्ट्री अधिनियम में बदलाव कर होम लोन, कृषि ऋण खत्म होने पर बैंक को डीमॉर्गेज दस्तावेज ऑनलाइन भेजने की जिम्मेदारी दी गई है। पक्षकार को अब रजिस्ट्री कार्यालय जाकर रजिस्ट्री दुबारा कराने की जरूरत नहीं होगी। यह प्रक्रिया ई-फाइलिंग के जरिए होगी। इसके लिए रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 की धारा 17 में बदलाव कर डीमॉर्गेज की अनिवार्यता को खत्म कर दिया गया है।

स्टाम्प अधिनियम में पारिवारिक संपत्ति बंटवारे विलेख में परिवार की परिभाषा में अभी तक माता, पिता, पति, पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पुत्रबधु, पौत्री, नातिन एवं पौत्र, नाती सम्मिलित थे। विधवा भाभी और उसके बच्चे (भतीजे) शामिल नहीं थे। अब इन्हें परिवार की परिभाषा में शामिल किया गया है।

सीएम डॉ. यादव बोले- युवाओं के कॅरियर को मिलेगी नई उड़ान

भोपाल बन रहा देश का टैक हब

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल अब नवाचार का केंद्र बनकर भारत के डिजिटल भविष्य को आकार देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। यहां ड्रोन, एवीजीसी-एक्सआर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन डाटा इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों के अग्रणी केंद्र और उद्योग साझेदारियां आकार ले रही हैं। भोपाल जल्द ही ड्रोन टेक्नोलॉजी का भी हब बनेगा। एनीमेशन ग्राफिक्स जैसे नए सेक्टर्स भी प्रदेश के युवाओं के कॅरियर को नई उड़ान देने तैयार हैं। भोपाल में सेमी-कंडक्टर और डाटा-सेंटर जैसे ग्लोबल टेक्नोलॉजी ट्रेंड्स भी विकसित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की विकासमूलक रणनीतिक सोच से भोपाल का हाई-टैक इंडस्ट्रीज के लिए एक मनपसंद गंतव्य के रूप में उभरना कोई संयोग नहीं है, बल्कि, योजनाबद्ध इंफ्रास्ट्रक्चर एवं ईको सिस्टम का विकास और भविष्योन्मुखी नीतियों के निर्माण का परिणाम है। देशी-विदेशी कंपनियां मध्यप्रदेश में उद्यमिता को चुन रही हैं। उन्हें प्रदेश में ईज-ऑफ-डूइंग बिजनेस और नीतिगत प्रक्रिया सहयोग भी मिल रहा है। सेमी-कंडक्टर और ड्रोन जैसे डीप-टैक उपक्रमों से लेकर एवीजीसी और डाटा सेंटर्स तक के लिये मध्यप्रदेश भारत के डिजिटल भविष्य का लॉन्चपैड बनता जा रहा है।

ग्लोबल स्किल्स पार्क में नया क्रिएटिव हब

ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल में स्थापित हो रहा एवीजीसी-एक्सआर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस युवाओं को गेमिंग, एनीमेशन और वीएफएक्स के क्षेत्र में प्रशिक्षण और स्टार्ट-अप्स के लिए मंच देगा। इसमें एलईडी वर्चुअल प्रोडक्शन स्टूडियो, एआई लैब्स, मोशन कैप्चर सिस्टम और रेंडर फार्म्स जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी। यह केंद्र देश के मेट्रो शहरों पर निर्भरता को कम करते हुए एक नया डिजिटल वर्कफोर्स तैयार करेगा।

आइसर का शोध केन्द्र बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

आईसर भोपाल में बन रहा ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एआई-एनेबल्ड ड्रोन निर्माण, स्वदेशी प्रोटोटाइपिंग और एआर/वीआर आधारित प्रशिक्षण के अनूठे मंच के रूप में विकसित हो रहा है। यहां देश की पहली एआई-यूएवी डाटा रिपॉजिटरी भी स्थापित होगी, जो कृषि, आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों के लिए नवाचारों को प्रेरित करेगी। वहीं भारत के सेमीकंडक्टर मिशन का अहम भागीदार कायनेस सेमिकॉन अब भोपाल के आईटी पार्क में अपनी इकाई स्थापित कर रहा है। इससे चिप डिज़ाइन, असेंबली और अनुसंधान को एक नई दिशा मिलेगी। यह कदम प्रदेश की डीप-टैक नीति को सशक्त करेगा।

भोपाल में प्रदेश का पहला निजी ग्रीन डाटा सेंटर

एशिया का सबसे बड़ा रेटेड-4 हाइपरस्केल डाटा सेंटर ऑपरेटर, भोपाल के आईटी पार्क में ग्रीन डाटा सेंटर स्थापित कर रहा है। इमर्सिव कूलिंग जैसी तकनीकों से युक्त यह डाटा सेंटर जीरो-एमिशन लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जा रहा है। यह क्लाउड और एआई कम्प्यूटिंग के क्षेत्र में प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

विधानसभा में मोहन सरकार का शर्मसार कबूलनामा, राज्य में शिशु मृत्यु दर अधिक

भोपाल। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विधानसभा में माना कि राज्य में शिशु मृत्यु दर अधिक है। उन्होंने इसके पीछे गरीबी, कुपोषण, बाल विवाह, कम साक्षरता, और कम उम्र में गर्भधारण जैसी सामाजिक-आर्थिक वजहों को जिम्मेदार ठहराया है। मंत्री ने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की कमजोरी को इसका कारण मानने से इंकार किया।

शिशु और मातृ मृत्यु दर के चौंकाने वाले आंकड़े

मध्य प्रदेश में शिशु मृत्यु दर देश में सबसे ज़्यादा है। मंत्री ने बताया कि 2022 में जहां देश की औसत मातृ मृत्यु दर 97 थी, वहीं मध्य प्रदेश में यह 173 दर्ज की गई। 2012 से 2020 के बीच देश में मातृ मृत्यु दर में 45.51 प्रतिशत की कमी आई, जबकि मध्य प्रदेश में यह कमी केवल 24.78 प्रतिशत थी। विधानसभा में यह भी सामने आया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी 104 टिप्पणियों का जवाब मोहन सरकार ने अभी तक नहीं दिया है। इन टिप्पणियों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी, संसाधनों की अनुपलब्धता, और योजनाओं के क्रियान्वयन जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। सरकार ने कैग की 13 टिप्पणियों को स्वीकार किया है और 24 को अस्वीकार किया है। अनियमितताओं के लिए अधिकारियों पर की गई कार्रवाई के सवाल पर, सरकार ने कहा कि जानकारी अभी इकट्ठा की जा रही है।

कांग्रेस विधायक बाला बच्चन के सवाल के जवाब में उपमुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले डेढ़ साल में नकली या घटिया दवाओं (सब-स्टैंडर्ड) के 229 मामले राज्य की लैब में जांच के लिए पहुंचे हैं। इनमें से 138 दवाएं राज्य के बाहर की फर्मों की थीं। इस मामले में 60 फर्मों के लाइसेंस रद्द किए गए और 19 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

पहली महिला एमडी को कर्मचारी मंच में बधाई दी

भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच वन विभाग के प्रतिनिधि मंडल ने मप्र राज्य लघु वनोपज संघ की पहली महिला प्रबंध संचालक (एमडी) सुमीता राजौरा को पदभार ग्रहण करने के उपरांत पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दी। प्रतिनिधिमंडल में अशोक पांडे, घनश्याम कटारे, राजेश कुशवाहा, रामचरण अहिरवार, राजकुमार सिंह, दिलीप नाथानी, ओम प्रकाश मिश्रा, मनोज मालवीय, राजेंद्र यादव आदि शामिल थे। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य लघु वनोपज संघ में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने एवं विन्ध्य हर्बल के उत्पादकों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए सरकार ने पहली बार राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक के पद पर महिलाआईएफएस अधिकारी को पदस्थ किया है। प्रबंध संचालक ने कर्मचारी मंच के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि कर्मचारियों की समस्याओं एवं मांगों का निराकरण समय सीमा में किया जाएगा।

सुबह-सुबह मध्य प्रदेश में भूकंप के झटके, मंदसौर समेत कई इलाकों में दहशत

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक बार फिर गुरुवार सुबह भूकंप के झटे महसूस किए गए हैं। मंदसौर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 07 जुलाई की सुबह 10 बजकर 07 मिनट पर भूकंप के झटकों का अहसास हुआ। जिले के पिपलिया मंडी, कनघट्टी, मल्हारगढ़ के अमरपुरा में भूकंप के झटके लगने की पुष्टि की गई है। रेक्टर स्कैल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 मांपी गई। भूकंप का हाईपोसेंटर जमीन से 10 किलोमिटर की गहराई में था।

जानकारी अनुसार राजस्थान के प्रतापगढ़ से लगे मध्य प्रदेश के मंदसौर आज गुरुवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 बताई जा रही है। भूकंप के झटकों को देखते हुए एहतियातन जिला प्रशासन ने सभी विभागों को सतर्क कर दिया है और आमजन से संयम व सावधानी बरतने की अपील भी की है। इस भूकंप के तेज झटके मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ क्षेत्र में महसूस किए गए, जहां लोगों में दहशत का माहौल रहा है। शहर के अनेक क्षेत्रों जिसमें नई आबादी, सदर बाजार, वाटर वर्क्स, बड़ा ब ा ग कॉलोनी, एरियापति, मानपुर आदि जगहों में भी लोगों ने झटके महसूस किए, जिससे वे डर गए।

भूकंप का केंद्र राजस्थान के प्रतापगढ़ में बताया गया, जो कि मध्य प्रदेश के मंदसौर से महज 10 किलोमीटर दूर स्थित है। इस कारण इसका असर मध्य प्रदेश में दिखाई दिया है। भूकंप की तीव्रता कम रही, लेकिन कंपन मंदसौर जिले के पिपलिया मंडी मल्हारगढ़ क्षेत्र में ज्यादा महसूस किए गए, जिससे लोग घरों से बाहर निकल आए और दहशत का माहौल रहा। जिला प्रशासन ने आमजन से संयम व सतर्क रहते हुए सावधानी बरतने की अपील की है।

जनहितैषी मुद्दों को धार नहीं दे पाई कांग्रेस

विधानसभा में रूप बदल-बदलकर प्रहसन करती रही कांग्रेस

भोपाल। मप्र विधानसभा का मानसून सत्र भले ही दो दिन पहले सिमट गया, लेकिन इस दौरान कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पार्टी न सदन में और न ही सदन के बाहर जनहितैषी मुद्दों को धार दे पाई। मानसून सत्र जितने दिन चला, उतने दिन कांग्रेस के विधायक रूप बदल-बदलकर विधानसभा आते रहे। इस दौरान कांग्रेस विधायक बड़े-बड़े मुद्दे लेकर विधानसभा तो पहुंचे, लेकिन मुद्दों से अधिक विधायकों की रूपरेखा चर्चा में रही। कांग्रेस विधायक कभी भैंस, कभी गिरगिट, कभी इंजेक्शन की मालाएं और कभी यूरिया की बोरियों के साथ तो कभी पुलिस की वर्दी में पहुंचे। जो मात्र प्रहसन बनकर रह गया।

विधानसभा के मानसून सत्र में सत्ता पक्ष को घेरने कांग्रेस ने कमोबेश हर दिन नए नए स्टंट किए। विधानसभा के इस सत्र में कमोबेश हर दिन कांग्रेस विधायक किसी नए अवतार में पहुंचे। हर दिन मीडिया के कैमरों के सामने नया स्टंट हुआ। विधानसभा में मानसून सत्र में बैठकों की शुरुआत के साथ हुए इन तमाशों को लेकर सत्ता पक्ष का आरोप है कि कांग्रेस ने विपक्ष की भूमिका के साथ न्याय ही नहीं किया। जनता से जुड़े गंभीर मुद्दे उठाने के बजाए पार्टी मीडिया की सुर्खियों में आने के लिए बीन बजाती रही।

वजनदारी से मुद्दे नहीं उठा पाई कांग्रेस

विधानसभा, सरकार और विपक्ष के लिए अपनी बात रखने का सबसे उपयुक्त मंच होता है। 10 दिवसीय सत्र होने के कारण विपक्ष के पास भरपूर अवसर था कि वह वजनदारी से सदन में मुद्दे उठाता और सरकार को मजबूर करता कि वह जवाब दे लेकिन इसके स्थान पर प्रदर्शन में उलझा रहा। सैन्य अधिकारी सोफिया कुरैशी के अपमान का विषय उठाकर जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह को तो घेरा लेकिन परिवहन घोटाले के सौरभ शर्मा को भूल गया। विधानसभा सत्र के पहले कांग्रेस के विधायकों का धार के मांडू में नव संकल्प शिविर हुआ था। दो दिन सबने प्रदेश के मुद्दों पर खूब मंथन किया। इससे उम्मीद बंधी थी कि मानसून सत्र में विधायक दल का प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा। मुद्दे उठाकर सरकार को घेरा जाएगा लेकिन दल इसमें चूक गया। सदन के बाद प्रतिदिन प्रदर्शन करके मीडिया में सुर्खियां तो बटोरीं पर ऐसा कोई विषय सदन में खड़ा नहीं कर पाए, जिससे सरकार बैकफुट पर आ गई हो। एक बार यह अवसर अवश्य आया जब जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह को सदन में जवाब देने से रोक दिया। सेना के अपमान का मुद्दा उठाकर जमकर हंगामा किया। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इसे आदिवासी और कांग्रेस द्वारा सेना के अपमान का मुद्दा बनाकर प्रभाव कम कर दिया। आदिवासियों को वनाधिकार पट्टे का मामला हो या फिर किसानों को खाद की किल्लत, कानून व्यवस्था हो या फिर अन्य विषय, कांग्रेस इन्हें तर्कपूर्ण ढंक से अंजाम तक नहीं पहुंचा पाई। कुछ मामलों में आसंदी के समक्ष नारेबाजी और बहिर्गमन तो किया पर परिवहन घोटाले को तो छुआ तक नहीं। जबकि पिछले सत्र में सौरभशर्मा के बहाने सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। यह सत्र केवल इस मायने में कांग्रेस के लिए सफल माना जा सकता है कि एकजुटता का जो संदेश देना चाहते थे, वह नजर आया।

राजस्व अधिकारियों ने दूसरे दिन भी काम से बनाई दूरी

न्यायिक-गैर न्यायिक विभाजन से नाराज, जमा कराई गाडिय़ा

भोपाल । राजस्व अधिकारियों के न्यायिक और गैर न्यायिक विभाजन को लेकर गुरुवार को भी विरोध हो रहा है। भोपाल के सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार कलेक्टोरेट पहुंचे और अपनी गाडिय़ां जमा करा दी। भोपाल में बैरागढ़, कोलार, एमपी नगर, शहर वृत्त, बैरसिया और टीटी नगर तहसीलें हैं। इनके तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को न्यायिक और गैर न्यायिक कार्य में विभाजित किया गया है। यानी, जो अधिकारी न्यायिक कार्य कर रहे हैं, वे फिल्ड में नहीं है।

वहीं, फिल्ड वाले अधिकारी न्यायिक कार्य नहीं कर रहे। इस व्यवस्था का वे भी विरोध कर रहे हैं। बुधवार को कोर्ट समेत अन्य काम उन्होंने नहीं किए थे। गुरुवार को भी ऐसी ही स्थिति है। इस वजह से आमजनों के कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। कोर्ट में प्रकरणों की सुनवाई नहीं हो रही तो जनता से जुड़े काम भी अटक रहे हैं। गुरुवार सुबह सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार एकसाथ कलेक्टोरेट पहुंचे। इसके बाद उन्होंने गाडिय़ों की चाबियां सौंप दी।

मंत्री-अफसरों को सुना चुके बात

इस संबंध में मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ राजस्व मंत्री वर्मा और सीनियर अधिकारियों के सामने अपनी बात रख चुका है। इस दौरान बताया गया था कि अगले 3 महीने के लिए 12 जिलों में ही पायलेट प्रोजेक्ट के तहत यह व्यवस्था लागू की जाएगी, लेकिन बाद में 9 और जिलों में यह व्यवस्था लागू कर दी गई। इसके चलते संघ के सभी जिला अध्यक्ष, प्रभारी और प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इसमें 6 अगस्त से विरोध करने का फिर से निर्णय लिया गया। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीनचंद कुंभकार ने बताया कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के कई जिलों में राजस्व अधिकारी विरोध कर रहे हैं। भोपाल में भी असर देखने को मिल रहा है।

विभाजन को लेकर संघ की बैठक हो चुकी है। इसमें संवर्ग में विभाजन की इस योजना के पूर्ण रूप से वापस नहीं होने तक सभी राजस्व अधिकारी आपदा प्रबंधन कार्यों को छोडक़र समस्त कार्यों से विरत रहते हुए जिला मुख्यालयों पर उपस्थित रहने का निर्णय लिया गया। हालांकि, कोई भी सामूहिक अवकाश या हड़ताल पर नहीं है। सभी राजस्व अधिकारी जिला मुख्यालय पर ही उपस्थित हैं। विरोध के चलते बुधवार को ही राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा था कि यह कैबिनेट का निर्णय है। प्रोटोकॉल और न्यायालयीन प्रक्रिया में पहले बड़ी दिक्कतें आ रही थीं। सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के लिए व्यवस्था नहीं की है।

पेट्रोल पंप पर छात्र के सीने में चाकू घोंपकर हत्या

भोपाल। अयोध्या नगर इलाके में स्थित मिनाल गेट के पास पेट्रोल पंप पर पहले पेट्रोल डलवाने के विवाद में तीन बदमाशों ने एक छात्र की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपियों ने छात्र के सीने पर चाकू से कई वार किए और फरार हो गए। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, संस्कार बघेले (22) इंदौर का रहने वाला था, वह संस्कार प्राइवेट कॉलेज से बीए एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था। संस्कार मंगलवार को भोपाल पहुंचा था, और अपने दोस्त अनमोल के साथ अयोध्या नगर में ठहरा था। बुधवार अलसुबह करीब 5 बजे दोनों स्टेशन के पास चाय पीने निकले थे और मिनाल गेट नंबर तीन के पास पेट्रोल भरवाने रुके थे। तभी तीन अज्ञात युवक अपनी बाइक से वहां पहुंचे और पेट्रोल पंप कर्मचारी पर पहले अपनी बाइक में पेट्रोल डालने का दबाव बनाते हुए कर्मचारी से बहस करने लगे। संस्कार और अनमोल ने जब बदमाशों का विरोध किया तो तीनों ने उन पर हमला बोल दिया। जान बचाने के लिए दोनों दोस्त भागे, लेकिन आरोपियों ने पीछा कर संस्कार को पकड़ लिया और चाकू से उसके सीने पर वार कर दिया। घायल छात्र को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मप्र के सांसदों ने दिल्ली में उद्योगपतियों से की चर्चा, खंडवा सासंद बोले...

केला और टेक्सटाइल उद्योग के विस्तार पर जोर

भोपाल । मप्र के सांसदों ने दिल्ली स्थित मप्र भवन में आयोजित बैठक में उद्योगपतियों से मुलाकात की। इस दौरान खंडवा संसदीय क्षेत्र के सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने बुरहानपुर में उद्योगों की संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने टेक्सटाइल, केला, गन्ना, सोयाबीन, हल्दी, मक्का, मिर्च, टमाटर और प्याज जैसे कृषि उत्पादों से जुड़े उद्योग स्थापित करने का आग्रह किया। सांसद पाटील ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मना रही है, ऐसे में बुरहानपुर जैसे कृषि प्रधान जिलों में औद्योगिक निवेश से किसानों को सीधा लाभ होगा और स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बुरहानपुर जिला मध्य प्रदेश में केले का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र है, जहां से केले का निर्यात अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक होता है। केले के प्रसंस्करण से जुड़े उद्योग जैसे चिप्स, पाउडर, प्यूरी यहां विकसित हो रहे हैं। साथ ही केले के रेशों से हस्तशिल्प और वस्त्र निर्माण जैसे नवाचार भी तेजी से उभर रहे हैं। पाटील ने बताया कि बुरहानपुर पावरलूम उद्योग का प्रमुख केंद्र है और यहां रेडीमेड कपड़ों का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। सरकार, निवेशकों और विदेशी भागीदारों के सहयोग से टेक्सटाइल सेक्टर को और ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

बल्लेबाजी के नहीं उतरने के बारे में कभी नहीं सोचा-वोक्स

लंदन । ओवल टेस्ट में कंधे की हड्डी खिसकने के बाद भी बल्लेबाजी करने वाले इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने कहा है कि उन्होंने बल्लेबाजी नहीं करने के बारे में कभी नहीं सोचा था। वोक्स के अनुसार वह केवल इस कारण परेशान थे कि कहीं इस चोट से उनका करियर खतरे में न पड़ जाये। वोक्स पांचवें टेस्ट मैच में अंतिम दिन बल्लेबाजी के लिए उतरे तो उनका बायां हाथ पट्टे से बंधा हुआ था और उन्होंने इसे स्वेटर के अंदर डाला हुआ था। वोक्स ने कहा कि उन्हें लगा कि मैच में उतरना उनका कर्तव्य है और उन्हें अब भी इस बात का दुख है कि वह टीम को जीत नहीं दिला पाये। साथ ही कहा कि वह अभी अपने स्कैन के परिणामों का इंतजार कर रहे हैं। वोक्स ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि यह क्या है। आप बस इतना जानते हैं कि आप किसी बड़ी चीज का हिस्सा हैं। आप केवल अपने लिए ही नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह आपकी टीम और आपके साथियों की मेहनत और उनके द्वारा किए गए त्याग, घर पर और मैदान पर देखने वाले लोगों की मेहनत है। आप बस

सबके लिए ऐसा करना अपना कर्तव्य समझते हैं।

वोक्स ने कहा, 'मैं अब भी बहुत निराश हूं क्योंकि हम जीत नहीं पाये। मैंने कभी मैदान पर नहीं जाने के बारे में नहीं सोचा, चाहे जीत के लिए 100 रन ही क्यों ना होते। वोक्स ने कहा कि दर्शकों के खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मैदान पर उतरना अच्छा लगा पर वह अपने इस साहसिक कार्य को अधिक अधिक महत्व नहीं देते। उन्होंने कहा, 'तालियां बजना अच्छा लगा और कुछ भारतीय खिलाड़ी अपना सम्मान दिखाने आए पर मेरी जगह कोई अन्य खिलाड़ी भी ऐसा ही करता क्योंकि आप नौ विकेट गिरने के बाद मैच समाप्त नहीं कर सकते थे। वोक्स ने खुलासा किया कि उन्होंने चौथे दिन से इंग्लैंड के सहायक कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक के साथ एक हाथ से बल्लेबाजी का अभ्यास शुरू कर दिया था।

वोक्स ने कहा, 'मैंने देखा कि ऋषभ पंत सोशल मीडिया में सैल्यूट इमोजी के साथ मेरी एक तस्वीर डाली थी तो मैंने उन्हें धन्यवाद देते हुए जवाब दिया कि 'प्यार के लिए शुक्रिया और उम्मीद है कि पैर ठीक होगा। उन्होंने आगे कहा, 'फिर उन्होंने मुझे एक वॉइस नोट भेजा जिसमें कहा था 'उम्मीद है सब ठीक होगा, उबरने के लिए शुभकामनाएं और उम्मीद है कि हम किसी दिन फिर से मैदान पर मिलेंगे। मैंने टूटे हुए पैर के लिए माफी मांगी। वोक्स की गेंद पर ही ऋषभ के पैर का अंगुठा फ्रैक्चर हुआ था जिस कारण वह अंतिम टेस्ट से बाहर हो गये थे।

सचिन ने बताया स्वीप शॉट खेलते समय ऋषभ के गिरने का कारण

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अक्सर स्वीप शॉट खेलते समय गिर जाते हैं। इसी को लेकर अब महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा है कि ऋषभ स्वीप शॉट खेलते समय जानबूझकर गिरते हैं ताकि संतुलन बना सकें। ऋषभ को इंग्लैंड दौरे में स्वीप शॉट खेलते समय चोट लग गयी थी। चौथे टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करते समय उनके पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। इसी कारण वह अंतिम मैच से बाहर हो गए। ऋषभ के बार-बार स्वीप शॉट खेलने को लेकर तेंदुलकर ने कहा है कि इंग्लैंड में ऋषभ ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे लगता है कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में आवश्यक व्यावहारिकता के साथ अपने आक्रामक रुख को संतुलित बनाये रखना सीख लिया है। तेंदुलकर ने उस पैडल स्वीप शॉट पर भी बताया जिसे खेलते समय वह समय अक्सर गिर जाया करते हैं। तेंदुलकर का कहना है कि जमीन पर गिरने के बाद भी ऋषभ उस शॉट को खेलते समय कभी संतुलन नहीं खोते और उनका गिरना भी जानबूझकर होता है। तेंदुलकर ने कहा, उन्होंने जो स्वीप शॉट खेला, उसमें उन्हें गेंद के नीचे आकर उसे थोड़ा ऊपर उठाकर स्कूप करना पसंद है। वहीं लोग सोचते हैं कि वह गिर गए हैं, लेकिन यह जानबूझकर होता है जिससे वह गेंद के नीचे आ सकें। ऐसे शॉट खेलने का राज गेंद के नीचे आना है। इसलिए यह एक योजनाबद्ध गिरावट है, उनका संतुलन नहीं बिगड़ता। यह सब गेंद की लंबाई पर निर्भर करता है।

तेज गेंदबाज पर रिवर्स स्वीप जैसे शॉट को लेकर हो रही आलोचन पर तेंदुलकर ने कहा, ऐसे मौके आए जब लोगों को लगा कि उन्हें वह शॉट नहीं खेलना चाहिए, यह सही समय नहीं है पर ऋषभ जैसे खिलाड़ी को अकेला छोड़ देना चाहिए क्योंकि तब वह मैच बचाने के लिए खेल रहे थे। इसलिए उन्हें अलग रवैया अपनाना पड़ा।

सीएबी के अध्यक्ष बन सकते हैं गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली अब बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष बन सकते हैं। गांगुली इसके लिए चुनाव लड़ सकते हैं। गांगुली साल 2014 में सीएबी के सचिव रहे थे। वह साल 2019 में आम राय से बीसीसीआई अध्यक्ष बने थे। रिपोर्ट्स के अनुसार गांगुली पिछले कुछ माह से नियमित रूप से सीएबी के सदस्यों से बातचीत कर रहे हैं। सीएबी में भी गांगुली की वापसी को लेकर उत्साह का माहौल है। सीएबी के एक अधिकारी ने कहा, ' वह प्रशासन में लौटना चाहते हैं। उन्होंने सीएबी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने का फैसला किया है। वहीं बीसीसीआई के संविधान के अनुसार उनके पास राज्य में कुल नौ साल में से पांच साल बचे हैं। ऐसे में वह सर्वसम्मति से चयनित होंगे या नहीं ये अभी तय नहीं है।' वर्तमान में सीएबी अध्यक्ष गांगुली के बड़े भाई स्नेहाशीष हैं उनका छह साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है।

शमी की टेस्ट क्रिकेट में वापसी संभव नजर नहीं आती

मुम्बई। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी अब टेस्ट क्रिकेट में मुश्किल नजर आती है। इसकार कारण युवा तेज गेंदबाजों का अच्छा प्रदर्शन और शमी की बढ़ती उम्र है। शमी 35 के करीब होने जा रहे हैं। ऐसे में भविष्य की योजनाओं को देखते हुए फिट नहीं बैठते। शमी एकदिवसीय विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद से ही चोटिल होने के कारण एक साल से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहे। फिट होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में खेला जिसके बाद उन्हें टी20 और फिर एकदिवसीय प्रारुप में जगह मिली। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम में शामिल थे पर फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण् टेस्ट क्रिकेट में उनकी वापसी नहीं हो पायी। उन्हें न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उपयुक्त नहीं पाया गया हालांकि इसका कारण उनकी फिटनेस बताया गया है। वहीं इस दौरान प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप सिंह और अर्शदीप सिंह सहित कई युवा तेज गेंदबाज निकलकर आ गये। टीम प्रबंधन ने भी युवाओं को अधिक मौके देना बेहतर विकल्प माना है जिससे भी शमी की

वापसी कठिन हो गयी।

इंग्लैंड दौरे के लिए आकाश दीप के अलावा हर्षित राणा, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया। इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया था कि शमी पुरी तरह से फिट नहीं हैं। उनके साथ कुछ समस्याएं हैं। टीम प्रबंधन ने शमी को लेकर जोखिम लेने से इंकार कर दिया था। ऐसे में युवाओं को अवसर मिला जिसको उन्होंने पूरा लाभ उठाया। आकाशदीप ने इंग्लैंड दौरे के दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लिए। वहीं कृष्णा ने अंतिम टेस्ट में दोनो पारियों में चार-चार विकेट लिए।

आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट और प्रसिद्ध कृष्णा ने द ओवल टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कृष्णा ने तीन टेस्ट में 14, आकाश दीप ने 3 टेस्ट में 13 विकेट लिए। वहीं मुख्य तेज गेंदाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज टेस्ट में लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिराज ने 5 मैचों में 23 विकेट लिए, जो सीरीज में सर्वाधिक रहे। वहीं बुमराह ने भी 3 मैच में 14 विकेट लिए। ऐसे में शमी के लिए जगह बनती नहीं दिखती है। शमी की वापसी इसीलिए भी संभव नजर नहीं आती क्योंकि उन्हें अधिकतर चोट की समस्या रहती है। वह 35 साल के होने जा रहे हैं। वहीं टीम प्रबंधन युवाओं को वरीयता दे रहा है। ऐसे में शमी अब शायद ही वापसी कर पायें।

डीपीएल के कार्यक्रम में बदलाव, अब 13 अगस्त के मैच 12 अगस्त को खेले जाएंगे

नई दिल्ली । दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के दूसरे सत्र के मुकाबले अभी यहां अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे हैं। वहीं इसके कार्यक्रम में बदलाव हुआ है और 13 अगस्त को होने वाले मैच अब एक दिन पहले 12 अगस्त को ही खेले जाएंगे। इस सत्र के आधे से अधिक मैच खेले गये हैं। आयोजकों के अनुसार 15 अगस्त के कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन के निर्देशों के देखते हुए डीपीएल 2025 के कार्यक्रम को बदला गया है। साथ ही कहा कि 13 अगस्त को दोपहर 2 बजे से आउटर दिल्ली वॉरियर्स और सेंट्रल दिल्ली किंग्स के बीच टूर्नामेंट का 20वां लीग मैच खेला जाना था और शाम को 7 बजे से पुरानी दिल्ली 6 और ईस्ट दिल्ली राइडर्स के बीच दिन का दूसरा और लीग फेज का 21वां मुकाबला तय था पर अब इन मुकाबलों को एक दिन पहले आयोजित किया जाएगा। ऐसे में 13 की जगह 12 अगस्त को ये मुकाबले तय समय पर खेले जाएंगे।

एशेज से पहले इंग्लैंड टीम को सुधार की जरुरत - कोच ब्रेंडन मैकुलम

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भारत के खिलाफ सीरीज के बाद माना है कि उनकी टीम को आगामी एशेज सिरीज से पहले सुधार करना होगा। उन्होंने कहा कि हमने उन क्षेत्रों की पहचान की है जहां इंग्लैंड की टीम कमजोर है। इसके साथ ही कोच ने कहा कि भारतीय टीम ने काफी अच्छा खेला इसलिए वह अंतिम टेस्ट में जीत की अधिकारी थी। भारतीय टीम ने पांचवें टेस्ट के अंतिम दिन जिस प्रकार खेल में 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6 रन से जीत दर्ज की उससे मेजबान टीम के हाथों में आई सीरीज फिसल गयी। इससे इंग्लैंड 2018 के बाद से भारत के खिलाफ पहली सीरीज जीतने में विफल रहा। मैकुलम के कोच रहते हुए इंग्लैंड टीम अभी तक भारत या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई सीरीज नहीं जीत पायी है। इंग्लैंड अब सितंबर में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों के प्रारुप में उतरेगी, इसलिए खिलाड़ियों के पास आराम करने और तरोताजा होने का पर्याप्त समय है।

मैकुलम कहना है कि उनका ध्यान अब इसपर रहेगा कि पिछले सात सप्ताह टीम ने कहां क्या किया। इससे वह एशेज टेस्ट की तैयारी बेहतर तरीके से कर पायेगी। मैकुलम ने कहा, 'हम पहले सब कुछ शांत होने देंगे और हम यह पता लगाएंगे कि क्या अच्छा रहा है और फिर यह तय करना शुरू करेंगे कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं, जिससे जब हम ऑस्ट्रेलिया पहुंचें, तो हमारे पास जीत का अवसर हो । हम जानते हैं कि हमें सुधा की जरुरत है।

उन्होंने कहा, 'जब आप खिलाड़ियों को दबाव में अपनी सीमाओं से आगे जाकर प्रदर्शन करते हुए देखते हैं, तो आप हमेशा कुछ न कुछ नया सीखते हैं। बहुत सी चीजें हैं जिन पर हमें ध्यान देना है क्योंकि हम इसे समझने और उन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए समय देंगे जिनमें हम सुधार कर सकते हैं। कुल मिलाकर, मुझे अपनी टीम के प्रयासों पर बहुत गर्व है। यह एक प्रतिस्पर्धी सीरीज रही है, जिसमें, कुछ खिलाड़ी चोटिल भी हुए। यह सीरीज़ ड्रॉ हो चुकी है। आप निराश हैं लेकिन आपको उनके प्रयासों पर गर्व है।

कोच के अनुसार जो कैच इस सीरीज में गिरे वह टीम के लिए भारी पड़े। साथ कहा कि जब 374 रनों का पीछा करते हुए जो रूट और हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड को 301 पर 3 तक पहुंचा दिया था, जिसके बाद 66 रनों के अंदर सात विकेट गिरना टीम के लिए कहीं से भी अच्छा नहीं रहा।

मैकुलम ने हालांकि कहा कि एक उच्च-स्तर की विरोधी टीम के खिलाफ खेलने के दौरान हमेशा ही ऐसा हो सकता है। इंग्लैंड ने भारत की दूसरी पारी के 396 रनों में छह कैच छोड़े, जिसकी कीमत उन्हें 152 रन पड़ी। उन्होंने कहा, 'हमने इस मैच में बहुत अच्छी कैचिंग नहीं की लेकिन पिछले कुछ सालों में हमने बहुत अच्छी कैचिंग की है। कभी-कभी एक कैच छूटने के बाद और ज्यादा कैच छूटते चले जाते हैं। अगर हमने अपने कैच पकड़े होते तो परियाम शायद कुछ और होता।

दूसरे टेस्ट में भी न्यूजीलैंड की कप्तानी करेंगे सैंटनर

हरारे। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम अभी तक अपनी चोट से नहीं उबरे हैं। ऐसे में वह जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से भी बाहर हो गये हैं। इसको देखते हुए मिचेल सैंटनर ही इस मैच में भी कप्तानी करेंगे। सैंटनर पिछले मैच में भी कप्तान थे। वह न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी करने वाले 32वें खिलाड़ी हैं। वहीं लैथम की जगह पर बल्लेबाज बेवॉन जैकब्स को फील्डिंग और बल्लेबाजी कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड की टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि लैथम का बाहर होना निराशाजनक पर चोट खेल का हिस्सा है। वाल्टर ने कहा, ॿटॉम लैथम का फिर से बाहर बैठना टीम के लिए बहुत निराशा वाला है। वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं और दूसरे टेस्ट मैच के लिए अच्छी तैयारी कर रहे थे पर बदकिस्मती से वह अपना फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाये। वहीं एक अन्य खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स पहले ही सीरीज से बाहर हो गए थे, जबकि दूसरे मैच से पहले तेज गेंदबाज विल ओराउरकी पीठ की चोट के कारण दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए।

अगली योजना पर काम कर रहा हूं - बुमराह

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम की इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टेस्ट में जीत के बाद मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने खुशी जतायी है और कहा है कि अब वह अपनी अगली योजना पर काम कर रहे हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 में से 3 ही मैच खेले थे। ओवल में हुए अंतिम मैच में भी वह टीम में नहीं थे। अंतिम मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 9 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। साथ ही कहा था कि अगर बुमराह भी साथ होते तो जीत की खुशी और बढ़ जाती। वहीं बुमराह ने लिखा, 'हम बेहद कड़े मुकाबले के बाद बराबरी पर रही रोमांचक टेस्ट सीरीज से अच्छी यादें लेकर आए हैं। अब मैं अपनी अगली योजना पर काम कर रहा हूं।

रिकॉर्ड एंट्रीज के साथ राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप की शुरुआत

वडोदरा । 2025-26 घरेलू टेबल टेनिस सीजन की शुरुआत कल से वडोदरा के सामा इंडोर स्टेडियम में होने वाली पहली यूटीटी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप से होगी। इस साल कुल 1,549 खिलाड़ियों ने 12 श्रेणियों में 2,587 एंट्रीज के साथ एक नया रिकॉर्ड बनाया है, जो भारत में इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

चैंपियनशिप की शुरुआत सीनियर वर्ग के साथ होगी। पुरुष वर्ग में, शीर्ष आठ राष्ट्रीय रैंकिंग वाले खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करेंगे। वहीं, महिला वर्ग में भी लगभग सभी शीर्ष खिलाड़ी मौजूद हैं, सिर्फ श्रीजा अकुला ने इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। मनुश शाह (आरबीआई) 375 अंकों के साथ पुरुष वर्ग में शीर्ष पर हैं, जबकि मानव ठक्कर अपनी बेहतर विश्व रैंकिंग (43वें) के कारण शीर्ष वरीयता प्राप्त करेंगे। महिला वर्ग में, मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन दिया चिताले 360 अंकों के साथ शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं। दोनों खिलाड़ी घरेलू दर्शकों के सामने अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

पुरुष वर्ग में मनसुख शाह को जी साथियान, अनिकेत भट्टाचार्जी, पायस जैन, और दिव्यांश श्रीवास्तव जैसे खिलाड़ियों से कड़ी चुनौती मिलेगी, जिसमें गुजरात के एक और दिग्गज खिलाड़ी हरमीत देसाई भी शामिल हैं। महिला वर्ग में, दिया चिताले को यशस्विनी घोरपड़े, स्वस्तिका घोष, और तनीषा कोटेचा से चुनौती मिलेगी, जो हाल ही में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन कर चुकी हैं।

युवा खिलाड़ियों के बीच भी कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा, जिसमें अंडर-19 के साथ-साथ अंडर-17, अंडर-15, अंडर-13 और अंडर-11 जैसी जूनियर श्रेणियां भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट का प्रबंधन एन. गणेशन की टीम द्वारा किया जा रहा है, जिसमें अनुभवी रेफरी ए.एस. क्लेर और 70 अन्य अधिकारी शामिल हैं। यह आयोजन 24 स्टिगा टेबलों पर खेला जाएगा और इसमें अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन किया जाएगा। आयोजकों ने रिकॉर्ड संख्या में एंट्रीज के कारण मैच के शेड्यूल के लंबा चलने की संभावना जताई है।

मुझे नहीं रुट को दिया जाना था प्लेयर ऑफ द सीरीज अवार्ड - हैरी ब्रूक

लंदन। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक को भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला है पर वह इससे खुश नहीं हैं। हैरी का मानना है कि ये पुरस्कार उन्हें नहीं दिया जाना चाहिये था। इस क्रिकेटर के अनुसार सीरीज में बेहतर बल्लेबाजी के लिए ये सम्मान अनुभवी बल्लेबाज जो रुट दिया जाना चाहिये था। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त होने के बाद प्रत्येक टीम के कोच ने विरोधी टीम से प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के लिए एक खिलाड़ी चुना। इसमें भारत से शुभमन गिल जबकि इंग्लैंड से हैरी ब्रुक को अवार्ड मिला।

अगले 15 से 20 साल सीएसके के साथ ही रहेंगे धोनी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि वह आगे भी टीम के साथ ही बने रहेंगे। धोनी ने कहा कि अगले 15 से 20 साल तक वह सीएसके के साथ ही रहेंगे भले ही खेलें या नहीं। धोनी की इस बात से साफ है कि वह अगले सत्र में अगर नहीं खेलते हैं तो कोच या मेंटॉर के तौर पर भी पीली जर्सी में ही दिखेंगे। धोनी ने कहा कि वह और सीएसके साथ-साथ हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि सीएसके और उनका साथ सिर्फ खिलाड़ी के तौर पर ही नहीं है। बढ़ती उम्र को देखते हुए पिछले कुछ साल से धोनी के खेल से संन्यास की अटकलें लगायी जा रही हैं। इसी को लेकर धोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं और सीएसके, हम साथ-साथ हैं। यह एक या दो साल के लिए नहीं है। मैं हमेशा पीली जर्सी में बैठा मिलूंगा। मैं भले ही खेलूं या नहीं।

44 साल के हो रहे धोनी पिछले सत्र में घुटने की चोट के कारण काफी परेशान रहे थे और निचले क्रम पर उतरे थे। वहीं आईपीएल 2024 के समय भी ऐसी अटकलें लगी थीं कि धोनी वो सत्र नहीं खेलेंगे पर वह घुटने की समस्या से बहुत जल्दी उबरे। इतना ही नहीं, आईपीएल 2025 में सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ जब कोहनी की चोट की वजह से बाहर हुए तब धोनी ने एक बार फिर कप्तानी संभाली। हालांकि, पिछला सत्र सीएसके के लिए अच्छा नहीं रहा था। आईपीएल की सबसे सफल टीमों में शामिल सीएसके 14 मैच में सिर्फ 4 ही जीत सकी थी और अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। धोनी ने पिछले सत्र में चेन्नई में एक निजी समारोह के दौरान कहा था कि चेन्नई की टीम रुतुराज को ही टीम में बनाए रखेगी। उन्होंने कहा, 'हम अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर थोड़े चिंतित थे पर मुझे लगता है कि अब हमारा बल्लेबाजी क्रम काफी व्यवस्थित है। गायकवाड़ वापसी करेंगे। उन्हें चोट लगी थी। वह वापसी करेंगे तो अब हम काफी व्यवस्थित हो जायेंगे।'

शाई होप की कप्तानी में पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में उतरेगी वेस्टइंडीज टीम

जमैका। वेस्टइंडीज ने शुक्रवार से पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए शाई होप की कप्तानी में अपनी अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। तीन मैचों की ये सीरीज त्रिनिदाद में खेली जाएगी। इस सीरीज के लिए ऑलराउंडर रोमारियो शेफर्ड को टीम में शामिल किया गया है। शेफर्ड बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद पहली बार वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय टीम में वापसी कर रहे हैं। वहीं 18 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू को भी एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडियाह ब्लेड्स को भी टीम में शामिल किया गया है। ये एकदिवसीय सीरीज 8 अगस्त से शुरू होगी। टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी के अनुसार इस सीरीज से 2027 आईसीसी विश्व कप के लिए टीम को अपना आंकलन करने का अवसर मिलेगा। सैमी ने कहा, पाकिस्तान टीम एक अलग तरह की चुनौती पेश करती है क्योंकि हमारा लक्ष्य 2027 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियां बरकरार रखना है। टीम इस प्रकार है = शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, जेडियाह ब्लेड्स, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रेव्स, आमिर जांगू, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड।

सीए ने भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित की

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले माह होने वाले भारत दौरे के लिए अपनी 14 सदस्यीय ऑस्ट्रेलिया ए टीम की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलिया ए अपने इस भारत दौरे में लखनऊ में दो चार दिवसीय मैच और कानपुर में तीन एक दिवसीय मैच खेलेगी। इन टीमों का चयन उपमहाद्वीप के अनुभव और लंबी अवधि के अनुभव के साथ-साथ घरेलू गर्मियों की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, उपमहाद्वीप कई अनूठी चुनौतियां और बल्ले और गेंद से अलग-अलग कौशल का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है। हमें उम्मीद है कि इन हालातों में बार-बार अनुभव प्राप्त करने से खिलाड़ियों को भविष्य के उपमहाद्वीप दौरों के लिए अपने खेल की एक प्रभावी समझ और रणनीति विकसित करने में मदद मिलेगी। जेवियर बार्टलेट, कैंपबेल केलावे, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, लांस मॉरिस, फर्गस ओनील, ओली पीक, जोश फिलिप और कोरी रोचिचियोली लखनऊ में होने वाले चार दिवसीय मैचों में खेलेंगे और शेफील्ड शील्ड के पहले दौर के लिए वापसी करेंगे।वहीं हैरी डिक्सन, सैम इलियट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैकेंजी हार्वे, तनवीर संघा, लैची शॉ, टॉम स्ट्रैकर, विल सदरलैंड और कैलम विडलर को कानपुर में होने वाले एकदिवसीय मैचों में खेलने का अवसर मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया ए का भारत दौरा

16-19 सितंबर = पहला चार दिवसीय मैच, इकाना स्टेडियम, लखनऊ

23-26 सितंबर = दूसरा चार दिवसीय मैच, इकाना स्टेडियम, लखनऊ

30 सितंबर = पहला एक दिवसीय मैच, ग्रीन पार्क, कानपुर

3 अक्टूबर = दूसरा एक दिवसीय मैच, ग्रीन पार्क, कानपुर

5 अक्टूबर = तीसरा एक दिवसीय मैच, ग्रीन पार्क, कानपुर

ऑस्ट्रेलिया ए की चार दिवसीय टीम

जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, आरोन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, लियाम स्कॉट विडलर

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी दक्षिण (सा.) वनमण्डल बालाघाट

E_mail :- dfotsbghat@mp.gov.in ☎ 07632-248414

विज्ञप्ति

---000---

श्री टीकाराम हनोते वनपाल पिता स्व. श्री मुशी हनोते वार्ड नं. 02 भटेरा चौकी पम्प हाऊस गली बालाघाट म.प्र. एवं श्री हिमाशु घोरमारे वनरक्षक पिता श्री डुलचंद घोरमारे ग्राम पोस्ट सारड़ा तह. लाजी जिला बालाघाट वर्तमान पता वार्ड नं. 33 मोती नगर कुमार फर्नीचर के पिछे बालाघाट ।

श्री टीकाराम हनोते वनपाल की वनपाल की दक्षिण सामान्य वनमंडल के अन्तर्गत लालबर्रा सा. परिक्षेत्र में परिक्षेत्र सहायक लालबर्रा के पद पर पदस्थे थे एवं श्री हिमुाशु घोरमारे वनरक्षक लालबर्रा सामान्य परिक्षेत्र में बहियाटिकुर बीट गार्ड के पद पर पदस्थ थे । उनकी पदस्थिति के दौरान कक्ष क्रमांक 440 में वन्य प्राणी बाघ का शव पाया, जिसके सबंध में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 16036/06 दिनांक 02.08.2025 दर्ज कर विवचेना की कार्यवाही की जा रही है एवं दिनांक 03.08.2025 आप कार्यालय से अनुपस्थित पाये गये एवं जांच कार्यवाही जो की आपके प्रभार कार्य क्षेत्र की है में आपके द्वारा किसी प्रकार का सहयोग एवं अन्य जानकारी साजा नही की जा रही है इसके साथ ही आपके द्वारा अपने मोबाईल नम्बर बदं करके रखा है जो कृत्य म.प्र. सिविल सेवा आरचरण नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत है जो गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है ।

आप लोग दिनांक 03.08.2025 से बिना सूचना दिये लगातार अपने कर्तव्य से अनुपस्थित है । उपस्थित नहीं होने के कारण विज्ञप्ति के माध्यम से आपको अंतिम बार सूचित किया जाता है कि आप विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 02 दिवस के भीतर अपने कर्तव्य पर उपस्थित होवे, एवं अन्यथा आपके विरूद्व सेवा से पृथक करने की नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी ।

जी-16875/25

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

वनमंडलाधिकारी
दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

भारत ने रुस से इस दुर्लभ खनिज को लेकर कर डाली डील....ट्रंप के जले पर नमक छिड़का

अमेरिका के दबाव को किया दरकिनार

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। इस कदम का मकसद रूस को आर्थिक रूप से कमजोर करना और यूक्रेन युद्ध पर दबाव डालना था। हालाँकि, भारत ने पीछे हटने के बजाय एक रणनीतिक कदम उठाकर रूस के साथ औद्योगिक सहयोग के लिए एक नया समझौता किया। इस समझौते के तहत, दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी हुई, जिसमें सबसे खास है दुर्लभ पृथ्वी धातुओं और महत्वपूर्ण खनिजों का खनन शामिल है। इन धातुओं का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों, मोबाइल फोन और अन्य हाई-टेक उपकरणों में होता है, और अभी तक चीन का इन पर एकाधिकार रहा है। भारत और रूस के प्रतिनिधियों, डीपीआईआईटी सेक्रेटरी अमरदीप सिंह भाटिया और रूस के डिप्टी मिनिस्टर अलेक्सी ग्रुजदेव, के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

इसमें दुर्लभ पृथ्वी और महत्वपूर्ण खनिजों का खनन शामिल है। यह साझेदारी भारत को चीन पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद कर सकती है। अंडरग्राउंड कोल गैसीफिकेशन के तहत कोयले से ऊर्जा निकालने की तकनीक में सहयोग। छोटे एयरक्राफ्ट इंजन और विंड टनल जैसी सुविधाओं के विकास पर काम करना।

कार्बन फाइबर, 3डी प्रिंटिंग और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में सहयोग करना है। इतना ही नहीं उर्वरक, रेलवे परिवहन और खनन मशीनरी के लिए तकनीक का आदान-प्रदान करना शामिल है। अन्य क्षेत्र में वेस्ट मैनेजमेंट और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग पर सहमति बनी। इस बैठक में करीब 80 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और अंत में एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए, जो दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का वादा करता है।

पिछले दो वर्षों से भारत रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है। साल 2024 में ही भारत ने रूस से 52.7 बिलियन डालर का तेल खरीदा था। यह देखकर अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध का हवाला देकर भारत पर 25 प्रतिशत का एक और नया टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त से लागू होगा। इस नए टैरिफ के बाद अमेरिका में भारतीय सामान और भी महंगा हो जाएगा, जिससे भारतीय निर्यात पर बड़ा असर पड़ सकता है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के अनुसार, यह नया टैरिफ अमेरिका को होने वाले भारतीय निर्यात को 40-50 प्रतिशत तक कम कर सकता है। लेकिन यह ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका सिर्फ भारत पर ही सख्त कार्रवाई कर रहा है, जबकि चीन और यूरोपीय संघ जैसे देश भी रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं।

जहां 2024 में चीन ने रूस से भारत से भी ज्यादा, 62.6 बिलियन डॉलर का तेल खरीदा। जबकि यूरोपीय यूनियन ने भी रूस से 39.1 बिलियन डालर का सामान मंगाया। भारत को धमकी देने वाला अमेरिका खुद रूस से 3.3 बिलियन डालर का रणनीतिक सामान खरीद चुका है। अमेरिका की यह दोहरी नीति इसलिए मानी जा रही है क्योंकि चीन के पास गैलियम, जर्मेनियम और दुर्लभ पृथ्वी धातुओं जैसे महत्वपूर्ण खनिजों का नियंत्रण है, जो अमेरिका के रक्षा और तकनीकी क्षेत्रों के लिए बहुत जरूरी हैं। अमेरिका द्वारा लगाए गए इन टैरिफ से भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका में भारतीय सामान महंगा होने से उसकी प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो जाएगी, जिससे निर्यात घट सकता है। वियतनाम, बांग्लादेश और चीन जैसे देशों को फायदा हो सकता है, क्योंकि उनके सामान पर अमेरिका में टैरिफ कम हैं। हालांकि कुछ क्षेत्रों, जैसे फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स, में छूट मिल सकती है, लेकिन अन्य श्रेणियाँ बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं।

उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर से लूट रहा विभाग: प्रशांत

अनाप-शनाप बिजली बिलों के बावजूद अंधाधुंध कटौती से जनता हलाकान

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। नगर सहित ग्रामीण अंचलों में इन दिनों बिजली विभाग द्वारा मेंटनेंस के नाम पर की जा रही बिजली कटौती पर युवा नेता प्रशांत मेश्राम ने विद्युत व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। जारी वक्तव्य में श्री मेश्राम ने कहा कि विगत कुछ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण गर्मी एवं उमस से आमजन हलाकान है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से आमजन बार-बार बीमार पढ़ रहे हैं। इन सबके बीच विद्युत विभाग मेंटनेंस के नाम पर नियमित रूप से बिजली कटौती कर जनता के साथ छल कर रहा है। ऐसे में बीजेपी की तत्कालीन शिवराज सरकार चौबीस घंटे बिजली आपूर्ति के लिए शुरू की गई अटल ज्योति योजना भी पूरी तरह फेल साबित हो गई है। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के आने का और जाने का कोई निश्चित समय नहीं है। प्रशांत मेश्राम ने कहा कि बिजली विभाग की अंधाधुंध बिजली कटौती जहां आमजन के लिए सिरदर्द बन गई है वहीं विगत कुछ माह पूर्व बिजली चोरी को रोकने के लिए घर-घर में लगाए गए स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। पहले जहां लोगों को अधिकतम 100रू. तक के बिल आते थे, वहीं अब स्मार्ट मीटर लगने के बाद हजारों रूपए के बिल आने लगे हैं। कई उपभोक्त हैरान है कि पहले 60 से 70 यूनिट की खपत दिखाती थी, अब वहीं मीटर 150 से ज्यादा यूनिट की खपत बता रहे हैं। प्रशांत ने बताया कि बिजली विभाग की इस तरह की मनमानी को रोकने के लिए आगामी समय में जनता के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

गांधी के साथ ठाकरे की डिनर डिप्लोमेसी, क्या ठाकरे छोड़ेंगे इंडिया अलायंस ?

मुंबई,। महाराष्ट्र में दिवाली के त्यौहार के बाद स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं, यह तय है.. इसलिए, ठाकरे बंधुओं ने मराठी मुद्दे पर एकता का नारा दिया है... जिसमें कांग्रेस को छोड़कर महाविकास अघाड़ी में शामिल अन्य दलों ने ठाकरे गठबंधन को हरी झंडी दे दी है... लेकिन दिल्ली में होने वाली बैठक के बाद, क्या उद्धव ठाकरे इंडिया अलायंस में बने रहेंगे या नहीं ? यह स्पष्ट होने की संभावना है। दरअसल उद्धव ठाकरे तीन दिवसीय दिल्ली दौरे पर हैं। रश्मि ठाकरे और आदित्य ठाकरे भी उनके साथ हैं। विधानसभा चुनाव के बाद यह पहली बार है जब इंडिया अलायंस की बैठक दिल्ली में हो रही है। इस बीच, सांसद संजय राउत ने स्पष्ट किया कि उद्धव ठाकरे केवल इन्हीं बैठकों के लिए दिल्ली गए हैं। उद्धव ठाकरे ने दिल्ली में शरद पवार से भी मुलाकात की है। उद्धव ठाकरे और शरद पवार इंडिया अलायंस की बैठक में हिस्सा लेंगे। कहा जा रहा है कि ठाकरे और पवार आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की रणनीति तय करने के लिए दिल्ली गए हैं। ठाकरे के गठबंधन से कांग्रेस दुविधा में बताई जा रही है। दरअसल राज ठाकरे के मराठी पहचान के मुद्दे से उत्तर भारतीय वोटों के छिटकने का डर एवं आक्रामक हिंदुत्व स्थानीय निकाय चुनावों में मुस्लिम वोटों को छिटका सकता है। हालांकि, संजय राउत ने इस दावे को खारिज कर दिया है कि इंडिया अलायंस की बैठक में ठाकरे बंधुओं के गठबंधन पर चर्चा होगी।

धराली त्रासदी : उत्तरकाशी में सेना का राहत अभियान जारी, 50 नागरिक और 9 सैनिक अब भी लापता

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले के धराली क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा के बाद हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। भारी बारिश और भूस्खलन से क्षेत्र की सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं और कई इलाके अब भी बाहरी संपर्क से कटे हुए हैं। प्रशासन और सेना की जानकारी के अनुसार, 50 नागरिक, 1 जेसीओ (जूनियर कमीशंड ऑफिसर) और 8 अन्य सैनिक अब भी लापता हैं।

इसी बीच गंगोत्री में फंसे करीब 180 से 200 पर्यटकों को भारतीय सेना और आईटीबीपी की टीमों द्वारा भोजन, चिकित्सा सुविधा और अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराया जा रहा है। सेना ने नेलोंग और हर्षिल हेलीपैड को सक्रिय कर राहत कार्यों में तेजी लाई है। हालांकि, धराली का नागरिक हेलीपैड अब भी कीचड़ और भूस्खलन के कारण बंद है।

70 लोगों को बचाया गया, 3 की मौत की पुष्टि

अब तक सेना द्वारा 70 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जबकि 3 नागरिकों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। दो शव बरामद किए जा चुके हैं। 9 सैनिकों और 3 नागरिकों को एयरलिफ्ट कर देहरादून लाया गया है। 3 गंभीर रूप से घायल नागरिकों को एम्स ऋषिकेश और 8 अन्य को उत्तरकाशी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सेना का व्यापक राहत अभियान

सेना के 225 से अधिक जवान, जिनमें इंजीनियरिंग इकाइयाँ, चिकित्सा दल और खोजी विशेषज्ञ शामिल हैं, रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हैं। सर्च एंड रेस्क्यू डॉग्स को भी तैनात किया गया है। सेना के अनुसार, जल्द ही चिनूक और एमआई-17 हेलिकॉप्टर मौसम अनुकूल होने पर उड़ान भरकर लोगों को बाहर निकालेंगे और राहत सामग्री पहुंचाएंगे। सहस्त्रधारा से पांच नागरिक हेलिकॉप्टर भी एसडीआरएफ के सहयोग से हर्षिल, मटली और भटवारी के बीच उड़ानें भर रहे हैं।

सेना की सेंट्रल कमांड के कमांडर और यूबी एरिया के जीओसी मौके पर मौजूद हैं और अभियान की निगरानी कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली का दौरा कर राहत कार्यों की समीक्षा की है। सेंट्रल कमांड के चीफ ऑफ स्टाफ, एयर कमांड से समन्वय कर हेलिकॉप्टर अभियानों का संचालन कर रहे हैं।

अगले 48 घंटे अहम

सेना के अनुसार, अगले 24-48 घंटों में पैराट्रूपर्स और एडवांस मेडिकल टीमें चिनूक से हर्षिल भेजी जाएंगी। एनडीआरएफ और स्वास्थ्यकर्मियों को एमआई-17 हेलिकॉप्टर से नेलोंग पहुंचाया जाएगा ताकि खोज और राहत कार्यों में और तेजी लाई जा सके।

14 वर्षीय बालक की मौत, सदमे में परिवार

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। स्कूल से अपने घर लौट रहे एक 14 वर्षीय छात्र की कथित तौर पर साइलेंट अटैक की वजह से मौत हो गई. बालक की मौत से पूरा परिवार सदमे में है और गांव में मातम छाया हुआ है. घटना बुधवार की शाम सवा पांच बजे के आस-पास की है. मिली जानकारी अनुसार महदुली निवासी अनिल पटले के पुत्र अतुल पटले की कथित तौर पर साइलेंट अटैक की वजह से मौत हो गई. जैसा कि बताया जा रहा है अतुल अपने कुछ दोस्तों के साथ बुधवार की शाम 05 बजे स्कूल की छुट्टी होने के बाद टेकाड़ी हाईस्कूल से अपने घर महदुली की तरफ साइकिल से लौट रहा था अचानक से वह साइकिल से खेत में गिर गया. जिसे राहगीरों ने घर पहुंचाया. एक स्थानीय चिकित्सक ने अतुल की मौत की पुष्टि की. अनुमान लगाया जा रहा था कि परिवार गुरुवार की सुबह मृत बालक की मौत का कारण जानने के लिए पीएम करवाएंगा लेकिन बालक का पीएम नहीं हो पाया. जिस कारण अधिकारिक तौर बालक की मौत की पुष्टि नहीं हो पाई केवल साइलेंट अटैक से मौत होने का अनुमान लगाया जा रहा है. स्कली छात्र के मौत के बाद गुरूवार को टेकाड़ी स्कूल में भी मातम छाया रहा. बालक अतुल इसी स्कूल में कक्षा 09 वीं में शिक्षा अर्जित करता था।

बीजेपी विधायक रोहाणी पर पार्टी के ही कार्यकर्ता ने लगाया हमला करने का आरोप

कोर्ट ने किया समन जारी, विधायक को 2 सितंबर को उपस्थित होने का दिया आदेश

जबलपुर। बीजेपी विधायक अशोक रोहाणी पर पार्टी के ही कार्यकर्ता निशांत शर्मा ने उनके खिलाफ कोर्ट में परिवाद दाखिल किया है, जिसमें विधायक पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारिका प्रसाद सूत्रकार ने विधायक रोहाणी को समन जारी करते हुए 2 सितंबर को कोर्ट में हाजिर होने के निर्देश दिए हैं।

मीडिया रिपोर्ट में निशांत शर्मा के मुताबिक जबलपुर के छावनी क्षेत्र के करीब 25 हजार नागरिकों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए थे। उन्होंने इस मुद्दे पर आवाज उठाई और केंद्र व राज्य सरकार के साथ-साथ निर्वाचन आयोग को पत्र लिखे। 20 मार्च 2023 को इंडियन कॉफी हाउस, सदर में एक बैठक बुलाई गई थी, जिसके बाद कथित रूप से उन पर हमला किया गया था।

निशांत का आरोप है कि सदर की गली नंबर-5 में दोपहर 2:30 बजे उन पर हमला किया गया। हमलावरों ने गाली-गलौज कर मारपीट की और वोटर लिस्ट के मुद्दे को दोबारा उठाने पर जान से मारने की धमकी दी। उनका कहना है कि यह हमला विधायक अशोक रोहाणी के इशारे पर किया गया। निशांत ने इस हमले की रिपोर्ट केन्ट थाने में दर्ज कराई थी। हालांकि शिकायत में नामजद किए गए विधायक अशोक रोहाणी और उनके समर्थकों संदीप गौंड व ऋषि बावरिया के नाम एफआईआर से गायब थे। पूछताछ पर थाना प्रभारी ने जांच के बाद नाम जोड़ने का आश्वासन दिया था, लेकिन अगले ही दिन निशांत पर ही एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया। 6 अक्टूबर 2023 को पुलिस ने चार अन्य आरोपियों—सुंदर अग्रवाल, संजय जैन, आशीष राव और राजेश उर्फ छोटू सतनामी के खिलाफ चालान पेश किया, लेकिन विधायक और उनके करीबी समर्थकों के नाम फिर भी इसमें शामिल नहीं किए। पुलिस ने रिपोर्ट में लिखा कि अन्य व्यक्तियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं हैं। निशांत ने अपने परिवाद में सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट, एफआईआर की प्रति और अन्य दस्तावेज कोर्ट में पेश किए। कोर्ट ने सभी बिंदुओं पर विचार करते हुए विधायक अशोक रोहाणी को समन जारी कर 2 सितंबर को कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया है। मामले ने जबलपुर की सियासत गरमा गई है। बीजेपी कार्यकर्ता द्वारा अपने ही विधायक पर गंभीर आरोप लगाए जाने से पार्टी में चर्चा शुरु हो गई है।

फिलीपींस के राष?ट्रपति ब्रह्मोस के मुरीद, सेना को करेंगे आधुनिक हथियारों से लैस

मार्कोस ने कहा- कुछ लोग गलत बटन दबा रहे जिससे भड़क सकता है तनाव

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत के दौरे पर आए फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस जूनियर भारतीय सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के मुरीद हो गए हैं। मार्कोस ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हमने अपने भारतीय समकक्षों से संपर्क किया है। हम जानना चाहते हैं कि भारतीय सेनाओं ने इसका किस तरह से इस्तेमाल किया है। फिलीपींस ब्रह्मोस और अन्य हथियार भारत से खरीदना चाहता है। उन्होंने कहा कि फिलीपींस की सेना के आधुनिकीकरण के लिए हम हर चीज के लिए तैयार हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन की सेना फिलीपींस को धमकाने में जुटी हुई है। मीडिया रिपोर्ट में एक इंटरव्यू में फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा कि उनकी भारत यात्रा फायदेमंद रही। भारत के साथ रिश्ते अब एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं जो रणनीतिक भागीदारी के प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हम जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह मेरी ड्यूटी है कि मैं अपने देश की रक्षा करें। यह पूछे जाने पर कि क्या फिलीपींस फाइटर जेट और युद्धपोत भी खरीदेगा, इस पर मार्कोस ने कहा कि हमें अपने हथियारों को अपग्रेड करना होगा ताकि पार्टनर देशों के साथ उसे इस्तेमाल किया जा सके। सभी विकल्प खुले हैं।

मार्कोस ने इस बात की पुष्टि की कि फिलीपींस की सेना और ज्यादा ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने की प्रक्रिया में है। फिलीपींस के राष्ट्रपति ने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर दर्शाता है कि संयुक्त अभ्यास का महत्व है और समान सोच वाले देशों के साथ गठबंधन की जरूरत है। साथ ही यह भी कहा कि उनका देश सैन्य ताकत बढ़ा रहा है क्योंकि क्षेत्रीय चुनौतियां बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं। खासकर चीन की दक्षिण चीन सागर में चुनौती काफी बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम अपने क्षेत्र की रक्षा के लिए हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं को बदलने के लिए एकतरफा किसी भी प्रयास का निश्चित रूप से विरोध किया जाना चाहिए। मार्कोस ने चेतावनी दी कि कुछ लोग गलत बटन दबा रहे हैं जिससे तनाव भड़क सकता है। उन्होंने बातचीत को जारी रखने पर जोर दिया। राष्ट्रपति मार्कोस ने यहां उद्योग मंडल फिक्की की तरफ से आयोजित भारत-फिलीपींस सीईओ गोलमेज बैठक में इस बात पर जोर दिया कि फिलीपींस और भारत आर्थिक साझेदारी बढ़ाने के लिए पीटीए को एक रणनीतिक मंच के रूप में देखते हैं। फिक्की ने एक बयान में मार्कोस के हवाले से कहा कि हम पीटीए को जल्द से जल्द लागू करने के लिए साझा आधार खोजने के लिए काम कर रहे हैं।

पुलिस अफसर को थप्पड़ मारने के मामले में पूर्व विधायक हर्षवर्धन को एक साल की जेल

नागपुर। नागपुर की एक कोर्ट ने 2014 में एक पुलिस अधिकारी को थप्पड़ मारने के मामले में पूर्व विधायक हर्षवर्धन रायभान जाधव को एक साल जेल की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश आर जे राय ने भाजपा के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के दामाद जाधव ने नागपुर के एक पुलिस निरीक्षक को थप्पड़ मारने के मामले में बुधवार को यह सजा सुनाई। जाधव महाराष्ट्र विधानसभा में कन्नड़ निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह शिवसेना, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और शिव स्वराज्य पक्ष के सदस्य भी रहे हैं।

हैदराबाद में सरोगेसी और बच्चों की तस्करी के रैकेट का पर्दाफाश, 25 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद। सिकंदराबाद स्थित यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर में सरोगेसी और बच?चों की तस्करी के रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। जांच के दौरान हैदराबाद पुलिस ने 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आठ लोगों में एजेंट, क्लिनिक के कर्मचारी और एक शिशु के जैविक माता-पिता भी शामिल हैं। इसके बाद मुख्य आरोपी डॉ। ए नम्रता से हिरासत में पूछताछ की गई, जिन पर 80 से ज?यादा जोड़ों को धोखा देने का संदेह है। एक दंपत्ति को सरोगेसी के जरिए मिले बच्चे के जैविक रूप से उनके नहीं होने का पता चला था, जिसके बाद जांच शुरू हुई और यह अब धोखाधड़ी और जालसाजी के कई मामलों तक पहुंच गई है।

पुलिस ने अब तक आठ एफआईआर दर्ज की हैं और इस मामले में शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। अब इस बात पर भी बहस छिड़ गई है कि क्या सरोगेट शिशुओं का यह देखने के लिए आनुवंशिक परीक्षण किया जाना चाहिए कि उनका डीएनए दत्तक माता-पिता में से किसी एक से मेल खाता है या नहीं और क्या इसे अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।

पीड़ितों से कथित तौर पर आईवीएफ और सरोगेसी के लिए 13 लाख रुपये से लेकर 44 लाख रुपये तक की भारी-भरकम फीस वसूली गई थी, जबकि ऐसा बच्चा दिया गया जिसका उनसे कोई आनुवंशिक संबंध नहीं था। कुछ मामलों में क्लिनिक कथित तौर पर पूरा भुगतान लेने के बाद भी बच्चा देने में विफल रहा। जांच के दौरान ऐसे सबूत सामने आए हैं, जो यह बताते हैं कि डॉ। नम्रता के नेतृत्व वाले इस नेटवर्क ने पहले से पता शिशुओं से कहीं ज?यादा की तस्करी की होगी।

वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि जांच से यह भी पता चला है कि इस रैकेट के एजेंटों का एक व्यापक नेटवर्क था, जिनमें कुछ लोग तेलंगाना के बाहर के भी थे और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को सरोगेट मदर बनने या अपने शिशुओं को बेचने के लिए लुभाते थे।

साथ ही वित्तीय लेन-देन को लेकर भी ध?यान केंद्रित किया जा रहा है। इस मामले में पुलिस धन के प्रवाह और संभावित टैक?स चोरी का पता लगाने के लिए डिजिटल और नकद लेनदेन की जांच कर रही है। मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि अगर इसके सबूत मिलते हैं तो वे प्रवर्तन निदेशालय को सूचित कर सकते हैं।

अमेरिका ने दी चीन को छूट और भारत पर लगाया टैरिफ, यह दोस्ती नहीं

नई दिल्ली। अमेरिका के भारत पर 25फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने के फैसले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे दोहरा मापदंड करार देते हुए कहा कि इससे भारतीय उत्पाद अमेरिका में असहनीय रूप से महंगे हो जाएंगे और भारत-अमेरिका रिश्तों पर इसका असर पड़ेगा। थरूर ने सवाल उठाया कि चीन भारत से ज्यादा रूसी तेल आयात कर रहा है, फिर भी अमेरिका ने चीन को 90 दिन की छूट दी है, जबकि भारत पर तत्काल प्रभाव से टैरिफ लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में थरूर ने कहा कि यूरेनियम, पैलेडियम जैसे कई उत्पाद अमेरिका रूस से आयात करता है। फिर भी भारत को टारगेट किया गया। यह किसी दोस्त देश की दोस्ती नहीं लगती। थरूर ने चेताया कि इससे भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों में खटास पैदा हो सकती है और भारत में अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाने की मांग उठ सकती है। उन्होंने कहा कि अब भारत में भी दबाव होगा कि अमेरिका के निर्यात पर समान टैरिफ लगाए जाएं। हमें अब अन्य व्यापारिक साझेदारों की ओर देखना होगा। थरूर ने कहा कि अमेरिकी बाजार में अब भारतीय वस्तुएं 50फीसदी टैरिफ के कारण महंगी बिकेंगी, जिससे पाकिस्तान (19फीसदी), बांग्लादेश (20फीसदी), वियतनाम (20फीसदी) जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा में भारत पिछड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग सबसे सस्ती चीज की ओर रुख करेंगे और यह टैरिफ हमारी कीमतों को ऊपर ले जाएगा।

अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से की गई मारपीट?

वार्ड बाय सहित 6 सुरक्षाकर्मियों पर परिजनों ने लगाया मारपीट का आरोप, मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल, पीड़ित परिजनों ने इंसाफ की लगाई गुहार, सीएस से की शिकायत , अधिकारी बोले मामले का लिया जाएगा संज्ञान, होगी वैधानिक कार्यवाही

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। आए दिनों किसी ना किसी बात को लेकर विवादों में घिरा रहने वाला जिला अस्पताल, इन दिनों अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के साथ की गई मारपीट की घटना को लेकर जमकर सुर्खियां बटोर रहा है। जहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों ने देर रात जिला अस्पताल के वार्डबॉय सहित 6 सुरक्षाकर्मियों पर गाली-गलौज कर, उनके साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है। तो वहीं मरीजों और उनके परिजनो के साथ, सुरक्षाकर्मियों द्वारा की गई कथित मारपीट का वीडियो भी इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जहां वायरल हो रहे वीडियो में मरीज, उनके परिजनों और सुरक्षा कर्मियों के बीच विवाद स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। तो वही दोनों ओर से एक दूसरे आरोप प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं।हालांकि सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो की पुष्टि बालाघाट एक्सप्रेस या पद्मेश न्यूज़ द्वारा नहीं की जाती। लेकिन पीडितों के अनुसार यह वीडियो जिला अस्पताल का ही है और स्वयं उनके द्वारा बनाकर इसे सोशल मीडिया पर डाला गया है। उधर मरीज और उनके परिजनों से मिली लिखित शिकायत पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा दोनों पक्षों को बुलाकर मामले का संज्ञान लेने और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के आधार पर विवाद का पता लगाने के बाद, मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की बात कही गई है।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना वारासिवनी ग्राम भांडी पिपरिया निवासी 21 वर्षीय युवक जयदीप पिता सुरेश वहाने को रात्रि में अचानक सीने में दर्द उठा। जिस पर उसके भाई रतनदीप सहित अन्य परिजनों ने एंबुलेंस के माध्यम से उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया। जहां स्टाफ द्वारा उसका प्राथमिक उपचार किया गया था। बताया गया कि इसी दरमियान रात्रि में थाना कटंगी ग्राम चौखंड से, तीरनबाई पति हरिशचंद्र राऊत नामक एक बुजुर्ग महिला को, कीटनाशक का सेवन करने के चलते उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया था। जिसे जयदीप के बाजू वाला बेड दिया गया था। मरीज और उनके परिजनों ने बताया की रात्रि करीब 3 बजे तीरनबाई को लगी सूई से, ग्लूकोज बोतल में खून चढ़ने लगा था।जिसको देखकर बाजू बैड पर भर्ती जयदीप वहाने ने तीरनबाई के छोटे पुत्र संतोष राउत और बहू आरती राउत को मामले की जानकारी देते हुए चिकित्सक स्टाफ को बुलाने की बात कही। जिनके बुलावे पर चिकित्सक स्टाफ तीरनबाई को देखने नहीं आया। जिस पर अस्पताल में भर्ती जयदीप स्वयं जाकर वार्डबॉय, सुरक्षा गार्ड को तीरनबाई के बारे में अवगत कराया।लेकिन चिकित्सक स्टाफ देखने नहीं आए।बताया गया कि वह स्टाफ को बुलाने करीब 3 बार गया। पर स्टाफ के लोग नही आए।जिस पर जयदीप और उसका भाई रतन दीप दोनों वार्ड बाय सुरक्षा कर्मियों के पास जाकर महिला की हालत देखने की बात कही ताकि महिला के साथ कोई अनहोनी ना हो जाए। जिस पर सुरक्षाकर्मी व वार्ड बाय भड़क गए और दो सुरक्षाकर्मियों ने वार्ड बॉय के साथ मिलकर मरीज और उसके परिजन की पिटाई शुरू कर दी। परिजनों का आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने अन्य सुरक्षा कर्मियों को भी फोन करके मौके पर बुला लिया और उनके बीच जमकर मारपीट हुई है। जिसका उन्होंने वीडियो भी बनाया है।

रात के 3 बजे हम दोनों भाई से की गई है मारपीट- रतनदीप

उक्त जानकारी देते हुए पीड़ित मरीज जयदीप के भाई रतनदीप वहाने ने, बताया कि यह घटना रात्रि करीब 3 बजे की है हम पड़ोसी बेड वाली महिला की मदद के लिए चिकित्सक स्टाफ को बुलाना चाहते थे। ताकि महिला को समय पर उपचार मिल सके और कोई अनहोनी ना हो। क्योंकि सलाईन से ब्लड वापस ग्लूकोज की बोतल में जा रहा था। बार-बार समस्या बताने पर भी वे लोग चिकित्सक स्टाफ को नहीं बुला रहे थे और इसी को लेकर वार्ड बाय सहित दो सुरक्षा गार्ड्स में गाली-गलौच करते हुए हम दोनों भाइयों के साथ मारपीट की। बाद में उन्होंने अपने तीन-चार साथियों को भी बुला लिया और सभी 6 लोगों ने मिलकर हम दोनों भाइयों को मारा है। जिससे मेरी पीठ और छाती में अंदरूनी मार लगी है। विवाद इतना बढ़ गया था कि वहां पर पुलिसकर्मी भी आ गए थे।लेकिन उन्होंने हमारी कोई फरियाद नहीं सुनी। हमारी मांग है कि हमें इस मामले में इंसाफ दिलाया जाए।ताकि यहां भर्ती होने वाले मरीजों और उनके परिजनों को ऐसी किसी घटना का सामना करना न पड़े।

मामले में वैधानिक कार्यवाही की जाएगी-जैन

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि यह मामला आपके द्वारा संज्ञान में लाया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो उन्होंने नहीं देखा है। यदि ऐसा है तो मरीज और उनके परिजनों से लिखित शिकायत मिलने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि जो भी वीडियो वायरल हुआ है उसके आधार पर और दोनों पक्षों को बुलाकर मामले का संज्ञान लिया जाएगा, जिसमें गलती पाए जाने पर संबंधितो पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

सोनेवानी अभ्यारण में हुई बाघिन की मौत में गठित एसआईटी टीम पर पूर्व विधायक किशोर समरीते ने किये सवाल खड़े

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लांजी के पूर्व विधायक किशोर समरीते ने लालबर्रा क्षेत्र के सोनेवानी अभ्यारण के जंगल में बाघिन की मौत मामले में हुई एसआईटी टीम के गठन में वन विभाग पर सवाल खड़े किए हैं। उनका मानना है कि एसआईटी टीम में जो अधिकारी , कर्मचारी का गठन किया गया है, वह उस स्तर के अधिकारी, कर्मचारी नहीं है । उन्होंने बाघिन के अवशेष को लेकर भी जांच किए जाने की मांग की है । आपको बता दे की बीते कुछ दिनों लालबर्रा क्षेत्र के सोनेवानी अभ्यारण में एक मादा बाघिन की मौत का मामला सामने आया है, जो अभी भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसमें विभाग ने भी एसआईटी टीम का गठन कर दिया है। इस पूरे मामले में अभी भी विभाग की जांच चल रही है । इस मामले में संयुक्त क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लांजी के पूर्व विधायक किशोर समरीते ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया कि एसआईटी टीम का जो विभाग ने गठन किया है । उसमें उस स्तर के अधिकारी सम्मिलित नहीं है । साथ ही मृत बाघिन के अवशेष को भी संज्ञान लेने की बात उन्होंने कही है , लगातार कट रहे वनों पर भी सवाल उठाए हैं। वनों की भी जांच किए जाने की बात पूर्व विधायक द्वारा कही गई है। उन्होंने मोहन सरकार से मांग की है कि आज वन विभाग उनके पास है। उन्हें इन सब विषय पर संज्ञान लेने की बात कही हैं। उन्होंने कहा की आज वन विभाग की टास्क फोर्स कोई काम नहीं कर रही है । उन्होंने कहा की बाघिन की मौत का विषय अब बड़ा हो गया है। इस पूरे विषय में सरकार को संज्ञान लेना चाहिए । दक्षिण सामान्य वन मंडल के डीएफओ ने मृत बाघिन का पीएम करवाना था। इसकी अंतिम क्रियाविधि होती है, वह नही की गयी मृत बाघिन की मृत्यु के बाद नियम अनुसार उसके शव का अंतिम संस्कार नहीं किया गया। आज छोटे कर्मचारियों पर ही विभाग कार्यवाही कर रहा है। जबकि इस पूरे विषय में बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई होनी थी। उन्होंने बताया कि यदि 10 वर्ष का आंकड़ा निकाली जाए तो कई बाघों की मौत की जानकारी निकाल कर सामने आएगी और हर मामले में लापरवाही भी सबके सामने उजागर होगी । उन्होंने मांग की है कि मुख्यमंत्री इस पूरे मामले को अपने संज्ञान में लेते हुए। यहां के संबधित बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई करें।

ससुराल में आए एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को पाटिया से मार कर किया घायल

घायल महिला का जिला अस्पताल में किया गया इलाज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम गांगुलपारा ससुराल आये एक व्यक्ति ने घरेलू अपनी पत्नी को पटिया से मारकर घायल कर दिया। बीती रात घटना घरेलू विवाद के चलते हुई। पटिया के वार से घायल महिला गंगावती पति अमर सिंह वरकडे 20 वर्ष ग्राम कातोली थाना लामता निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगावती का मायका गांगुलपार का है। डेढ़ वर्ष पहले ही गंगावती की शादी अमर सिंह बरकड़े ग्राम कातोली चौकी चरेगांव निवासी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई है। अमर सिंह वरकड़े खेती किसानी के अलावा नागपुर काम करने जाता है और गंगावती घरेलू काम करती है। इन दोनों अमर सिंह वरकडे नागपुर काम करने गया हुआ था और गंगावती अपने मायके गांगुलपारा में थी। 6 अगस्त को अमर सिंह वरकडे नागपुर से अपने घर कातोली आया था। शाम 4:00 बजे अमर सिंह वरकडे अपने ससुराल ग्राम गांगुलपारा पहुंचा था। उस समय गंगावती अपने चाचा किशन टेकाम के घर में थी। अमर सिंह वरकडे अपनी पत्नी गंगावती से मिलने के बाद वह शाम को घर से निकला था और रात्रि 11:30 बजे करीब अमर सिंह वरकड़े शराब पीकर अपने ससुराल पहुंचा और अपनी पत्नी गंगावती से बोलने लगा कि तूने शराब पी है। गंगावती ने बोली कि मैंने शराब नहीं पी हु। जिसके बाद गंगावती ने अपने पति अमर सिंह वरकड़े को खाना दी किंतु अमरसिंह वरकड़े ने खाना नहीं खाया। और वहां अपनी पत्नि गंगावती को गालियां देने लगा था। दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर अमर सिंह वरकड़े ने आवेश में आकर लकड़ी की पटिया उठाकर पत्नी गंगावती पर वार कर दिया पटिया का वार गंगावती के कनपटी में लगने से वह घायल हो गई। जिसके बाद मामला शांत होने पर घायल गंगावती को उसके पति अमर सिंह वरकड़े और भाई जीतू टेकाम ने 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द

सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ

B.Tech. & Polytechnic

- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के

द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश

सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट

6262604111, 9425836824

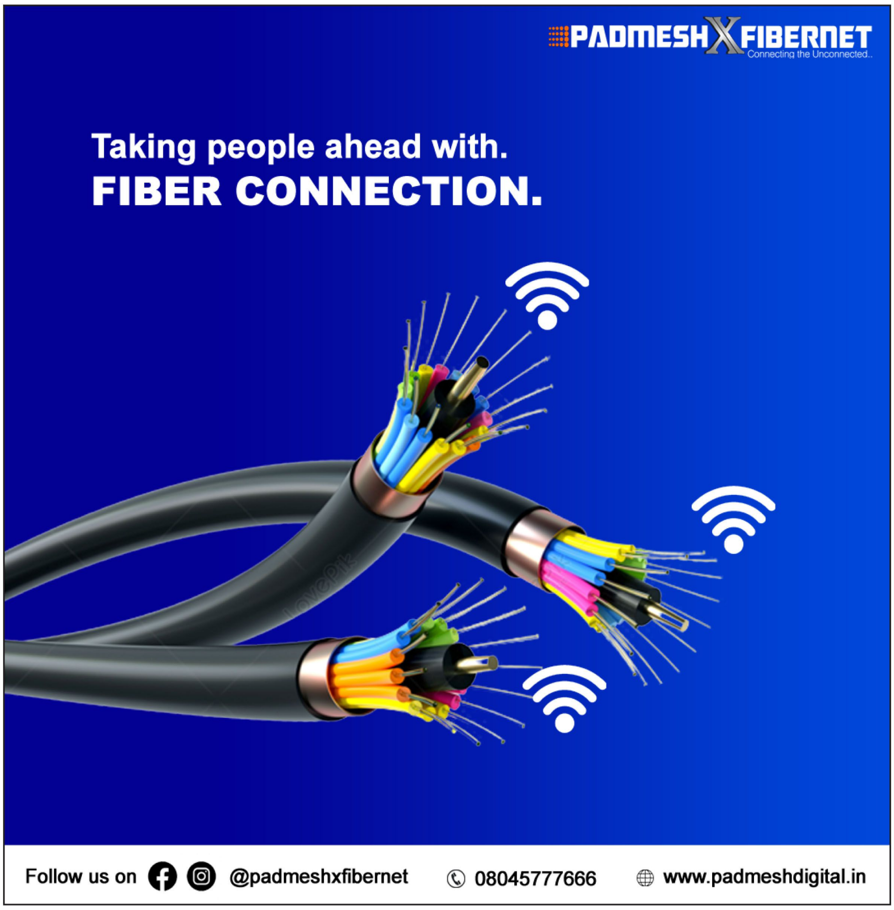

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट